THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 68 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.8 2083 सोमवार, 8 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

अमेरिका ने होर्मुज में दो ईरानी ड्रोन गिराए

तेहरान, 7 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उसने आज होर्मुज में दो ईरानी ड्रोन मार गिराए हैं। सेना का कहना है कि ये ड्रोन वहां से गुजरने वाले जहाजों के लिए खतरा बन रहे थे।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों ने शनिवार को यह कार्रवाई की। सेना ने कहा कि वह इलाके में किसी भी तरह के खतरे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया। ईरानी फॉरेन मिनिस्ट्री का कहना है कि अमेरिका तनाव कम करने के बजाय अपनी सैन्य कार्रवाई से पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है।

संसदीय समिति के सीबीएसई-एनटीए से तीखे सवाल

पेपर लीक की परिभाषा क्या है?

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसकी परिभाषा में पेपर लीक किसे माना जाएगा? सूत्रों के अनुसार, इसके साथ ही यह भी सवाल पूछा गया है कि क्या 2018 से अब तक उसके द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में पेपर लीक की घटना हुई है। समिति ने एनटीए अधिकारियों से पिछले हफ्ते हुई अपनी बैठक के बाद यह सवाल पूछे हैं।

सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने कहा था कि उनकी प्रणाली से कोई पेपर लीक नहीं हुआ और कुछ प्रश्न केवल एक गेस पेपर के रूप में प्रसारित हो रहे थे। कांग्रेस सदस्य दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली यह संसदीय समिति नीट पेपर लीक मामले और सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम (ओएसएम) विवाद की जांच कर रही है। समिति ने एनटीए और सीबीएसई सहित कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को तलब किया था।

सीबीएसई और एनटीए से मांगे लिखित जवाब

समिति ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और एनटीए से क्रमशः ओएसएम प्रणाली और एनईईटी परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर लिखित जवाब मांगे हैं। समिति ने एनटीए से पूछा है कि क्या उसने सीबीआई की जांच से अलग एनईईटी-यूजी 2024 पेपर में कथित अनियमितताओं की जांच कराई थी।

समिति ने पिछले तीन वर्षों में एनटीए की कर्मचारी संख्या, 2022 के बाद हुई नई भर्तियों और उच्च शिक्षा विभाग को भेजी गई वार्षिक रिपोर्टों का विवरण भी मांगा है। सूत्रों के अनुसार, समिति ने राधाकृष्णन समिति की 101 सिफारिशों में से प्रत्येक पर विस्तृत रिपोर्ट और एनटीए द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा भी मांगा है।

ओएसएम प्रणाली के लिए बदलावों पर भी पूछे सवाल

पूर्व इसरो प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति का गठन जून 2024 में केंद्र सरकार ने किया था। इसका उद्देश्य एनटीए के माध्यम से परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन के लिए सुझाव देना था। इसमें एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रक्रिया में सुधार और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करने से जुड़े सुझाव शामिल थे।

सूत्रों के अनुसार, सीबीएसई को आठ जून तक और एनटीए को 10 जून तक लिखित जवाब देने को कहा गया है। दोनों एजेंसियों ने अभी तक जवाब नहीं दिया है। संसदीय समिति ने सीबीएसई से यह भी पूछा है कि ओएसएम प्रणाली के लिए जारी विभिन्न अनुरोध प्रस्तावों (आरएफपी) में कथित बदलाव क्यों किए गए और क्या अनुबंध देने से पहले कोएम्पट की पृष्ठभूमि की जांच की गई थी।

समिति कोएम्प्ट पर को लेकर उठाए सवाल

समिति ने यह भी जानना चाहा कि क्या सीबीएसई को यह जानकारी थी कि कोएम्प्ट एडुटेक और/या उसके निदेशक पहले ग्लोबरेना टेक्नॉलिजीस से जुड़े रहे हैं, जिसकी मूल्यांकन प्रणाली पर 2019 के तेलंगाना इंटरमीडिएट परिणामों की जांच में सवाल उठे थे। इसके साथ ही यह तथ्य अनुबंध देने के निर्णय में कैसे शामिल किया गया।

समिति ने सीबीएसई से यह भी पूछा कि ओएसएम अनुबंध के तीसरे आरएफपी में खराब प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले बोलीदाताओं को अयोग्य ठहराने वाला प्रावधान क्यों हटाया गया। इसके अलावा, समिति ने यह जानना चाहा कि पहले ब्लैकलिस्ट किए गए बोलीदाताओं पर रोक लगाने वाला प्रावधान तीसरे आरएफपी में केवल वर्तमान में ब्लैकलिस्ट कंपनियों तक सीमित क्यों कर दिया गया और बोलीदाता के लिए न्यूनतम 50 करोड़ रुपये के टर्नओवर की शर्त क्यों रखी गई।

समिति ने यह भी पूछा कि आरएफपी के प्रावधानों में बदलाव कर अपने डेटा सेंटर रखने वाले ठेकेदारों को प्राथमिकता देने के बजाय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से मान्यता प्राप्त डेटा सेंटर का उपयोग करने वालों को प्राथमिकता क्यों दी गई। समिति ने यह भी सवाल उठाया कि रोबोटिक स्कैनर का प्रावधान क्यों हटाया गया और उसकी जगह पर्याप्त स्कैनर जैसी सामान्य शर्त क्यों रखी गई। साथ ही, उत्तर पुस्तिकाओं की रीढ़ काटे बिना स्कैनिंग करने की शर्त क्यों हटाई गई। >12

नीट पेपर लीक के बाद एनटीए सिस्टम बदलेगा !

एक्सपर्ट्स सवाल तैयार तो करेंगे, पर पता नहीं होगा किस एग्जाम के लिए है

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और सीबीएससी की मार्किंग गड़बड़ियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्पर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। वहीं केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा- पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मंत्री जिम्मेदारी से नहीं भाग रहे, बल्कि व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं।

एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है।

एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब 85% ट्रांसलेशन का काम एआई से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपर्ट्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं। >12

फर्जी पिज्जा ऑर्डर बना मौत का कारण

अमेरिका में मेडचल के युवक की गोली मारकर हत्या

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के एक युवक की अमेरिका में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह एक फर्जी ऑर्डर मिलने के बाद पिज्जा की डिलीवरी करने गया था। इस घटना से परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक की पहचान मेडचल-मलकाजगिरि जिले के गुंडलपोचमपल्ली निवासी 28 वर्षीय अंशुल कुंचा के रूप में हुई है। परिवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात पेनसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया शहर में हुई। अंशुल एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत था और अतिरिक्त आय के लिए सप्ताहांत में पार्ट-टाइम पिज्जा डिलीवरी का काम भी करता था। बताया गया कि आधी रात के बाद अंशुल को एक सुनसान इलाके में पिज्जा पहुंचाने का ऑर्डर मिला। जब वह निर्धारित स्थान पर पहुंचा तो वहां पहले से मौजूद दो अज्ञात हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हमलावरों ने बेहद करीब से उसके सिर में कई गोलियां मारीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए।

परिवार के अनुसार, घटना के दौरान अंशुल से कोई सामान नहीं लूटा गया। उसका फोन, नकदी और अन्य सामान सुरक्षित मिला, जिससे हत्या के पीछे के मकसद को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों का आरोप है कि पिज्जा डिलीवरी का ऑर्डर एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था और अंशुल को जानबूझकर जाल में फंसाकर निशाना बनाया गया। अंशुल की बहन तन्वी ने कहा कि उनके भाई को एक सुनसान इलाके में पिज्जा पहुंचाने के लिए बुलाया गया था, लेकिन बाद में पता चला कि वह एक फर्जी ऑर्डर था। उन्होंने कहा कि वहां कोई ग्राहक मौजूद नहीं था और पूरा मामला एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होता है। परिवार का कहना है कि उन्हें अब तक यह समझ नहीं आ रहा कि हमलावरों का मकसद क्या था। परिजनों ने यह भी बताया कि अंशुल पहले भी अमेरिका में एक लूट की घटना का शिकार हो चुका था, जिसमें उसकी चेन, मोबाइल फोन और नकदी छीन ली गई थी। अंशुल वर्ष 2023 में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री की पढ़ाई के लिए अमेरिका गया था और वहीं नौकरी कर रहा था। घटना के बाद परिवार ने केंद्र और राज्य सरकार से अंशुल का शव जल्द भारत लाने में सहायता की मांग की है। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सोमवार को शव सौंपे जाने की संभावना जताई गई है। परिवार चाहता है कि सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी हों ताकि अंतिम संस्कार के लिए शव को भारत लाया जा सके। इस बीच, न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। दूतावास ने कहा है कि वह स्थानीय प्रशासन और अंशुल के परिवार के लगातार संपर्क में है तथा हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस दुखद घटना ने अमेरिका में भारतीय छात्रों और कामकाजी युवाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मद्रास हाईकोर्ट ने 'वंदे मातरम' सर्कुलर को चुनौती देने के लिए नई याचिका की दी अनुमति

चेन्नई, 7 जून (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी उस सर्कुलर को चुनौती देने के लिए याचिकाकर्ता को नई याचिका दाखिल करने की अनुमति दे दी है, जिसमें सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत 'वंदे मातरम' के गायन से करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक संबंधित सर्कुलर की वैधता को सीधे चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस विषय पर कोई विशेष निर्देश जारी करना उचित नहीं होगा।

यह मामला चेन्नई निवासी अनन्या राधाकृष्णन द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका में तमिलनाडु में सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत पारंपरिक रूप से 'तमिल थाई वाज़्तु' के गायन से किए जाने की व्यवस्था को बहाल करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने यह याचिका 10 मई को तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री विजय और उनके मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के बाद दायर की थी।

याचिका में कहा गया था कि शपथ ग्रहण समारोह की शुरूआत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान के साथ हुई, जबकि 'तमिल थाई वाज़्तु' का गायन बाद में किया गया। याचिकाकर्ता का तर्क था कि तमिलनाडु में लंबे समय से सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत 'तमिल थाई वाज़्तु' से होती रही है और समापन राष्ट्रगान के साथ किया जाता है। इस परंपरा में बदलाव से राज्य की सांस्कृतिक पहचान और भावनाओं पर असर पड़ सकता है।

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया कि 'तमिल थाई वाज़्तु', जिसे तमिल विद्वान मनोन्मनीयम सुंदरनार ने 1891 में लिखा था, तमिल समाज की सांस्कृतिक विरासत और पहचान का प्रतीक माना जाता है। याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध न तो 'वंदे मातरम' से है और न ही राष्ट्रगान से, बल्कि वे केवल राज्य की स्थापित परंपरा को बनाए रखने की मांग कर रहे हैं।

सीबीएसई ओएसएम विवाद पर राहुल गांधी ने पीएम पर निशाना साधा

पीएम चाहते हैं युवा रील बनाएं और पकौड़े तलें

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को सीबीएसई और सीओईएमपीटी के बीच कथित मिलीभगत का खुलासा करने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत और उनके साथी निसर्गा अधिकारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि युवा रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें, लेकिन इन दोनों युवाओं ने सवाल पूछे और उनके जवाब भी खोजे।

सीबीएसई ओएसएम विवाद में राहुल गांधी का बयान :

सार्थक सिद्धांत सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम (ओएसएम) से प्रभावित 18 वर्षीय छात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा में ओएसएम के लिए विक्रेता चयन की निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की ओर ध्यान दिलाया है। वीडियो के साथ हिंदी में लिखे अपने पोस्ट में गांधी ने कहा, सार्थक 18 साल के हैं, फिर भी, सोच, साहस और सिद्धांतों के मामले में उनका कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने और उनके सहयोगी निसर्गा ने वह कर दिखाया जो देश के प्रमुख मीडिया घराने और खोजी पत्रकार नहीं कर सके: उन्होंने सीबीएसई और सीओईएमपीटी के बीच

मिलीभगत को राष्ट्र के सामने उजागर किया।

राहुल गांधी ने कहा कि 18 साल के एक छात्र ने अपनी समझ और मेहनत से ऐसा काम किया है, जो जांच एजेंसियों से भी बेहतर माना जा सकता है। उनके अनुसार, यह युवाओं की जीत है और सरकार की नाकामी को दिखाती है। उन्होंने कहा, मोदी जी चाहते हैं कि हमारे युवा बिना सवाल पूछे या आंखें खोले रील बनाते और पकौड़े तलते रहें। लेकिन इन युवकों ने सवाल पूछे और उन्हें जवाब भी मिल गए।

राहुल गांधी ने कहा कि यही असली युवा शक्ति है- जो जिज्ञासु, जागरूक और समझदार है। उनका कहना है कि देश का भविष्य ऐसे युवाओं के कारण सही दिशा में जाएगा। ओएसएम विवाद के बाद सरकार ने सीबीएसई के दो बड़े अधिकारियों को हटा दिया है। वहीं कांग्रेस ने इस कार्रवाई को सिर्फ दिखावा बताया है। राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने और मामले की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराने की मांग की है।

ओएसएम विवाद पर राहुल गांधी और छात्रों की मुलाकात :

राहुल गांधी ने एक वीडियो में सार्थक सिद्धांत से पूछा कि उन्होंने ओएसएम टेंडर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों की जानकारी कैसे जुटाई। उन्होंने उनके काम की सराहना करते हुए कहा कि वे एक तरह से खोजी पत्रकार की तरह काम कर रहे हैं। पिछले मंगलवार को राहुल गांधी ने सार्थक और उनके परिवार से मुलाकात की थी और तस्वीरें साझा करते हुए लिखा था कि सार्थक, अपने सिद्धांतों पर अडिग रहो। सार्थक सिद्धांत ने उसी दिन संसदीय समिति के सामने ओएसएम टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर एक प्रस्तुति भी दी।

मानसून महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में पहुंचा

केरलम-तमिलनाडु में भारी बारिश, चेन्नई में पारा 40

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। मानसून रविवार को चार और राज्यों त्रिपुरा, नगालैंड, असम और अरुणाचल प्रदेश में पहुंच गया। महाराष्ट्र में मानसून केवल दक्षिण कोंकण तक बढ़ा। इसके चलते 9 जून तक सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी में भारी बारिश हो सकती है। हालांकि अगले हफ्ते तक राज्य में बारिश का पैटर्न कमजोर रहने का अनुमान है।

आईएमडी के मुताबिक मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40ओC का आंकड़ा पार कर गया। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। एमपी में भोपाल समेत 4 जिलों में 50किमी की रफ्तार वाली आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

राम मंदिर से 7 करोड़ की चोरी का दावा

अखिलेश बोले- सरकार की चुप्पी संदिग्ध; पूर्व मंत्री ने कहा- चंपत राय कसम खाएं

अयोध्या/लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का दावा है कि अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपए का चढ़ावा गायब हो गया है। उन्होंने रविवार को X पोस्ट कर लिखा, पूरी दुनिया में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील खबर है। राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों रुपए की रकम गायब मिली है।

अखिलेश ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और सरकार को भी घेरा है। लिखा, करोड़ों रुपए गायब होना मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। सपा अध्यक्ष ने कोर्ट से स्वत: संज्ञान लेने की मांग की है, क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनानती समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

अयोध्या के पूर्व विधायक पवन पांडेय सपा सरकार में वन और मनोरंजन कर राज्य मंत्री रहे हैं। उनका दावा है कि राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी 5 से 7.50 करोड़ तक हो सकती है। अगर चोरी नहीं हुई है तो ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय सामने आएं और प्रभु श्रीराम की कसम खाकर कहें कि सबकुछ झूठ है। अगर बात सच है तो एफआईआर करवाएं। उन्होंने कहा, अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये चोरी कितने समय से हो रही थी। ट्रस्ट के किन-किन सदस्यों तक ये पैसा गया है, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती बैंक कर्मचारी ट्रस्ट के लोगों की मौजूदगी में करते हैं। यह काम सीसीटीवी की निगरानी में होता है। दान की रकम को रजिस्टर पर चढ़ाया जाता है। फिर उसे राम मंदिर परिसर में ही बने लॉकर में रख दिया

जाता है। अगले दिन रुपए बैंक में जमा कर दिए जाते हैं। ट्रस्ट का मुख्य खाता अयोध्या धाम के भारतीय स्टेट बैंक में है। चढ़ावे की रकम के ऑडिट का पूरा काम टीसीएस (टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज) की निगरानी में किया जाता है। राम मंदिर में चढ़ावा कितना आता है। इसकी जानकारी ट्रस्ट की बैठक में ही दी जाती है। आखिरी बार दिसंबर 2025 में चढ़ावे की जानकारी दी गई थी।

13 दिसंबर, 2025 को मंदिर ट्रस्ट की बैठक में जानकारी सामने आई थी कि अब तक ट्रस्ट को कुल 4,575 करोड़ रुपए मिले हैं। पिछले 5 साल 9 महीने में मंदिर निर्माण, श्रीराम जन्मभूमि परिसर के विस्तार, जमीन और भवन की खरीद सहित अन्य कई कामों पर 2,475 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। तब ट्रस्ट के पास लगभग 2100 करोड़ रुपए बचे थे।

बंगाल में टीएमसी नेताओं पर फूटा लोगों का गुस्सा

एक का सिर मुंडवाया, जूते की माला पहनाकर परेड निकाली, दूसरा पुलिस से बचने साड़ियों में छिपा

कोलकाता, 7 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद टीएमसी नेताओं के खिलाफ लोगों का गुस्सा सामने आ रहा है। कोलकाता में रविवार को गिरफ्तार टीएमसी पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कोर्ट ले जाते समय लोगों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके।

वहीं, सोशल मीडिया पर दो और वीडियो वायरल हैं। एक हावड़ा का है, जिसमें पुलिस से बचने के लिए एक नेता साड़ियों के नीचे छिपा मिला। दूसरा वीडियो नवादा का है। इसमें कटमनी वसूल करने वाले एक नेता का लोगों ने पहले सिर मुंडवाया। फिर जूते-चप्पल की माला पहनाकर उसकी परेड निकाली। ये वीडियो भाजपा के स्थानीय नेताओं ने भी एक्स पर शेयर किए हैं।

रिश्वत लेने के आरोप में नेता का सिर मुंडवाया :

नवादा में ग्रामीणों ने टीएमसी नेता सन्यासी मन्ना का सिर मुंडवाकर उन्हें जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया। ग्रामीणों का आरोप है कि वह सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे वसूलता था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मन्ना को भीड़ से छुड़ाया। पुलिस ने कहा कि आरोपों की जांच की जाएगी। फिलहाल उनके खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

गिरफ्तार टीएमसी पार्षद की गाड़ी पर अंडे फेंके :

कोलकाता में गिरफ्तार टीएमसी पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कोर्ट ले जाते समय लोगों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके। पाटुली थाने के बाहर भी उनके खिलाफ प्रदर्शन हुआ। कोलकाता नगर निगम के वार्ड-101 के पार्षद दासगुप्ता को शनिवार को उनके सहयोगी सौरव घोष के साथ गिरफ्तार किया गया था। दोनों पर रंगदारी, धमकी, जबरन घुसपैठ और आग लगाने की कोशिश समेत कई आरोप हैं।

सीमा विवाद से लेकर व्यापार तक

एस जयशंकर से मुलाकात के बाद बदले नेपाल के सुर, कहा- टकराव नहीं सहयोग चाहिए

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। भारत और नेपाल के रिश्तों को लेकर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनलका बड़ा बयान सामने आया है। दिल्ली दौरे पर आए खनल ने कहा कि साल 2026 दोनों देशों के संबंधों के लिए सबसे अच्छा मौका लेकर आया है। उन्होंने साफ कहा कि भारत और नेपाल के बीच कोई भी समस्या इतनी बड़ी नहीं है जिसे बातचीत से हल न किया जा सके। सीमा विवाद से लेकर व्यापार, ऊर्जा और कनेक्टिविटी तक दोनों देशों ने खुलकर बातचीत की है। खनल ने यह भी कहा कि नेपाल भारत को खुले दिल और साफ नजरिये से देखता है।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनल ने कहा कि उन्होंने 6 जून को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ विस्तार से बातचीत की। इस दौरान व्यापार, सीमा पार संपर्क, ऊर्जा साझेदारी, जल संसाधन और लोगों के बीच रिश्तों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की साझा सीमाएं बाधा नहीं बल्कि

मजबूत पुल बननी चाहिए। खनल ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच रिश्तों को भावनाओं नहीं बल्कि तथ्यों और आपसी सम्मान के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कई पुराने मुद्दे हैं, लेकिन उन्हें बातचीत और राजनयिक प्रक्रिया के जरिए हल किया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय टकराव का नहीं बल्कि सहयोग का है।

शिशिर खनल ने माना कि भारत और नेपाल के बीच सीमा और सीमांकन से जुड़े कुछ पुराने विवाद मौजूद हैं। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि नेपाल इन मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके और बातचीत के जरिए सुलझाना चाहता है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें सीमा क्षेत्रों में मिलकर काम कर रही हैं। नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि उनकी भारत के साथ हुई बातचीत में यह सहमति बनी है कि दोनों देश सभी मौजूदा तंत्रों को फिर से सक्रिय करेंगे ताकि लंबित मुद्दों का समाधान निकाला जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाल किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं चाहता और वह कूटनीतिक प्रक्रिया पर भरोसा रखता है।

आंध्र प्रदेश मार्कफेड में 'दागी अधिकारी' की नियुक्ति पर सवाल

अमरावती, 7 जून (एजेंसियां)। एपी मार्कफेड ने एक ऐसे अधिकारी को अकाउंट्स से जुड़ी अहम ज़िम्मेदारी सौंपी है जो पहले विजिलेंस जांच में शामिल रहा है, जबकि कथित तौर पर सीनियर और योग्य अधिकारियों को नज़रअंदाज़ किया गया। इस बात पर सवाल उठ रहे हैं।इस घटनाक्रम ने कोऑपरेटिव सेक्टर में चिंता पैदा कर दी है और संवेदनशील ज़िम्मेदारियां सौंपने में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, यह अधिकारी 2017-18 सीज़न के दौरान प्रकाशम ज़िले में प्रोक्योरमेंट ऑफिसर के तौर पर तैनात था। उस समय शिकायतें मिली थीं कि बिचौलियों के ज़रिए खरीदी गई उड़द की दाल को किसानों से सीधे खरीदी गई दाल के तौर पर दिखाया गया था। किसानों के विरोध के बाद, विजिलेंस जांच में कथित तौर पर गड़बड़ियां पाई गईं और कार्रवाई की सिफारिश की गई।

'हिमाचल की जनता ने भी कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया'

पीएम मोदी बोले- जहां इनकी सरकारें वहां जनता कुशासन से तंग

शिमला, 7 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक कार्यक्रम में हिमाचल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि हिमाचल में कांग्रेस सरकार शहरी निकाय चुनाव में बुरी तरह से हार गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां की जनता कुशासन से तंग आ गई है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने भी कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया है। इससे पहले हरियाणा के निकाय चुनाव में कांग्रेस को हार मिली और पंजाब के लोगों ने भी कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की परजीवी पालिटिक्स नहीं चलेगी।

उन्होंने कांग्रेस पर अराजकता में अवसर ढूंढने की राजनीति करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू 11 जून को प्रस्तावित नीति आयोग की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

इस दौरान सीएम सुक्खू पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। आरडीजी को बंद करने सहित हिमाचल से जुड़े अन्य मामलों की पैरवी करेंगे। मुख्यमंत्री केंद्र सरकार से उदार वित्तीय मदद की गुहार भी लगाएंगे, ताकि आरडीजी बंद होने से बिगड़े हिमाचल के वित्तीय संतुलन को ठीक किया जा सके। इससे पहले मुख्यमंत्री का सात जून को नारकंडा जाने का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने मंत्रिमंडल बैठक के अलावा जनसमस्याएं भी सुनीं। उन्होंने मौके पर ही लोगों की समस्याओं का निपटारा करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कुल्लू पहुंचे

प्रशासनिक अधिकारियों ने किया स्वागत

कुल्लू, 7 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रविवार को कुल्लू पहुंचे। भुंतर हवाई अड्डे पर उपायुक्त कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अनुसार वह रविवार सुबह दिल्ली से हवाई मार्ग से भुंतर पहुंचे और इसके बाद सड़क मार्ग से मनाली की तरफ रवाना हुए। उनका मनाली स्थित आनंद वर्धन रिजॉर्ट में ठहरने का कार्यक्रम है।

8 जून को वह ऋषि भूमि चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन करेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय साधना हॉल का दौरा करेंगे। इसके अलावा स्थानीय कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे और शाम को शिव मंदिर में आयोजित शिव महाआरती में शामिल होंगे। 9 जून को पूर्व राष्ट्रपति मनाली से लाहौल की ओर प्रस्थान करेंगे और अटल टनल, चंद्रभागा नदी क्षेत्र तथा सिस्सू सहित विभिन्न स्थलों का भ्रमण करेंगे। शाम को वह पुनः मनाली लौटेंगे। 10 जून को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भुंतर हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दौरे के मद्देनजर कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तथा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

आंध्र के मन्यम में आठ हाथियों ने फसल और सिंचाई सिस्टम को बर्बाद किया

पार्वतीपुरम, 7 जून (एजेंसियां)। सालूर मंडल के पुलिगानिवलासा गांव के बाहरी इलाके में आठ जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर तबाही मचाई। उन्होंने पाम ऑयल के बाग में सिंचाई पंप सेट और केले की फसल को नुकसान पहुंचाया।हाथी मक्कूवा होते हुए पार्वतीपुरम मंडल से सालूर मंडल में घुसे और फसलों व खेती के बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया। बाद में यह झुंड मक्कूवा मंडल के मावुडी गांव की ओर बढ़ गया और पार्वतीपुरम मंडल में अपने पारंपरिक इलाके की ओर लौटने लगा। स्थानीय लोगों ने कहा कि तबाही देखने के बाद उन्हें अपने खेतों में जाने से डर लग रहा है।जानवरों ने पुलिगानिवलासा के बाहरी इलाके में पाम ऑयल के बाग में लगे सिंचाई पंप सेट और ड्रिप सिंचाई सिस्टम को नष्ट कर दिया। बाद में झुंड केले के बाग में घुस गया और कटाई के लिए तैयार फसल को बर्बाद कर दिया।

पाम ऑयल के बाग में काम कर रहे खेतिहर मजदूर हाथियों का तांडव देखकर वहां से भाग गए। टीएनआईई से बात करते हुए सालूर फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर के। तविटीनाइडू ने कहा, आठ हाथियों का झुंड कुछ दिन पहले सालूर मंडल में घुसा था। यह भटककर पाम ऑयल और केले के बागों में चला गया और पुलिगानिवलासा के बाहरी इलाके में सिंचाई पंप सिस्टम और फसलों को नुकसान पहुंचाया। स्थानीय लोगों से जानकारी मिलने पर हमारे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सालूर व मक्कूवा दोनों मंडलों में हाई अलर्ट जारी किया। उन्होंने कहा, हम फील्ड स्टाफ और हाथी ट्रैकर्स की मदद से हाथियों की गतिविधियों पर नज़र रख रहे हैं।

इंसान और जानवरों के बीच टकराव को रोकने के लिए पुलिस और राजस्व विभागों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रभावित इलाकों में लोगों की भारी भीड़ को रोकने के लिए राजस्व अधिकारियों ने बीएनएसएस की धारा 163 (पहले सीआरपीसी की धारा 144) भी लागू की है। चूंकि सालूर मंडल में पानी के स्रोत सीमित हैं, इसलिए हाथी पार्वतीपुरम मंडल में अपने पारंपरिक इलाके की ओर वापस जा रहे हैं। संबंधित विभागों द्वारा नुकसान का आकलन पूरा करने के बाद मुआवजा दिया जाएगा।

1999 में 6000 थी सैलरी... अब छापामारी में मिले 5 मकान

13 प्लॉट और नोटों का अंबार, ओडिशा में इंजीनियर गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 7 जून (एजेंसियां)। ओडिशा विजिलेंस ने आय से अधिक संपत्ति मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कंधमाल जिले के बालिगुड़ा स्थित आईटीडीए के सहायक कार्यपालक अभियंता (एईई) बैकुंठनाथ बेहरा को गिरफ्तार कर लिया है। विजिलेंस की छापेमारी में उनके पास करोड़ों रुपये की अघोषित संपत्ति का खुलासा हुआ, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। विजिलेंस की टीम की छापामारी अभी भी जारी है।

अभी बेहरा की पत्नी के नाम पर संचालित एक और बैंक लॉकर खोला जाना बाकी है। ओडिशा विजिलेंस ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच में अब तक 5 बहुमंजिला आलीशान मकान, 13 मूल्यवान प्लॉट, लाखों रुपये की संपत्ति, सोने के आभूषण और बैंक लॉकरों का पता चला है। विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, बेहरा ने वर्ष 1999 में महज 6 हजार रुपये मासिक वेतन पर कनिष्ठ अभियंता (जेई) के रूप में नौकरी शुरू की थी। लेकिन छापेमारी के दौरान उनके और उनके रिश्तेदारों के नाम पर करोड़ों रुपये की संपत्ति सामने आई है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है।

रील में दिखाए सोने-चांदी के गहने और कैश, पड़ गई चोरों की नजर

शिवपुरी, 7 जून (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर सोने-चांदी के गहने और कैश के साथ रीलबाजी करना एक परिवार को भारी पड़ गया है। महिला अपने गहनों के साथ रील बनाती थी और इसी से चोरों को सुराग मिला और उन्होंने रात में घर पर धावा बोलकर लाखों की चोरी कर डाली। दरअसल जिले के ग्रामीण इलाके से चोरी की एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया पर निजी संपत्ति के प्रदर्शन को लेकर नई बहस छेड़ दी है। वारदात की सबसे खास बात यह रही कि चोर पूरी तैयारी के साथ पहुंचे थे। उन्होंने पहले घर के बाहर लगे तार काटे, फिर सीढ़ी लगाकर मकान में प्रवेश किया और अंदर पहुंचते ही सीसीटीवी कैमरे की दिशा बदल दी।

इसके बाद बदमाशों ने अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे कीमती जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना का कुछ हिस्सा कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चोरों ने जिस तरह से योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया, उससे लगता है कि उन्हें घर और उसके सामान की पहले से जानकारी थी।

हालांकि पुलिस ने अभी तक चोरी और सोशल मीडिया गतिविधियों के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है। इसके बावजूद यह मामला लोगों को अपनी निजी जानकारी, संपत्ति और कीमती सामान को सार्वजनिक मंचों पर साझा करने के संभावित जोखिमों की याद दिला रहा है। पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

पंजाब एजीटीएफ की बड़ी कामयाबी: राजस्थान के दो शूटर्स जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार

फिरोजपुर, 7 जून (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक सफल संयुक्त अभियान में राजस्थान के दो शूटर्स को जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया है। ये दोनों फिरोजपुर के मखू इलाके में हुई गुरचरण सिंह गाबा की हत्या के मुख्य आरोपी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने फिरोजपुर पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर यह सुनियोजित ऑपरेशन अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के पास से एक बेरेटा .30 बोर पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास है। इन पर जबरन वसूली, लूटपाट, डकैती, चोरी और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। राजस्थान पुलिस ने इन दोनों पर 10 हजार का इनाम भी घोषित किया हुआ था। मखू पुलिस स्टेशन में इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए फिरोजपुर लाया जा रहा है

चिदंबरम का बड़ा दावा

डीएमके को जानकारी देने के बाद ही कांग्रेस ने टीवीके को दिया था समर्थन

चेन्नई, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी। चिदंबरम ने कहा है कि उनकी पार्टी ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला डीएमके नेतृत्व को जानकारी देने के बाद ही लिया। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और डीएमके ने मिलकर चुनाव लड़ा था। चुनाव के बाद टीवीके को सरकार बनाने में मदद करने के लिए कांग्रेस ने सबसे पहले अपने पांच विधायकों का समर्थन देने की पेशकश की थी। चिदंबरम ने एक निजी समाचार चैनल को बताया कि अगर टीवीके सदन में बहुमत हासिल नहीं कर पाती, तो राज्य में दोबारा चुनाव कराने की नौबत आ जाती। वे और उनके गठबंधन के साथी इस स्थिति से बचना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि आम जनता भी दोबारा चुनाव नहीं चाहती थी। चिदंबरम ने दावा किया कि कांग्रेस ने इस फैसले के बारे में सीपीआई, वीसीके और आईयूएमएल जैसे सहयोगियों

को भी पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा कि बस फर्क इतना था कि कांग्रेस ने सहयोगियों से एक दिन पहले ही टीवीके को समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के तुरंत बाद गठबंधन में दरार दिखने लगी। उदयनिधि स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके की युवा इकाई ने एक बैठक की और एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें कांग्रेस पर डीएमके के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया गया। डीएमके के वरिष्ठ नेता टीआर बालू ने भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने उन लोगों को धोखा दिया है जिन्होंने इस गठबंधन को वोट दिया था। साल 2026 के विधानसभा चुनावों में विजय के नेतृत्व वाली टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। हालांकि, साधारण बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के आंकड़े से वह 10 सीटें पीछे रह गई थी।

सरकार बनाने के लिए पार्टी को कम से कम 10 और विधायकों के समर्थन की जरूरत थी। विपक्षी दलों में कांग्रेस पहली पार्टी थी जिसने टीवीके को समर्थन दिया। इसके बाद वीसीके, आईयूएमएल, सीपीआई और सीपीआई(एम) भी इस समर्थन में शामिल हो गए। इन सभी पार्टियों ने दो-दो सीटें जीती थीं। इन दलों के सहयोग से टीवीके बहुमत का आंकड़ा पार करने में सफल रही और उसने सरकार बनाने का दावा पेश किया।

अगले चार दिन आंधी-बारिश 9-10 जून को लू का अलर्ट

भोपाल, 7 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। एक ओर कई जिलों में तेज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी का दौर जारी है, तो दूसरी ओर तापमान भी बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला बना रहेगा।

वहीं 9 और 10 जून को उत्तर मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में हीटवेव की स्थिति बन सकती है। दक्षिण भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा मानसून अब गोवा तक पहुंच चुका है और जल्द ही महाराष्ट्र में प्रवेश कर सकता है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही गति बनी रही तो मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री सामान्य तिथि के आसपास या उससे पहले हो सकती है। प्रदेश में मानसून आमतौर पर 15 जून के आसपास दक्षिणी जिलों से प्रवेश करता है।

35 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने रविवार को भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, अलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा समेत करीब 35 जिलों में तेज हवा और बारिश की चेतावनी जारी की है। हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

रेस्टोरेंट में आग की लपटें दूसरी मंजिल तक पहुंचीं

बुझाने के लिए दीवार तोड़कर घुसे दमकलकर्मी

भोपाल, 7 जून (एजेंसियां)। राजधानी के लालघाटी क्षेत्र स्थित भोज इन रेस्टोरेंट में रविवार को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने रेस्टोरेंट के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां मौजूद कर्मचारियों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रेस्टोरेंट से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग फैलने लगी, जिसके बाद तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बैरागढ़ फायर स्टेशन से दमकल की दो गाड़ियां मौके पर रवाना की गईं। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया तथा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से आग आसपास के हिस्सों में नहीं फैल सकी और बड़ा हादसा टल गया। आग की सूचना मिलते ही भोपाल का फायर ब्रिगेड अमला अलर्ट मोड पर आ गया।

हालात की गंभीरता को देखते हुए फतेहगढ़ और भेड़ाघाट सहित शहर के विभिन्न स्टेशनों से 3 वाटर टैंकरों सहित कुल 8 दमकल वाहनों को तुरंत मौके पर रवाना किया गया। भोजनालय के भीतर धुएं का गुबार और तपन इतनी ज्यादा थी कि दमकलकर्मियों को अंदर प्रवेश करने के लिए इमारत की दीवार तक तोडनी पड़ी। करीब डेढ़ घंटे की भारी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका, जिसके बाद घंटों तक कूलिंग का काम चलता रहा। आग की चपेट में आने से रेस्टोरेंट के अंदर रखा फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

दिल्ली के वसंतकुज में ऑटो पलटने से एक महिला की मौत

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। वसंतकुंज थाना क्षेत्र में रजोकरी फ्लाईओवर पर महिपाल पुर की ओर जाते समय एक आटो पलटने से महिला की मौत हो गए। वहीं दुर्घटना में दो बच्चों समेत छह लोग घायल हुए हैं। फायर ब्रिगेड के मुताबिक घटना तड़के हुई। सुबह 4.35 बजे कॉल मिली। मौके पर टीम पहुंची। यूनिट प्रभारी एसओ गोपाल के मुताबिक एक तिपहिया वाहन (बजाज मैक्सीमा टेम्पो पंजीकरण नंबर- डीएल-1एल एसी-7850 है) सड़क पर पलट गया था। एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई और छह लोगों को चोटें आईं, जिन्हें सफदरजंग अस्पताल और एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में लगी भीषण आग

छुट्टी की वजह से टला बड़ा हादसा लैपटॉप और सामान जलकर खाक

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। कड़कड़डूमा कोर्ट के स्कैनिंग रूम में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। छुट्टी का दिन होने की वजह कोर्ट में सिर्फ पुलिसकर्मी ही मौजूद थे। उन्होंने मामले की सूचना दमकलकर्मियों को दी। दमकल की आठ गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्कैनिंग रूम में रखे लैपटॉप व अन्य सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत रही इस रूम के बराबर में कोर्ट का रिकॉर्ड रूम था जो आग लगने से बच गया। दमकल को रविवार सुबह 5:22 पर आग लगने की सूचना मिली थी। आग कोर्ट के दूसरी मंजिल पर बने स्कैनिंग रूम में लगी थी।

शाहदरा बार एसोसिएशन के सचिव नरवीर डबास ने कहा कि स्कैनिंग रूम में कोर्ट के रिकॉर्ड को डिजिटल किया जाता है। रविवार को छुट्टी थी। आम दिनों में कोर्ट में बहुत भीड़ होती है। एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं है।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बने डॉक्टर

भोपाल समेत प्रदेश भर के संजीवनी क्लीनिकों की जांच तेज; 9 मुन्नाभाई एमबीबीएस बर्खास्त

भोपाल, 7 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य महकमे में फर्जी डिग्री के सहारे मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले कथित डाक्टरों के खिलाफ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने बड़ा हंटर चलाया है। एनएचएम की शुरुआती जांच में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से नौ फर्जी डाक्टर पकड़े गए हैं। विभाग ने मुस्तैदी दिखाते हुए इन सभी फर्जी डॉक्टरों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया है,

साथ ही संबंधित जिलों के थानों में इनके खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

दमोह जिले में पहला मामला सामने आने के बाद विभाग ने प्रदेश भर के संजीवनी क्लीनिकों और अस्पतालों में तैनात डॉक्टरों के दस्तावेजों की स्क्रूटनी शुरू कर दी है, जिससे हड़कंप मचा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, दमोह में फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद अब तक 81 डॉक्टरों के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा चुकी है। विभाग का यह जांच अभियान यहीं रुकने वाला नहीं है। भोपाल के संजीवनी क्लीनिकों में भी स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें ताबड़तोड़ जांच कर रही हैं।

किसाऊ बांध परियोजना में आएगी तेजी

गृह मंत्री शाह लेंगे आज बैठक, मुख्य सचिव समेत अफसर होंगे शामिल

देहरादून, 7 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड से जुड़ी बड़ी किसाऊ बांध परियोजना के काम में अब तेजी आएगी। गृह मंत्रालय पिछले करीब छह माह से सीधे इसकी निगरानी कर रहा है। सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह सभी हितधारक राज्यों के अफसरों के साथ दिल्ली में बैठक करेंगे। इसके बाद 16 जून को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ भी बैठक करने वाले हैं। किसाऊ बांध परियोजना की संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो गई है।

1940 के दशक में इस परियोजना का बीजारोपण हुआ था। वर्ष 1996 में इसकी एक डीपीआर तैयार हुई लेकिन पर्यावरण संबंधी आपत्तियों और अन्य कारणों से यह आगे नहीं बढ़ पाई। वर्ष 2008 में केंद्र सरकार ने इसे

राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया। नई डीपीआर बनाने का फैसला हुआ लेकिन काम आगे नहीं बढ़ पाया। वर्ष 2021 में संशोधित डीपीआर बनाने का फैसला हुआ। यह डीपीआर अब तैयार हो चुकी है, जिससे परियोजना करीब 15 हजार करोड़ रुपये में तैयार होगी। गृह मंत्रालय इस परियोजना को जल्द निर्माण के चरण में लाना चाहता है। डीपीआर एप्रूवल के लिए केंद्र को भेजी गई है, जिस पर पर्यावरणीय व अन्य स्वीकृतियां होनी हैं।

गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को इस परियोजना की समीक्षा करेंगे, जिसमें हितधारक राज्यों यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और हिमाचल के अफसर शामिल होंगे। उत्तराखंड से मुख्य सचिव आनंदबर्द्धन, यूजेवीएनएल के एमडी अनिल कुमार सिंह समेत कई अफसर इस बैठक में शामिल होंगे। अफसरों के साथ बैठक के बाद गृह मंत्री शाह 16 जून को राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ इस पर बैठक करेंगे। टिहरी के बाद एशिया की दूसरी सबसे बड़ी इस परियोजना से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के 17 गांव जलमग्न होंगे।

जिससे करीब 1000 परिवारों का विस्थापन होगा। बहुउद्देशीय किसाऊ जलविद्युत परियोजना के पूरी होने के बाद 660 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इसमें से उत्तराखंड को 350 मेगावाट बिजली के साथ ही उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए पानी भी मिल सकेगा। इससे यमुना में पानी की कमी भी दूर हो जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जिसने सबको पछाड़ा वक्त वह पहलवान है। इसके सामने, न राजा, न शहंशाह, न मंत्री, न कल, न आज। कोई नहीं ठिक पाया

किशन रेड्डी ने सीएम को दी खुली बहस की चुनौती

किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को किसी भी विषय पर, कहीं भी खुली बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी की खोखली धमकियों से कोई भी डरने वाला नहीं है और तेलंगाना में उन्हें राज्य में प्रवेश से रोकने की क्षमता किसी में नहीं है। किशन रेड्डी ने कहा कि उनका राजनीतिक जीवन शुरूआत से लेकर अब तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ जुड़ा रहा है, जबकि मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में कई बार पार्टियां बदली हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता सब जानती है और समय ही सभी सवालों के जवाब देगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि पहले जनता से किए गए वादों को पूरा किया जाए, अन्यथा दलित और पिछड़े वर्ग (बीसी) अपने हक के लिए उनके दरवाजे तक विरोध करने पहुंचेंगे। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार किसानों को गंभीर रूप से गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि धान पर घोषित बोनस की राशि अब तक किसानों को नहीं दी गई है। इसके साथ ही उन्होंने खेत मजदूरों और किरायेदार किसानों के लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता की घोषणा न होने पर भी सवाल उठाए। किशन रेड्डी ने फसल ऋण माफी योजना के आंशिक क्रियान्वयन की भी आलोचना की और कहा कि सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने के बजाय केंद्र और अन्य वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋणों पर निर्भर होकर काम चला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों ही केवल बयानबाजी की पार्टियां हैं, जबकि जनता वास्तविक काम चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अपने योगदान का प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने चेतावनी दी कि वर्तमान सरकार को अपने कार्यों का परिणाम भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वे उकसावे में आने वाले व्यक्ति नहीं हैं और उनका उद्देश्य सभी राज्यों का समान विकास सुनिश्चित करना है।

शिलान्यास को लेकर बीआरएस-कांग्रेस में सियासी टकराव तेज

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोहेड़ा एकीकृत फल बाजार के शिलान्यास समारोह के दौरान बीआरएस और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। बीआरएसएलपी के पूर्व मंत्री पी सबिता इंदिरा रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर बीआरएस को दोषी ठहराने का आरोप लगाया। सबिता इंदिरा रेड्डी ने कहा कि वर्तमान सरकार जनता के मुद्दों पर काम करने के बजाय राजनीतिक आलोचना में अधिक व्यस्त है। उन्होंने दावा किया कि कोहेड़ा में अंतरराष्ट्रीय स्तर के फल बाजार का विचार सबसे पहले बीआरएस सरकार के समय सामने आया था और इसके लिए लगभग 300 एकड़ भूमि भी अधिग्रहित की गई थी। उनके अनुसार, पिछली सरकार ने इस परियोजना के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पुराने प्रस्तावों को नए नाम देकर श्रेय लेने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि परियोजना के स्थान में बदलाव क्यों किया गया, जबकि पहले ही भूमि आवंटित की जा चुकी थी। उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहां मौजूद किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस ने कभी विकास कार्यों का विरोध नहीं किया, बल्कि क्षेत्रीय रिंग रोड जैसी योजनाओं की शुरूआत भी पिछली सरकार के कार्यकाल में हुई थी। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह किसानों की सहमति के बिना उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण कर कॉरपोरेट और रियल एस्टेट हितों को बढ़ावा दे रही है। सबिता इंदिरा रेड्डी ने आगे आरोप लगाया कि सरकार फार्मा सिटी जैसी योजनाओं को नजरअंदाज कर रही है और भारत फ्यूचर सिटी परियोजना को रियल एस्टेट परियोजना की तरह आगे बढ़ा रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या सरकार यह स्पष्ट कर सकती है कि नई योजना के तहत फार्मा उद्योगों को शामिल किया जाएगा या नहीं।

उन्होंने कालेश्वरम और पालमुरू-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं का बचाव करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं ने तेलंगाना को कृषि उत्पादन में मजबूत बनाया है। उनके अनुसार, इन योजनाओं पर सवाल उठाना किसानों और पिछली सरकार दोनों का अपमान है। बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर छह गारंटियों को लागू करने में देरी, कृषि ऋण माफी में असफलता और बेरोजगार युवाओं को निराश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार की कथित कमियों को छिपाने के लिए मुख्यमंत्री विपक्ष को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पार्टी सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेगी।

सीएम ने उप्पल भागयथ में 1,511 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के उप्पल भागयथ लेआउट में 1,511 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिनमें मलकाजगिरी नगर निगम भवन भी शामिल है। लगभग 10 एकड़ में बनने वाले इस भवन की अनुमानित लागत 98 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके अलावा एओसी सेंटर पर वैकल्पिक सड़कों के निर्माण का भी शिलान्यास किया गया, जिसकी लागत 960 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। साथ ही टीकेआर कॉलेज जंक्शन पर 6 लेन फ्लाईओवर के निर्माण की आधारशिला रखी गई, जिसकी

लागत 416 करोड़ रुपये है।

कार्यक्रम के दौरान मलकाजगिरी जिला अस्पताल के निर्माण की भी आधारशिला रखी गई, जिसमें 100 बेड की सुविधा होगी और इस परियोजना पर 37.50 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इस मौके पर मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू और दामोदर राजनरसिम्हा, सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव, राज्यसभा सदस्य वी. नरेंद्र रेड्डी और अनिल कुमार यादव, भोंगीर सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, सरकारी व्हिप अद्दांकी दयाकर तथा विधायक बंडारी लक्ष्मा रेड्डी, मलरेड्डी रंगा रेड्डी और श्री गणेश सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोहेड़ा में किसानों से जबरन भूमि ली गई : भाजपा

प्रभावित किसानों को मुआवजा दिए बिना ही शिलान्यास

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने रविवार को आरोप लगाया कि किसानों के कल्याण की बात करने वाली मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अंतरराष्ट्रीय एकीकृत फल बाजार की स्थापना के लिए कोहेड़ा क्षेत्र में किसानों की भूमि जबरन अधिग्रहित की है। यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि कोहेड़ा क्षेत्र के किसानों के विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रभावित किसानों को मुआवजा दिए बिना ही फल बाजार परियोजना का शिलान्यास कर दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कोहेड़ा क्षेत्र के किसानों को हिरासत में लेकर पुलिस थाने में

रखा गया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम समाप्त होने और उनके वहां से जाने के बाद ही किसानों को रिहा किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि राज्य सरकार पहले प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा प्रदान करे और उसके बाद ही कोहेड़ा में बाजार से संबंधित किसी भी कार्य की शुरूआत की जाए। कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि सरकार में किसानों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है और उसका रवैया निजाम शासन की तरह है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उस टिप्पणी पर भी कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि खरीद (प्रोक्योरमेंट) के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार को तेलंगाना की सीमाएं पार करना भी मुश्किल हो जाएगा।

रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों से समय पर धान की खरीद करने में विफल रही है और यह सरकार कमीशनखोर तथा भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार बन गई है।

महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा शाखा द्वारा चलाए जा रहे राज्यव्यापी महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान प्रजा पालन-प्रगति प्राणालिका (99 दिवसीय अभियान) के तहत आज एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, महिला एवं बाल सुरक्षा विंग, हैदराबाद ने शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल सुरक्षा विंग के डीसीपी तथा एएचटीयू एवं जेबी यूनिट के एसीपी के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में बोराबांडा बस्ती, रहमत नगर, उस्मानिया जनरल अस्पताल तथा चौमहल्ला पैलेस सहित कई स्थानों पर आयोजित किए गए। जागरूकता अभियान के दौरान टीमों ने आमजन को लैंगिक संवेदनशीलता, बाल सुरक्षा तथा महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ होने वाले विभिन्न प्रकार के अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में भी नागरिकों को सतर्क किया गया। अधिकारियों ने मानव तस्करी से जुड़े जोखिमों और उससे बचाव के उपायों पर भी विस्तार से जानकारी दी तथा नागरिकों को किसी भी प्रकार की घटना की सूचना बिना भय के देने के लिए प्रोत्साहित किया।

जीएचएमसी चुनावों में भी विजय प्राप्त करेगी कांग्रेस : गौड़

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष एवं एमएलसी बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने रविवार को कहा कि हैदराबाद वाटर बोर्ड की मान्यता प्राप्त श्रमिक यूनियन के चुनाव परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि कर्मचारी और श्रमिक कांग्रेस सरकार के साथ हैं।

रविवार को गांधी भवन में आयोजित सम्मान समारोह में उन्होंने वाटर बोर्ड यूनियन चुनाव में अध्यक्ष पद पर भारी बहुमत से विजयी हुए मोगुल्ला राजी रेड्डी को सम्मानित किया। इस अवसर पर महेश कुमार गौड़ ने चुनाव में भाग लेने वाले सभी कर्मचारियों और तेलंगाना वाटर बोर्ड एम्प्लॉइज यूनियन को वोट देने वाले मतदाताओं को बधाई दी। उन्होंने राजी रेड्डी और उनकी टीम की जीत को महत्वपूर्ण बताते हुए विशेष रूप से सराहना की।

उन्होंने कहा कि जिस तरह आईएनटीयूसी के माध्यम से कांग्रेस का झंडा मजबूती से

लहराता है, उसी तरह आने वाले ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों में भी पार्टी विजय प्राप्त करेगी। उन्होंने पूर्व बीआरएस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आरटीसी हड़ताल के समय पिछली सरकार ने कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया, जबकि वर्तमान सरकार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तीन दिनों के भीतर बातचीत कर हड़ताल समाप्त करवाई। महेश गौड़ ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने सिंगरेनी और वाटर बोर्ड जैसी संस्थाओं पर लंबे समय तक नियंत्रण बनाए रखा, जिससे कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने विशेष रूप से हरीश राव पर वाटर बोर्ड पर प्रभाव बनाए रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद कर्मचारियों को स्वतंत्र रूप से अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करने का अवसर मिला है। उन्होंने यूनियन नेताओं से कर्मचारियों के सुख-दुख में साथ रहने की अपील की और कहा कि सरकार कर्मचारियों के मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाकर समाधान के लिए प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा कि वाटर बोर्ड चुनाव में मिली जीत कर्मचारियों के आत्मसम्मान और कांग्रेस पार्टी में उनके विश्वास का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए और अधिक ईमानदारी से कार्य करेगी। इस मौके पर विजेता यूनियन नेता मोगुल्ला राजी रेड्डी ने सभी समर्थकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह जीत 12 वर्षों बाद मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ तथा मंत्रियों विवेक वेंकटस्वामी और पोनम प्रभाकर के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे कर्मचारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर शीघ्र समाधान कराने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में आईएनटीयूसी प्रभारी और पूर्व मेयर बोंथु राममोहन, आईएनटीयूसी के राज्य महासचिव आर.डी. चंद्रशेखर, वाई. नागन्ना गौड़ सहित कई वरिष्ठ नेता और कर्मचारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मछली प्रसादम के लिए यातायात में बड़े बदलाव

कई मार्गों पर डायवर्जन लागू

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नमपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में आयोजित होने वाले मछली प्रसादम कार्यक्रम के मद्देनजर सोमवार सुबह 6 बजे से मंगलवार शाम 8 बजे तक शहर में ट्रैफिक डायवर्जन लागू किए जाएंगे। इस दौरान आसपास के मार्गों पर भीड़भाड़ की संभावना को देखते हुए यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, कार्यक्रम स्थल के आसपास सुचारू और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मार्गों पर आवश्यकतानुसार डायवर्जन लागू किए जाएंगे, ताकि वाहनों की निर्बाध आवाजाही बनी रहे। चार पहिया वाहनों के लिए व्यवस्था के अनुसार नमपल्ली की ओर से आने वाले वाहन ग्रुहा कल्पा, गगन विहार और चंद्र विहार में पार्क किए जाएंगे, जिसके बाद लोग पैदल गेट नंबर 2 से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे।

एम.जे. मार्केट की ओर से बस या वैन से आने वाले श्रद्धालुओं को गांधी भवन बस स्टॉप पर उतारा जाएगा, जबकि नमपल्ली से आने वाले वाहनों को ग्रुहा कल्पा बस स्टॉप पर उतारकर गेट नंबर 2 की ओर भेजा जाएगा। वीआईपी पासधारकों के लिए अलग मार्ग निर्धारित किया गया है। एम.जे. मार्केट से आने वाले वीआईपी वाहन गांधी भवन से होते हुए अदब होटल लेन से गेट नंबर 1 और सीडब्ल्यूसी गेट के जरिए वीआईपी प्रवेश द्वार तक जाएंगे। वहीं नमपल्ली की ओर से आने वाले वीआईपी वाहन गांधी भवन पर यू-टर्न लेकर इसी मार्ग से प्रवेश करेंगे। उनके वाहनों की पार्किंग वीआईपी पार्किंग क्षेत्र में की जाएगी। दोपहिया वाहनों के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। एम.जे. मार्केट की ओर से आने वाले वाहन मनोरंजन कॉम्प्लेक्स पार्किंग में पार्क होंगे, जबकि नमपल्ली की ओर से आने वाले दोपहिया वाहन भीम राव बड़ा (शेज़ान होटल के पास) में खड़े किए जाएंगे। ऑटो से आने वाले यात्रियों के लिए शेज़ान होटल के सामने उतरने की व्यवस्था की गई है। सरकारी वाहन, बसें और वैन सीडब्ल्यूसी पार्किंग में पार्क किए जाएंगे। एम.जे. मार्केट की ओर से आने वाले वाहनों को अबीड्स, जीपीओ नमपल्ली और हैदराबाद की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वहीं भारी वाहनों और प्राइवेट ट्रैवल्स को एम.जे. मार्केट से जीपीओ तथा एआर पेट्रोल पंप की ओर मोड़ा जाएगा। मिज़ मार्केट से ताज आइलैंड की ओर और ताज आइलैंड से एम.जे. मार्केट की ओर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे जारी किए गए डायवर्जन का पालन करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। ट्रैफिक अपडेट के लिए लोग हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के फेसबुक पेज और ट्विटर हैंडल पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आपात स्थिति में ट्रैफिक हेल्पलाइन 9010203626 पर संपर्क किया जा सकता है।

इंजीनियरिंग छात्र 10 दिनों से लापता

जगतियाल, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जगत्याल जिले के कोरुतला क्षेत्र का रहने वाला एक इंजीनियरिंग छात्र पिछले दस दिनों से लापता है। छात्र के अचानक गायब होने से परिवार बेहद चिंतित है और उसकी तलाश में जुटा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, कोरुतला मंडल के इलापुर गांव निवासी अंकम राहुल हैदराबाद के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में चौथे वर्ष का छात्र है। वह पढ़ाई के दौरान कॉलेज के हॉस्टल में रह रहा था। परिजनों के मुताबिक राहुल 27 मई से लापता है और तब से उसका कोई पता नहीं चल सका है। परिवार द्वारा की गई तलाश और जांच के दौरान पता चला कि राहुल को आखिरी बार काचीगुडा रेलवे स्टेशन के आसपास देखा गया था। रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में भी उसकी गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं। इसके बाद से उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। राहुल के लापता होने की सूचना मिलने के बाद परिजन लगातार उसकी खोजबीन कर रहे हैं।

ताड़ के तेल की खेती से किसानों को हो रहा लाभ

बीआरएस ने अपनी नीतियों को बताया सफल

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में फसल विविधीकरण को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का दावा है कि उसकी सरकार द्वारा वर्षों पहले ताड़ के तेल (ऑयल पाम) की खेती को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम अब सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं और किसान बेहतर उत्पादन के साथ अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। बीआरएस नेताओं का कहना है कि धान की अत्यधिक खेती से भविष्य में पैदा होने वाली चुनौतियों को देखते हुए तत्कालीन सरकार ने वर्ष 2020 में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 20 लाख एकड़ भूमि पर ताड़ के तेल की खेती को प्रोत्साहित करने की योजना बनाई थी। किसानों को इस फसल के लाभ समझाने के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाए गए और विभिन्न जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

तत्कालीन सरकार ने ताड़ के तेल की खेती को प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल किया था। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस फसल की संभावनाओं से अवगत कराने के लिए विशेष प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही अधिकारियों को थाईलैंड, इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों के अध्ययन दौरों पर भी भेजा गया, जहां ताड़ के तेल का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है।

राज्य सरकार के प्रयासों के तहत किसानों को सब्सिडी, ड्रिप सिंचाई सहायता और तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। चूंकि ताड़ के पौधों से उत्पादन शुरू होने में लगभग तीन वर्ष लगते हैं, इसलिए किसानों को अंतरफसल खेती के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया, ताकि उन्हें शुरुआती वर्षों में आय का स्रोत मिल सके। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020-21 में केवल खम्मम जिले में लगभग 35 हजार एकड़ क्षेत्र में ताड़ के तेल की खेती होती थी। अब यह क्षेत्र बढ़कर पूरे राज्य में करीब 2.93 लाख एकड़ तक पहुंच गया है। ताजा फल गुच्छों (एफएफबी) का वर्तमान बाजार भाव लगभग 23,852 रुपये प्रति मीट्रिक टन बताया जा रहा है।

पूर्व बागवानी आयुक्त एल. वेंकट राम रेड्डी का मानना है कि तेलंगाना में ताड़ के तेल की खेती की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर धान की खेती सरकार और किसानों दोनों पर आर्थिक दबाव बढ़ाती है, जबकि ताड़ के तेल की खेती किसानों को स्थिर आय और बेहतर लाभ दे सकती है। उन्होंने सरकार से इस क्षेत्र को और अधिक प्रोत्साहन देने की भी सिफारिश की। किसानों का कहना है कि ताड़ के तेल की खेती से उन्हें अच्छी पैदावार मिल रही है। नालगोंडा ऑयल पाम फार्मर्स सोसाइटी के अध्यक्ष गुरुवा रेड्डी के अनुसार, पूर्व नालगोंडा जिले में जहा पहले केवल 200 से 300 एकड़ क्षेत्र में ताड़ के तेल की खेती होती थी, वहीं अब यह बढ़कर करीब 15 हजार एकड़ तक पहुंच गई है। कई किसान राष्ट्रीय औसत से अधिक उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं।

बीआरएस सरकार के दौरान ताड़ के तेल की खेती को बढ़ावा देने के लिए 26 जिलों में 11 कंपनियों के साथ समझौते किए गए थे। इसके अलावा लाखों पौधे तैयार करने के लिए 28 नर्सरियां स्थापित की गईं। किसानों को ड्रिप सिंचाई, पौधों की खरीद और उर्वरकों के लिए भी व्यापक सब्सिडी प्रदान की गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार भविष्य में भी ताड़ के तेल की खेती को प्रोत्साहित करती रही और किसानों को आर्थिक सहायता तथा प्रोत्साहन उपलब्ध कराती रही, तो तेलंगाना देश में ताड़ के तेल उत्पादन के प्रमुख केंद्रों में शामिल हो सकता है। साथ ही इससे खाद्य तेल आयात पर निर्भरता कम करने और किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

पुलिस ने 284 शराबी वाहन चालक को पकड़ा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 284 वाहन चालकों को पकड़ा है। पुलिस द्वारा दर्ज मामलों में 247 दोपहिया वाहन चालक, 3 तिपहिया वाहन चालक तथा 34 चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। सभी मामलों में चालकों के रक्त में अल्कोहल की मात्रा (ब्लड अल्कोहल कंसन्ट्रेशन-बीएसी) निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई। पुलिस के अनुसार, 223 चालकों के बीएसी स्तर 36 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर से 200 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर के बीच पाए गए। वहीं 33 चालकों के बीएसी स्तर 201 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर से 300 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर के बीच दर्ज किए गए। इसके अलावा 28 चालकों के बीएसी स्तर 301 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर से 550 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर के बीच पाए गए। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने पुनः स्पष्ट किया है कि शराब के नशे में वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है।

सिर्फ पांच ही घंटे चल पाया शौहर-बीवी का रिश्ता, हो गया तलाक

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में निकाह के बाद मेहर को लेकर हुए विवाद पर युवती ने ससुराल जाने से इन्कार कर दिया। इस पर निकाह के पांच घंटे बाद ही तलाक हो गया और बरात लौट गई। मोहल्ला नालापार दक्षिणी निवासी युवती का निकाह सद्दीपुर पट्टी निवासी जावेद के साथ तय हुआ था। दोपहर बरात फतेहपुर पहुंची। स्वागत और दावत के बाद निकाह की रस्म पूरी कराई गई।

जनाती पक्ष का कहना है कि निकाह के बाद मेहर अदायगी को लेकर दूल्हे पक्ष के खराब व्यवहार और बाइक की मांग को लेकर विवाद शुरू हो गया। कुछ बरातियों ने नशे की हालत में गाली-गलौज की तो माहौल और बिगड़ गया। मामला बढ़ने पर नगर पंचायत चेयरमैन इरशाद अहमद कमर और सद्दीपुर ग्राम प्रधान शमशेर को बुलाया गया। दोनों पक्षों के बीच समझौते के प्रयास किए गए, लेकिन युवती ने ससुराल जाने से इन्कार कर दिया। युवती की इच्छा को देखते हुए आगे की रस्में रोक दी गईं और निकाह के करीब पांच घंटे बाद आपसी सहमति से तलाक हो गया।

शंकराचार्य ने बता दिया कौन जीतेगा चुनाव !

इटावा, 7 जून (एजेंसियां)। इटावा पहुंचे ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में वही दल सत्ता में आएगा, जो गोमाता की रक्षा करेगा। उन्होंने मतदाताओं से भी अपील की कि वे केवल उसी राजनीतिक दल का समर्थन करें, जो गोसंरक्षण को अपनी प्राथमिकता बनाए। शंकराचार्य ने बिना किसी दल का नाम लिए वर्तमान सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जो लोग खुद को हिंदू हितैषी बताते हैं, वे वास्तव में हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने मौजूदा शासन को नकली हिंदुओं की सरकार बताते हुए आरोप लगाया कि गोरक्षा के नाम पर जनता से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। शंकराचार्य ने बताया कि उन्होंने 3 मई से गोरखपुर से गोरक्षा यात्रा की शुरुआत की है।

यह यात्रा पूरे उत्तर प्रदेशमें निकाली जा रही है, जिसका उद्देश्य गोसंरक्षण के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाना और लोगों को

इसके प्रति जागरूक करना है।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान जनता से संवाद किया जा रहा है और उनसे यह आग्रह किया जा रहा है कि वे मतदान करते समय गोमाता की रक्षा को सबसे बड़ा मुद्दा बनाएं।

शंकराचार्य ने भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने से पहले गोरक्षा को लेकर बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन सरकार बनने के बाद उन वादों को पूरा नहीं किया गया। उन्होंने गोमांस निर्यात के मुद्दे पर भी चिंता जताई और कहा कि यह स्थिति उन लोगों के लिए पीड़ादायक है, जिन्होंने गोसंरक्षण के नाम पर समर्थन दिया था।

इटावा दौरे के दौरान शंकराचार्य सैफई भी पहुंचे, जहां समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के परिवार के कई सदस्य उनसे मिलने पहुंचे। इस दौरान सांसद डिंपल यादव, वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव, सांसद आदित्य यादव और तेज प्रताप यादव ने उनसे मुलाकात कर आशीर्वाद लिया।

मुलाकात के बाद शंकराचार्य ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अखिलेश यादव के परिवार के सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से आशीर्वाद दिया है, लेकिन किसी राजनीतिक दल को समर्थन या आशीर्वाद नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि उनका अभियान पूरी तरह गोसंरक्षण और धर्म से जुड़ा हुआ है, किसी राजनीतिक दल विशेष से नहीं।

मुलाकात के दौरान डिंपल यादव और शिवपाल सिंह यादव ने शंकराचार्य के गोरक्षा अभियान का समर्थन किया। दोनों नेताओं ने गोसंरक्षण को महत्वपूर्ण विषय बताते हुए इसके प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। इस अवसर पर शिवपाल सिंह यादव ने भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार संतों और धार्मिक नेताओं का सम्मान करने में विफल रही है। शिवपाल ने कहा कि संत समाज की बातों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए और उनके सुझावों को लागू किया जाना चाहिए। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की गोरक्षा यात्रा को राजनीतिक हलकों में भी काफी अहम माना जा रहा है।

2027 विधानसभा चुनाव से पहले गोसंरक्षण के मुद्दे को केंद्र में लाकर वे जनता के बीच एक बड़ा संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं। आने वाले दिनों में उनकी यह यात्रा प्रदेश की राजनीति में कितना प्रभाव डालती है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

कानून के रखवालों पर ही कानून तोड़ने का दाग, कासगंज इंस्पेक्टर पर एफआईआर के आदेश, अवैध हिरासत-फर्जी जीडी में फंसे

कासगंज, 7 जून (एजेंसियां)। कानून का पालन कराने वाली पुलिस पर जब कानून तोड़ने के आरोप लगें तो मामला बेहद गंभीर हो जाता है। कासगंज में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जहां सहावर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ अवैध हिरासत और फर्जी जीडी एंट्री के आरोपों की जांच में पुष्टि होने के बाद सीजेएम कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जनपद कासगंज के सहावर थाने में तैनात कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गोविंद बल्लभ शर्मा की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट ने अवैध हिरासत और फर्जी जीडी एंट्री के मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए है। यह कार्रवाई पीड़ित की शिकायत और पुलिस अधीक्षक की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिसमें लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई है।

खान सर के चाचा बोले- उसे कुछ नहीं आताः डिग्री फर्जी

व्यवहार भी दबंगई वाला; अब कोचिंग इंस्टीट्यूट सील होने का खतरा

पटना, 7 जून (एजेंसियां)। खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग के संस्थापक खान सर फायरिंग मामले पहले से मुश्किल में है। इस बीच टीचर के चाचा ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूपी के देवरिया में रहने वाले निसार अहमद ने खान सर की डिग्री को फर्जी बताया है। न्यूज एजेंसी से बात करते हुए निसार अहमद ने कहा, 'खान के पास के कोई खास शैक्षणिक योग्यता नहीं है। उसकी सारी डिग्री फर्जी है। वो बस बोलने में माहिर है और अपनी बोली से ही अपनी आजीविका चला रहा है।

' इससे पहले खान सर के एक और चाचा मो। इमरान ने भी उन्हें शिक्षा माफिया बताया था। साथ ही ये भी दावा किया कि खान सर गंदे नेचर के इंसान हैं और ऑनलाइन कलासेस के जरिए छात्रों को धोखे में रखने का काम कर रहे हैं। इधर, खान सर की कोचिंग में फायर सेफ्टी को लेकर कमियां पाई गई हैं। बिहार फायर सर्विस कमांडेट रितेश पांडेय ने कहा कि खान ग्लोबल स्टडीज को एक 31 मई को नोटिस दिया गया था। आज हमारी टीम फिर से जांच करने गई थी, लेकिन कमियों को दूर करने को लेकर सही प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

15 जून के बाद अगर सभी मानक पूरे नहीं होते तो एक्शन लिया जाएगा। इससे पहले बिहार फायर सर्विस के डीआईजी मनोज कुमार नट ने कहा था, तय वक्त में सारे मानक पूरे नहीं किए जाते तो कोचिंग सील करने की कार्रवाई की जाएगी। खान सर के दूसरे चाचा इमरान ने भी कहा खान सर शिक्षक नहीं माफिया है, जो बच्चे उनके यू ट्यूब पर क्लास कर रहे है, वो उनको धोखा दे रहे हैं। वो जिंदगी से खिलवाड़ करते हैं। गंदे नेचर के हैं और अपने सामने किसी को आगे बढ़ता नहीं देखना चाहते। वो अपने आप को भगवान समझ रहे हैं। उन्हें पैसे का घमंड है, वो नटवर लाल हैं। अगर उनकी कोचिंग से 10 बच्चे पास होंगे तो उसको 20 बताता है। वही फायरिंग कराया होगा उसको सजा मिलनी चाहिए।'

बिहार पहुंचे आरएसएस चीफ मोहन भागवत

पटना एयरपोर्ट पर सीएम सम्राट ने किया स्वागत, 3 दिन मुंगेर में रहेंगे

पटना, 7 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पहुंच गए हैं। पटना एयरपोर्ट पर उनका स्वागत बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत संघ और भाजपा के कई नेताओं ने किया। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के बीच हो रहे इस दौरे को संगठन के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है। देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में मोहन भागवत का बिहार दौरा भी संघ के शताब्दी वर्ष अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। संघ इन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने स्वयंसेवकों के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी विचारधारा और कार्यों को पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। पटना पहुंचने के बाद मोहन भागवत रविवार शाम मुंगेर जाएंगे। उनका प्रवास 7 जून से 9 जून तक रहेगा। इस दौरान वे कई संगठनात्मक बैठकों और

कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मुंगेर के सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज परिसर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग कार्यक्रम उनके दौरे का मुख्य केंद्र होगा। दौरे के दौरान संघ प्रमुख स्वयंसेवकों को संगठन की विचारधारा, शताब्दी वर्ष के उद्देश्यों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को लेकर विस्तार से संबोधित करेंगे। इसके अलावा संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने जैसे विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

इलाज से इनकार या रील बनाने की साजिश?

अस्पताल में महिला डॉक्टर से भिड़ी युवती, एफआईआर दर्ज

मुरादाबाद, 7 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिला अस्पताल में वरिष्ठ महिला चिकित्सक और एक युवती के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और उसके बाद सामने आए डॉक्टर के बयान ने मामले को नया मोड़ दे दिया है। एक ओर युवती ने डॉक्टर पर मरीजों के साथ दुर्व्यवहार और इलाज से इनकार करने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरी ओर वरिष्ठ चिकित्सक ने इसे सरकारी व्यवस्था को बदनाम करने और सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने की सोची-समझी साजिश बताया है।

जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल की ओपीडी-15 में तैनात त्वचा रोग विभाग की इंचार्ज वरिष्ठ चिकित्सक डॉ। आबिदा खातून ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। डॉक्टर का आरोप है कि सुबह करीब 11 बजे नाजिश और जुनैरा नाम की दो युवतियां अपनी मां के साथ उनके कक्ष में पहुंचीं। उन्होंने अस्पताल के निर्धारित नियमों के अनुसार पर्चा बनवाते समय न तो पूरा पता दर्ज कराया और न ही कोई पहचान पत्र या मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया। डॉक्टर के मुताबिक काउंटर पर स्टाफ से बहस करने के बाद दोनों युवतियां जबरन ओपीडी में घुस आईं और विरोध करने पर अभद्र भाषा का

इस्तेमाल करते हुए उन्हें धमकियां दीं। डॉ। आबिदा का कहना है कि इस दौरान पूरी प्लानिंग के साथ सरकारी काम में बाधा डालते हुए मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग की गई थी, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर भ्रामक दावों के साथ वायरल कर दिया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और व्यूज बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मात्र 17 साल की लड़की ने इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स और व्यूज बढ़ाने के लिए इस विवाद को जन्म दिया है, जिस अकाउंट पर पहले महज 71 फॉलोअर्स थे, उस पर सोची-समझी प्लानिंग के तहत डाले गए इस वीडियो को आधे घंटे के भीतर 21 हजार से ज्यादा व्यूज मिल गए है।

ज़ुल्म की इंतिहा हो गई

संभल में 55 फीट ऊंची मस्जिद बुलडोजर से ढहाई, सांसद बर्क का तीखा हमला

संभल, 7 जून (एजेंसियां)। गांव कशेरुवा में अवैध रूप से बनी दो मंजिला मस्जिद को गिराने की कार्रवाई को सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने गलत ठहराया है। उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट की है, जिसमें लिखा है कि ज़ुल्म की इंतिहा हो गई। लाख कोशिशों, गुजारिशों और कानूनी प्रयासों के बावजूद सम्भल प्रशासन द्वारा कसेरवा गांव में मस्जिद को शहीद कर दिया गया। सांसद ने लिखा, ऐसा महसूस होता है अधिकारियों द्वारा आंखों पर पट्टी बांधकर एक तय निशाने के साथ कार्रवाई की जा रही है।

यह कार्रवाई कई गंभीर सवाल खड़े करती है। जब लोगों की फरियाद, कानूनी दलीलें भी न सुनी जाएं, तो इंसाफ पर भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। बर्क ने लिखा, याद रखिए, भारत का संविधान किसी को भी कानून से ऊपर होने की इजाजत नहीं देता। यह मुल्क

किसी व्यक्ति, दल या सत्ता की जागीर नहीं है। मस्जिद के शहीद किए जाने के बाद पूरे गांव में गम, दर्द और मातम का माहौल है। मां-बहनों की आंखें अश्कबार हैं, बच्चे सहमे हुए हैं और हर दिल इस मंजर को अगर किसी को यह लगता है कि ताकत के दम पर लोगों की आवाज़ दबा दी जाएगी, तो यह उसकी गलतफहमी है। नाइंसाफी के खिलाफ यह आवाज़ हर हाल में बुलंद होती रहेगी।

टीएमसी के पूर्व प्रत्याशी कैलाश मिश्र मधुबनी से गिरफ्तार

मधुबनी, 7 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रत्याशी रहे मधुबनी जिले के अरेर निवासी कैलाश मिश्र को धोखाधड़ी के मामलों में बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बेनीपट्टी के एएसपी अमित कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। उनके खिलाफ पश्चिम बंगाल में फ्रॉड के कई मामले दर्ज हैं और एक मामले में गैर-जमानती वारंट भी जारी था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें बंगाल पुलिस अपने साथ ले गई है।

कैलाश मिश्र को बंगाल पुलिस की टीम ने मधुबनी पुलिस के सहयोग से नाटकीय तरीके से गिरफ्तार किया। बंगाल पुलिस की टीम पहले मधुबनी पहुंची थी। शनिवार शाम को अरेर और रहिका के बीच मुख्य सड़क पर संयुक्त टीम ने उन्हें हिरासत में लिया। कैलाश मिश्र बेनीपट्टी प्रखंड के अरेर पश्चिम टोला के रहने वाले हैं। बेनीपट्टी के एएसपी अमित कुमार ने बताया कि कैलाश मिश्र पर पश्चिम बंगाल में धोखाधड़ी के दो-तीन मामले दर्ज हैं। आरोप है कि उन्होंने बंगाल में कथित रूप से रुपये का घोटाला किया और उस राशि का निवेश बिहार में किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी उनकी तलाश कर रहा है।

सास की खूबसूरती देख दिल दे बैठा दामाद

फिर दोनों ने कोर्ट में जाकर कर ली शादी, कानपुर का अजीबोगरीब केस

कानपुर, 7 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला प्रकाश में आया है, जहां एक सास ने अपने दामाद को अपना जीवनसाथी चुन लिया। यह पूरा मामला कानपुर जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र का है। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। दामाद अपनी ही सास को लेकर घर से चला गया और दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। शादी के बाद दोनों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वे दोनों अपने नए रिश्ते को स्वीकार करने और आशीर्वाद देने की अपील करते हुए नजर आ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दामाद और सास के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। दोनों ने परिवार और समाज की परवाह किए बिना साथ रहने का फैसला किया और कानूनी रूप से विवाह कर लिया। वायरल वीडियो में दोनों ने कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से शादी की है और अब वे एक-दूसरे के साथ जीवन बिताना चाहते हैं। वहीं इस खबर को लेकर लोग सोशल मीडिया पर अपनी राय दे रहे हैं।

शिवहर की नन्ही भव्या को मिला नया परिवार

शिवहर, 7 जून (एजेंसियां)। बिहार के शिवहर जिले से एक बेहद भावुक और सुखद तस्वीर सामने आई है, जहां विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान में पल रही नन्ही भव्या को मां की ममता और पिता का सहारा मिल गया है। बेंगलुरु के एक दंपती ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इस बच्ची को गोद लिया है। शिवहर की जिलाधिकारी प्रतिभा रानी ने खुद अपने हाथों से बेंगलुरु के दंपती पंकज प्रसून और गुंजा कुमारी को बच्ची सौंपी।

जीवन की इस नई शुरुआत पर बच्ची को अपनी गोद में पाकर माता-पिता के आंसू छलक आए और वे बेहद भावुक नजर आए। इस मौके पर जिलाधिकारी प्रतिभा रानी ने नए माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि बच्ची को अपनाकर उन्होंने एक सराहनीय और पुण्य का कार्य किया है। इससे न सिर्फ भव्या को एक सुरक्षित, समृद्ध और खुशहाल भविष्य मिला है, बल्कि उसका पूरा जीवन संवर गया है।

रॉन्ग नंबर से हुआ प्यार, पति और 5 बच्चों को छोड़कर महिला फरार, 21 साल छोटे लड़के से की शादी

जमुई, 7 जून (एजेंसियां)। बिहार के जमुई में 19 वर्षीय युवक ने पूर्णिया जिला की रहने वाली पांच बच्चों की मां से कोलकाता में शादी रचा ली और और दोनों गांव पहुंच गए। मामला खैरा थाना क्षेत्र के खड़ूई बरियारपुर गांव का है। हालांकि, दोनों की शादी कुछ ग्रामीणों को नागवार गुजरी और इसकी सूचना थाना को दे दी गई। उसके बाद महिला और उसके प्रेमी को पूछताछ के लिए थाना बुलाया गया था। जहां पुलिस के सामने दोनों ने एक साथ रहने की इच्छा जताई। इसके बाद दोनों को छोड़ दिया गया। पूर्णिया निवासी बिंदु देवी उर्फ सीमा परवीन और जमुई के युवक महावीर ठाकुर की बातचीत रॉन्ग नंबर कॉल के जरिए शुरू हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मामला प्रेम संबंध तक पहुंच गया।

19 वर्षीय महावीर ठाकुर खैरा थाना क्षेत्र के खड़ूई बरियारपुर गांव का रहने वाला है। वहीं, 40 वर्षीय महिला बिंदु देवी उर्फ सीमा परवीन पूर्णिया जिले की निवासी बताई जा रही है। वह पहले से शादीशुदा है और पांच बच्चों की मां है। दोनों ने परिवार की सहमति के बिना ही घर छोड़ दिया और कलकत्ता पहुंचकर शादी रचा ली। शादी करने के बाद दोनों ने एक वीडियो भी जारी किया। करीब दस वर्ष पहले बिंदू को मोहम्मद मनन आलम नामक युवक से प्रेम हुआ था। उसने हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम धर्म अपना लिया था और अपना नाम बिंदु से सीमा परवीन रख लिया था। अब महिला ने जमुई के युवक महावीर ठाकुर से विवाह कर लिया।

रसोई गैस सिलेंडर पर 29 रुपये की बढ़ोतरी

अखिलेश यादव बोले- 'रोटी के महंगे होने से थाली गई रूठ'

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। देशभर में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों बढ़ोतरी की गई है। अब गैस सिलेंडर 29 रुपए तक महंगा हो गया है। यह नई दरें रविवार (7 जून) की रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो गई है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी के बाद राजनीति गरमा गई है। इस बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गैस की कीमतों को लेकर शायराना अंदाज में सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि' रोटी के महंगे होने से थाली गई रूठ, बीजेपी से अब तो हर आस गई टूट'। देश में रसोई गैस (एलपीजी) की कीमत में 29 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में वृद्धि के चलते सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते तीन महीनों में यह दूसरी बढ़ोतरी की गई है।

उद्योग सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत सात जून से 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो जाएगी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने और अंतरराष्ट्रीय ईंधन कीमतों में वृद्धि होने के बाद सात मार्च को की गई 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी के बाद यह दूसरी बार वृद्धि की गई है। सूत्रों के अनुसार, नवीनतम संशोधन से पहले सरकारी तेल विपणन कंपनियों को बेचे गए प्रत्येक एलपीजी सिलेंडर पर इससे पहले, कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से पोस्ट किया, 'महंगाई मैन मोदी' का चाबुक फिर चला है। अब घरेलू गैस सिलेंडर 29 रुपए महंगा कर दिया गया। पीएम मोदी का फंडा साफ है- जनता से वसूली करो, अमीर दोस्त की तिजोरी भरो।

बता दें कि सरकारी तेल कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में 29 रुपए की वृद्धि की है। इसके साथ ही, दिल्ली में सिलेंडर की कीमत 913 रुपए से बढ़कर 942 रुपए हो गई है।

प्रतीक यादव के बर्थडे पर पत्नी अपर्णा भावुक

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक के बर्थडे पर पत्नी अपर्णा भावुक हो गईं। उन्होंने फेसबुक पर प्रतीक और अपनी छोटी बेटी पद्मजा के साथ तस्वीर शेयर की। लिखा- जैसा आप कहते थे, आप हमेशा जवान रहेंगे। दरअसल, प्रतीक का 25 दिन पहले यानी 13 मई को लखनऊ में हार्टअटैक से निधन हो गया था। आज (7 जून) उनका जन्मदिन है। बड़ी बेटी प्रथमा ने पियानो पर 'हैप्पी बर्थडे' की धुन बजाकर पापा को याद किया। सफेद रंग का पियानो प्रतीक ने प्रथमा को गिफ्ट किया था। इसके अलावा, अपर्णा ने प्रतीक यादव के लिए फेसबुक पर स्टोरी भी लगाई है। इसमें प्रतीक कार रेसिंग करते नजर आ रहे हैं। इससे पहले, बेटी पद्मजा ने अपने हाथ पर पापा प्रतीक को गले लगाए हुए टैटू बनवाया था।

अवैध खनन पर फिल्मी अंदाज में एक्शन, नायब तहसीलदार ने 3 किलोमीटर पीछा कर पकड़ी जेसीबी

अमेठी, 7 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमेठी में अवैध खनन पर प्रशासन का फिल्मी अंदाज में एक्शन देखने को मिला, जहां गौरीगंज नायब तहसीलदार अनुश्री त्रिपाठी ने जेसीबी चालक का 3 किलोमीटर तक पीछा कर बुलडोजर को दबोच लिया। मौके से पुलिस ने एक डम्फर को भी पकड़ते हुए अवैध खनन में शामिल चार लोगों को हिरासत में लिया है।

दोनो गाड़ियों को सीज कर दिया गया है। प्रसाशन की इस कार्यवाही से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन ने यह कार्रवाई एक सूचना एके आधार पर की थी, जहां मौके पर पहुंचकर टीम को खनन होते मिला, इसके बाद प्रशासन की टीम को देखते ही खनन कर रहे लोग भागने लगे। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'यूपी पुलिस अंग्रेजों की तरह नहीं काम कर रही ', कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अपने ही मंत्री संजय निषाद पर जमकर किया पलटवार

देवरिया, 7 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में खनुआ नदी सफाई अभियान के दौरान प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'उत्तर प्रदेश पुलिस अंग्रेजों की तरह काम नहीं कर रही है, बल्कि जो लोग कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करते हैं और समाज में भय व आतंक का माहौल पैदा करते हैं, उनके खिलाफ योगी आदित्यनाथ सरकार सख्त कार्रवाई करती है।'

मंत्री का यह बयान गाजीपुर में हुए एक एनकाउंटर को लेकर उठे विवाद के बीच सामने आया है। दरअसल, गाजीपुर में हुए एक पुलिस एनकाउंटर को लेकर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा था कि पुलिस अंग्रेजों के दौर की तरह काम कर रही है और इससे वोट प्रभावित हो रहे हैं।

अशोक विहार में डबल मर्डर से सनसनी, पति ने पत्नी और बेटे को गोली मारी

गुरुग्राम, 7 जून (एजेंसियां)। अशोक विहार क्षेत्र में रविवार तड़के हुए दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई। आरोप है कि 50 वर्षीय अनिल ने अपनी पत्नी और बेटे को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना आधी रात के बाद की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, अनिल सिक्योरिटी ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। उसकी 45 वर्षीय पत्नी आशा एक निजी स्कूल में प्रिंसिपल थीं, जबकि 25 वर्षीय बेटा प्रशांत परिवार के साथ रहता था। गोली लगने से आशा और प्रशांत की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेर लिया। इसके बाद फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने राहुल गांधी की योग्यता पर उठाया था सवाल

पीएम मोदी का जिक्र कर शशि थरूर ने दिया जवाब

कोच्चि, 7 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी को लेकर प्रसिद्ध इतिहासकार और लेखक रामचंद्र गुहा के दिए बयान की कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कड़ी आलोचना की। रामचंद्र गुहा ने राहुल गांधी के राजनीतिक अनुभव और उनकी राजनीतिक यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनके पास प्रधानमंत्री बनने के लिए आवश्यक प्रशासनिक अनुभव की कमी है। इसके अलावा इतिहासकार ने विदेश नीति की कुशलता को लेकर भी सवाल उठाए थे। हाल ही में दिए एक मीडिया इंटरव्यू में राहुल गांधी के भारत के प्रधानमंत्री बनने को लेकर गुहा ने उनकी योग्यता पर सवाल उठाया था। उन्होंने खासकर गंभीर अंतरराष्ट्रीय संकटों से निपटने के लिए उनके पारंपरिक प्रशासनिक अनुभव और विदेश नीति की कुशलता की कमी का जिक्र किया था।

रामचंद्र गुहा ने सवाल उठाए कि राहुल गांधी को उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि और व्यक्तिगत

शालीनता के अलावा इस पद के लिए क्या चीजें योग्य बनाती हैं। उनके इसी बयान को लेकर शशि थरूर ने एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए बराक ओबामा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उदाहरणों का हवाला दिया। थरूर ने तर्क दिया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए पूर्व कार्यकारी पद या विदेश नीति का अनुभव होना जरूरी नहीं है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'कम ऑन रामचंद्र गुहा, ये तो कुछ ज़्यादा ही हो रहा है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति बराक ओबामा बने, तब इलिनोइस से पहली बार सीनेटर बने बराक ओबामा को विश्व मामलों का कितना अनुभव था।' इसके अलावा पीएम मोदी का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री को कितना अंतरराष्ट्रीय अनुभव था?

शशि थरूर ने आगे तर्क दिया कि राहुल गांधी एक दशक से अधिक समय से एक राष्ट्रीय पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके दुनिया भर के नेताओं के साथ संपर्क हैं और उनकी पार्टी के अंदर और बाहर सलाहकारों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री अकेले संकटों का सामना नहीं करता, इसीलिए तो वह सरकार का मुखिया होता है। मुझे लगता है कि इस बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए विवाद को अब समाप्त करने का समय आ गया है।

ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में पहली बार लाखों विदेशी कीड़े ज़ब्त

कैनबरा, 7 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में विदेशी कीड़ों के अवैध आयात का अब तक का सबसे बड़ा मामला सामने आया है। वन्यजीव संरक्षण अधिकारियों ने एक ऐसे ठिकाने पर छापा मारा जहाँ अवैध रूप से 'हिस्सिंग' प्रजाति के भृंग पाले जा रहे थे। अधिकारियों ने लाखों की संख्या में मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच ज़ब्त किए। अधिकारियों के अनुमान के अनुसार, इनकी कीमत 2,00,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (भारतीय मुद्रा में 1.34 करोड़ रुपये) है।

ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, पर्यावरण और जल विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार। न्यू साउथ वेल्स के बाथर्स्ट में एक इमारत में मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच की बड़ी खेप अवैध रूप से पाली जा रही थी। अधिकारियों को इसकी सूचना मिली थी। 26 मई को, डीसीसीईडब्ल्यू और संघीय पर्यावरण विभाग के वन्यजीव अधिकारियों ने संयुक्त रूप से छापा मारा। इस दौरान अधिकारियों ने लाखों विदेशी कीड़े ज़ब्त किए। अधिकारियों का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया में इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी कीड़ों को अवैध रूप से पाले जाने का यह पहला मामला है। मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच दुनिया की सबसे अनोखी कीट प्रजातियों में से एक हैं। ये सामान्य कॉकरोच की तुलना में आकार में बड़े होते हैं।

ये लगभग 3 इंच लंबे और किसी व्यक्ति के हाथ के आकार के होते हैं। इनके पंख नहीं होते, इसलिए ये उड़ नहीं सकते। जब ये खतरे में होते हैं या कोई इन्हें पकड़ता है, तो ये 'हिस' (फुफकारने) जैसी अजीब आवाज़ निकालते हैं। नर कॉकरोच के सिर पर सींग होते हैं। इनमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होने के कारण, इनका इस्तेमाल पालतू सरीसृपों (जैसे छिपकली, आदि) के भोजन के रूप में किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इनकी भारी मांग है।

बिजली कटौती के आरोपों पर भड़की डीएमके

टीवीके विधायक पल्लवी को भेजा मानहानि का नोटिस

चेन्नई, 7 जून (एजेंसियां)। डीएमके ने तिरुवि का नगर निर्वाचन क्षेत्र से टीवीके विधायक एमआर पल्लवी को कानूनी नोटिस भेजा है। यह नोटिस उनके उन बयानों के खिलाफ दिया गया है जिनमें उन्होंने बिजली कटौती के लिए विपक्षी दल के सदस्यों को जिम्मेदार ठहराया था। डीएमके ने इन बयानों को लापरवाह और अपमानजनक बताया है। पार्टी ने विधायक से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। यह नोटिस छह जून को डीएमके प्रवक्ता और वकील सरवनन ने जारी किया। इसके साथ ही यूट्यूब (गूगल एलएलसी) के शिकायत अधिकारी को भी नोटिस भेजा गया है।

पूरा विवाद विधायक पल्लवी के एक स्थानीय चैनल को दिए गए वीडियो इंटरव्यू से शुरू हुआ। यह इंटरव्यू यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम और फेसबुक पर काफी वायरल हुआ था।

नोटिस के अनुसार, इंटरव्यू के दौरान जब एंकर ने चेन्नई के कोलाथुर और अन्य इलाकों में बार-बार होने वाली बिजली कटौती पर सवाल पूछा, तो पल्लवी ने कई झूठे आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि हालिया बिजली कटौती के लिए डीएमके सदस्य जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डीएमके सदस्यों ने टीवीके सरकार को बदनाम करने के लिए तमिलनाडु बिजली बोर्ड के अधिकारियों को जानबूझकर रिश्वत दी थी। पल्लवी ने यह भी कहा कि रॉयपुरम निर्वाचन क्षेत्र में टीवीके कार्यकर्ताओं ने डीएमके सदस्यों को बिजली कटौती करने के लिए पैसे और प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा था।

डीएमके ने इन सभी दावों को पूरी तरह से निराधार और बिना किसी सबूत के बताया है। पार्टी का कहना है कि इन आरोपों से उनके ईमानदार कार्यकर्ताओं की छवि खराब हुई है और राजनीतिक दलों के बीच दुश्मनी बढ़ी है। इससे डीएमके सदस्यों की सार्वजनिक छवि को बहुत नुकसान पहुंचा है।

महिला प्रोफेसर की हत्या किसने की, घर में फ्रेंडली एंट्री करने वाला कौन था? खुल गया सारा राज

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में महिला प्रोफेसर की हुई हत्या मामले में दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष आरोपी को गिरफ्तार किया है। दोनों पति-पत्नी हैं। दोनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया है। हत्या की वजह प्रॉपर्टी विवाद बताया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक महिला प्रोफेसर की पश्चिम बंगाल में एक प्रॉपर्टी थी, जो उन्हें अपने नाना से मिली थी।

गिरफ्तार किए गए आरोपी पति-पत्नी इसी प्रॉपर्टी में किराएदार के रूप में रह रहे थे। आरोपी इस प्रॉपर्टी को हासिल करना चाहते थे, जिसके लिए प्रोफेसर पर दबाव बना रहे थे। हत्याकांड के दिन आरोपी पति-पत्नी बंगाल से दिल्ली आए थे। फिर महिला प्रोफेसर से मिलने के बहाने उनके न्यू अशोक नगर स्थित अपार्टमेंट में फ्रेंडली एंट्री की और अपने साथ बच्चा लेकर भी आए थे, ताकि सोसाइटी में किसी को शक न हो। घर के अंदर घुसते ही आरोपियों ने अपने साथ लेकर आए हथियार से महिला प्रोफेसर की हत्या को अंजाम दिया।

सनसनीखेज वारदात

बीजेपी नेत्री संगीता रजक की गोली लगने से मौत, बंदूक ले जाते समय दबा था ट्रिगर

जबलपुर, 7 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़ी और दुखद खबर सामने आई है। यहां रांझी थाना क्षेत्र के पुराने शोभापुर इलाके में भारतीय जनता पार्टी की नेत्री संगीता रजक की गोली लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। देर रात हुई इस खौफनाक घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से तफ्तीश शुरू कर दी है।

रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि पुलिस को ओमेगा हॉस्पिटल से सूचना मिली थी कि संगीता रजक की गनशॉट इंजरी (गोली लगने) के कारण मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और परिजनों के बयान दर्ज किए। परिजनों के मुताबिक, घटना रात करीब एक बजे की है। घर के बाहर कुछ संदिग्ध हलचल सुनाई देने पर संगीता रजक के पति और उनके भाई (देवर) तुरंत बाहर की तरफ भागे। चूंकि परिवार को सुरक्षा का खतरा था, इसलिए घर में एक लाइसेंसी 12 बोर की बंदूक रखी हुई थी। पति और देवर को बिना हथियार के बाहर जाता देख संगीता रजक खुद बंदूक लेकर उन्हें देने के लिए पीछे-पीछे आ रही थीं। परिजनों का दावा है कि इसी दौरान गैलरी में अचानक बंदूक का ट्रिगर दब गया (मिसफायर) और गोली सीधे संगीता को जा लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। पुलिस जांच में एक बेहद चौंकाने वाला पहलू सामने आया है।

प्रेमी की गिरफ्तारी से भड़की प्रेमिका, थाने में पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश

जबलपुर, 7 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के मदन महल थाने में उस वक्त अचानक हड़कंप मच गया, जब एक महिला ने पुलिसकर्मियों के सामने ही खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। महिला अपने प्रेमी की गिरफ्तारी से बेहद नाराज थी और पुलिस प्रशासन पर बेकसूर को झूठे मामले में फंसाने के साथ-साथ मामले को रफा-दफा करने के लिए लाखों रुपये की रिश्वत मांगने जैसे कई गंभीर आरोप लगा रही थी। थाने के भीतर अचानक हुई इस खौफनाक हरकत से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाई और महिला को दबोच लिया, जिससे एक बड़ा और अप्रिय हादसा होने से टल गया। यह पूरा विवाद सितंबर 2025 में हुई चाकूबाजी की एक पुरानी वारदात से जुड़ा हुआ है। उस वक्त मदन महल थाना पुलिस ने चाकूबाजी की इस घटना में हत्या के प्रयास (अटेंप्ट टू मर्डर) का केस दर्ज कर तीन लोगों को नामजद आरोपी बनाया था। इस मामले में दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी, जबकि तीसरा आरोपी लकी मरावी लंबे समय से बाहर था, जिसे पुलिस ने हाल ही में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शराब पीने से शख्स की मौत; पुणे में पुलिस ने पार्टी से लाखों का नशीला पदार्थ किया बरामद

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। मुंबई और पुणे में आयोजित म्यूजिक कार्यक्रम और एक अन्य पार्टी में बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। मुंबई के वर्ली इलाके में एक म्यूजिक शो के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पुणे में पुलिस ने देर रात चल रही एक पार्टी पर छापा मारकर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और शराब बरामद की है। मुंबई के वर्ली स्थित एनएससीआई डोम में 'क्लांगकुएन्स्टलर ऑल नाइट लॉन्ग' म्यूजिक शो का आयोजन हुआ था। ताड़देव पुलिस के अनुसार, रविवार तड़के इस कार्यक्रम में शामिल एक 35 वर्षीय व्यक्ति और एक महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई।

दोनों कार्यक्रम में डांस कर रहे थे और उन्होंने कथित तौर पर कॉकटेल सहित बहुत ज्यादा शराब पी ली थी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। महिला का इलाज अभी चल रहा है और उसकी हालत में सुधार है। पुलिस को शुरुआती जांच में डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) मौत की वजह लग रही है, लेकिन असली कारण पूरी जांच के बाद ही पता चलेगा। पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की है।

पीएम मोदी का दिया हीरा अपने पास रखना चाहती थीं जिल बाइडन

लेकिन ज्यादा कीमत की वजह से सरकार को लौटाना पड़ा

वॉशिंगटन, 7 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला डॉ। जिल बाइडन ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपहार में दिए गए हीरे को अपने पास रखना चाहती थीं, लेकिन उसकी अधिक कीमत के कारण उन्होंने उसे संघीय सरकार को लौटा दिया। अपनी आत्मकथा 'व्यू फ्रॉम द ईस्ट विंगः ए मेमोइर' में बाइडन ने व्हाइट हाउस के जीवन और अमेरिका के प्रथम परिवार को मिलने वाले उपहारों से जुड़े सख्त नियमों का विस्तार से वर्णन किया है। यह पुस्तक इसी सप्ताह बाजार में आई है। बाइडन को सबसे अधिक याद रहने वाले उपहारों में एक 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी वॉशिंगटन स्थित राजकीय यात्रा के दौरान भेंट किया था।

बाइडन लिखती हैं, 'कभी-कभी उपहार के रूप में छोटी-छोटी चीजें मिलती थीं, जैसे फूल या शराब, लेकिन कभी-कभी बड़ी चीजें भी मिलती थीं। इनमें 7.5 कैरेट का वह लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल था, जो भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान मुझे दिया था। यह रत्न प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के क्षेत्र में अग्रणी बनने के भारत के प्रयासों का प्रतीक था'। बाइडन आगे लिखती

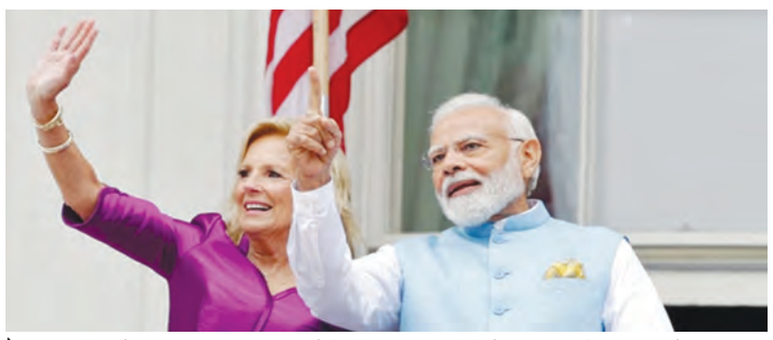

हैं, 'यह हीरा बेहद खूबसूरत था। अमेरिकी नैतिक नियमों के अनुसार यह उपहार व्यक्तिगत रूप से मेरा नहीं था। तकनीकी रूप से यह मुझे नहीं, बल्कि प्रथम महिला के पद को दिया गया था, इसलिए यह संघीय सरकार की संपत्ति माना गया'। उन्होंने बताया कि एक निश्चित मूल्य से अधिक के उपहारों की सरकारी अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाती है और उनका रिकॉर्ड रखा जाता है। ऐसे उपहारों को प्राप्त करने वाला व्यक्ति उनके उचित बाजार मूल्य का भुगतान कर उन्हें खरीद सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के उपहार के मामले में उन्होंने शुरुआत में ऐसा करने पर विचार किया था। बाइडन लिखती हैं, 'प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह उनके गृहनगर में 2,500 डॉलर में हस्तनिर्मित किया गया था। उनके पास इसकी रसीद भी थी। मैंने सोचा था कि शायद मैं इसे खरीद लूं। लेकिन बाद में विदेश विभाग ने इसकी कीमत 20,000 डॉलर आंकी, इसलिए मैंने इसे नहीं खरीदा'। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे बताया गया कि मैं इसे अपने कार्यालय में प्रदर्शित कर सकती हूं या पहनने के लिए उधार ले सकती हूं। इसलिए मैंने इसे अंगूठी में जड़वा लिया और आधिकारिक समारोहों में पहनती थी। यह व्यवस्था केवल व्हाइट हाउस में मेरे कार्यकाल तक ही रही। पद छोड़ने के बाद मैंने इसे वापस कर दिया।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका को दी खुली चुनौती

किम जोंग उन की बहन बोलीं- परमाणु हथियार नहीं छोड़ेंगे

प्योंगयांग, 7 जून (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अमेरिका को खुली चुनौती देते हुए साफ कर दिया है कि वह अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को बंद नहीं करेगा। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका की परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को पुराना और अव्यावहारिक सपना बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों से मिल रहे खतरे के बीच उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु हथियारों को मजबूत करेगा। इस बयान ने एक बार फिर कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ा दिया है।

किम जोंग उन की बहन और उत्तर कोरिया की वरिष्ठ नेता किम यो जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति राष्ट्र के रूप में मान्यता मिल चुकी है और अमेरिका की तरफ से इसे बदलने की कोशिश का कोई कानूनी महत्व नहीं है। उन्होंने अमेरिका के उस दावे को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी भी पुराने दौर की सोच में फंसा हुआ है। उत्तर कोरिया अब

पीछे हटने वाला नहीं है और अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु ताकत बढ़ाता रहेगा।

उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु हथियार और मिसाइल कार्यक्रम को मजबूत कर रहा है। साल 2019 में ट्रंप और किम जोंग उन के बीच बातचीत विफल होने के बाद उत्तर कोरिया ने हथियार कार्यक्रम को और तेज कर दिया था। हाल ही में किम जोंग उन ने एक परमाणु सामग्री उत्पादन संयंत्र का दौरा किया था। वहां उन्होंने कहा था कि देश की परमाणु ताकत को तेजी से कई गुना बढ़ाया जाएगा। रविवार को उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने बताया कि किम जोंग उन ने एक हथियार फैक्ट्री का भी दौरा किया और मिसाइल उत्पादन क्षमता को ढाई गुना बढ़ाने का आदेश दिया।

661 करोड़ का सरकारी फंड घोटाला

6 ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

हरियाणा के 8 विभागों में गड़बड़ी का खुलासा

चंडीगढ़, 7 जून (एजेंसियां)। हरियाणा और चंडीगढ़ में 661 करोड़ रुपये के सरकारी फंड घोटाले में सीबीआई ने 6 ठिकानों पर छापेमारी की है। छापे चंडीगढ़, पंचकूला और दिल्ली-एनसीआर में 6 परिसरों पर मारे गए।

ये छापेमारी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू फाइनेंस बैंक के जरिए सरकारी पैसों की कथित हेराफेरी से जुड़ी है। जांच में हरियाणा सरकार के 8 विभागों और चंडीगढ़ प्रशासन के 2 विभागों के फंड में गड़बड़ी सामने आई है। चंडीगढ़ नगर निगम चंडीगढ़ और क्रेस्ट चंडीगढ़ के खातों में गड़बड़ी पाई गई है। सीबीआई ने हरियाणा कैडर के वरिष्ठ लोक सेवकों के आवासों पर भी तलाशी ली। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों और कंपनी के ठिकानों पर रेड की गई। विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड। और उसके निदेशक के परिसरों की भी जांच की गई। एजेंसी को संदेह है कि अपराध से अर्जित रकम कंपनी के खातों में पहुंची और बाद में निदेशक के निजी खाते में ट्रांसफर की गई। जांच में सामने आया है कि कुछ लोक सेवकों ने बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर खातों के संचालन, धन हस्तांतरण और रकम के डायवर्जन में मदद की।

आरोप है कि इसके बदले उन्हें अनुचित लाभ प्राप्त हुआ। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, संपत्ति से जुड़े कागजात और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए। यह मामला हरियाणा विजिलेंस एवं एसीबी से ट्रांसफर किए गए एक केस और चंडीगढ़ पुलिस के आर्थिक अपराध थाने में दर्ज दो मामलों से जुड़ा है। जांच के अनुसार इस घोटाले में करीब 661 करोड़ रुपये के सरकारी फंड की कथित हेराफेरी हुई। सीबीआई पहले ही पंचकूला स्थित विशेष अदालत में पहली चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। चार्जशीट में हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद के अधिकारियों की भूमिका बताई गई है।

ईरान की जब्त संपत्ति से खाड़ी देशों को मदद? नुकसान की भरपाई के लिए यूएस का नया प्लान

वॉशिंगटन, 7 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ईरान के खिलाफ एक नई आर्थिक रणनीति पर काम कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी वित्त मंत्रालय (ट्रेजरी डिपार्टमेंट) ईरान की जब्त की गई संपत्तियों का इस्तेमाल उन खाड़ी देशों की मदद के लिए करना चाहता है, जिन्हें मौजूदा संघर्ष के दौरान नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे ऐसे सभी कानूनी और प्रशासनिक विकल्पों की जांच करें, जिनके जरिए ईरान की जब्त संपत्तियों को मरम्मत और पुनर्निर्माण के काम में लगाया जा सके।

अमेरिका का मानना है कि ईरान ने जिन देशों को नुकसान पहुंचाया है, उसकी आर्थिक कीमत भी उसे चुकानी चाहिए। इसी मकसद से ट्रेजरी विभाग ने खाड़ी देशों से कहा है कि वे युद्ध और हमलों के कारण हुए नुकसान का पूरा ब्यौरा दें। अमेरिका यह जानना चाहता है कि सड़कों, इमारतों, ऊर्जा ढांचे और अन्य सुविधाओं की मरम्मत पर कितना खर्च आएगा। अभी यह तय नहीं हुआ है कि किन ईरानी संपत्तियों का इस्तेमाल किया जाएगा।

थलपति विजय का दिल्ली दौरा 11 को

अमित शाह, पीएम मोदी और राहुल गांधी से कर सकते हैं मुलाकात, राजनीतिक हलचल तेज

चेन्नई, 7 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम के अध्यक्ष सी। जोसेफ विजय 11 जून को नई दिल्ली का दौरा करेंगे। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक में शामिल होंगे। यह पिछले दो सप्ताह में उनका दूसरी बार राष्ट्रीय राजधानी का दौरा होगा। हालांकि यह बैठक मुख्य रूप से शासन और विकास से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित होगी लेकिन राजनीतिक जानकार मुख्यमंत्री की संभावित राजनीतिक गतिविधियों पर भी नजर बनाए हुए हैं। माना जा रहा है कि वे विपक्षी दलों के नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं, खासकर उन दलों से जो बीजेपी विरोधी गठबंधन का हिस्सा हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय इस मंच पर तमिलनाडु से जुड़े कई वित्तीय और विकास संबंधी मुद्दे उठाएंगे।

वे केंद्र सरकार से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए अधिक समर्थन की मांग कर सकते हैं, जो राज्य के आगामी बजट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कहा जा रहा है कि विजय अमित शाह से भी मिल सकते हैं। राज्य

सरकार के अधिकारियों के मुताबिक मुख्यमंत्री केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लंबित फंड और वित्तीय आवंटन से जुड़ी चिंताओं को भी उठा सकते हैं। ग्रामीण रोजगार योजनाओं, शिक्षा क्षेत्र की फंडिंग और राज्यों की आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दे भी बैठक में उठने की संभावना है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और ऊर्जा बाजारों पर उसके असर जैसी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिससे सरकारों, व्यवसायों और आम लोगों पर महंगाई का दबाव बढ़ा है। राजनीतिक रूप से भी इस दौरे पर नजर बनी हुई है। मुख्यमंत्री विजय ने इससे पहले 27 मई को दिल्ली का दौरा किया था, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की थी लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई थी। उस समय कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि वे कर्नाटक के राजनीतिक घटनाक्रमों में व्यस्त थे जबकि टीवीके ने कहा था कि यह दौरा पूरी तरह आधिकारिक था।

यह भी स्पष्ट नहीं है कि विजय इस दौरान सीपीआई और सीपीआई(एम) नेताओं से मुलाकात करेंगे या नहीं, जिनकी पार्टियां टीवीके सरकार को बाहर से समर्थन दे रही हैं। इसी बीच इंडिया गठबंधन की राजनीतिक स्थिति में बदलाव के संकेत भी मिल रहे हैं। डीएमके के हालिया बैठक से दूरी बनाने और कांग्रेस से मतभेद जताने के बाद विपक्षी गठबंधन में नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। इन सभी परिस्थितियों के बीच 11 जून का दिल्ली दौरा मुख्यमंत्री विजय के लिए न केवल तमिलनाडु के मुद्दों को केंद्र के सामने रखने का अवसर होगा बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पार्टी की स्थिति मजबूत करने का भी मौका माना जा रहा है।

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

मनोज कुमार अग्रवाल

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए, उनके बयानों और ₹बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने₹ को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है। ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं। आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी। ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपना साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए 'इंडिया गठबंधन' की वह सदस्य ज़रूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमज़ोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए शैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रितब्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है। दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है।

तेज और प्रभावी आर्थिक सुधार

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों के साथ की गई बैठक ऐसे समय में हुई है, जब भारतीय अर्थव्यवस्था अनेक बाहरी और आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रही है। विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता ने भारत सहित दुनिया की कई अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिनाइयां खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में आर्थिक सुधारों को गति देना विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। भारत की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक तेल और गैस की आपूर्ति तथा उनकी कीमतों में लगातार बनी हुई अनिश्चितता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान संबंधों में स्थिरता के अभाव के कारण ऊर्जा बाजार सामान्य स्थिति में नहीं लौट पा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे समुद्री मार्गों पर किसी भी प्रकार की बाधा का सीधा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहा है। इससे असर से भारत भी अछूता है। परिणामस्वरूप कच्चे तेल और गैस की कीमतें ऊँची बनी रहती हैं, जिससे देश का आयात व्यय बढ़ता जा रहा है और आर्थिक दबाव पैदा हो रहा है। हालाँकि सरकार ने ऊर्जा संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने जैसे कई कदम उठाए हैं, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में ये उपाय अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। यदि वैश्विक संकट लंबे समय तक जारी रहता है तो इसका प्रभाव उद्योग, व्यापार और आम नागरिकों पर भी पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए केवल तात्कालिक उपायों से काम नहीं चलेगा, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति पर भी गंभीरता से कार्य करना होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी है। रुपये के कमजोर होने से देश का आयात बिल बढ़ता है। इससे महंगाई पर भी दबाव पड़ता है। साथ ही अमेरिका सहित प्रमुख देशों के साथ व्यापार समझौतों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे निर्यात क्षेत्र की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। भारत का विशाल मध्यम वर्ग और उसकी मजबूत उपभोग क्षमता अर्थव्यवस्था को सहारा प्रदान कर रही है, फिर भी वैश्विक संकट के लंबे खिंचने की स्थिति में यह मजबूती भी पर्याप्त नहीं होगी। इन परिस्थितियों में सबसे अधिक आवश्यकता आर्थिक सुधारों को तेज गति से आगे बढ़ाने की है। कारोबारी वातावरण को और अधिक सरल तथा निवेश-अनुकूल बनाना होगा। घरेलू उद्योगों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ विदेशी निवेशकों का विश्वास भी मजबूत करना आवश्यक है। सरकार द्वारा हाल के वर्षों में निवेश आकर्षित करने के लिए कई पहल की गई हैं, लेकिन उनका अपेक्षित परिणाम सुनिश्चित करने पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। इसके साथ ही भारत को आयात पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में अधिक प्रभावी कदम उठाने होंगे। विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त बनाकर, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देकर और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाकर ही देश दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती हासिल कर सकता है। स्पष्ट है कि वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में सरकार, उद्योग जगत और निवेशकों को मिलकर कार्य करना होगा। आर्थिक सुधारों की गति बढ़ाकर, निवेश को प्रोत्साहन देकर और आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाकर ही भारत न केवल वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकेगा, बल्कि भविष्य की आर्थिक संभावनाओं को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकेगा। यही समय की सबसे बड़ी मांग है।

क्या पुतिन ने एक वाक्य में बदलती दुनिया का सच कह दिया?

आरके जैन

इतिहास के कठिन दौर ही रिश्तों की असली परीक्षा लेते हैं। ऐसे समय में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत को "दुनिया के सबसे भरोसेमंद साझेदारों में से एक" बताना महज़ कूटनीतिक वाक्य नहीं है। 4 जून 2026 को सेंट पीटर्सबर्ग में दिया गया उनका बयान ऐसे समय आया, जब यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया नए राजनीतिक खाँचों में बँटती दिख रही है। प्रतिबंधों से घिरा रूस अपने विश्वसनीय मित्रों को पहचान रहा है और भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से अलग सम्मान पा रहा है। पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए भारत पर पश्चिमी दबाव को "निष्फल और प्रतिकूल" बताया। यह केवल मित्रता की प्रशंसा नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत के बढ़ते महत्व की स्वीकारोक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शब्द अक्सर परिस्थितियों का आईना होते हैं। पुतिन की भारत-प्रशंसा को भी इसी संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव का सामना कर रहा है। ऐसे समय में भारत उन विरले देशों में रहा, जिसने अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार रूस से संबंध बनाए रखे। न उसने किसी दबाव के आगे झुकना स्वीकार किया, न अपनी विदेश नीति का मार्ग बदला। पुतिन भलीभांति समझते हैं कि भारत जैसा मित्र केवल आर्थिक सहयोगी नहीं, बल्कि कूटनीतिक संबल भी है। इसलिए उनका यह बयान प्रशंसा से अधिक उस विश्वास की अभिव्यक्ति है, जिस पर रूस भविष्य की अपनी रणनीति का एक महत्वपूर्ण आधार देखता है। पुतिन के बयान का एक संभावित संकेत चीन की ओर भी है। रूस और चीन भले ही अटूट साझेदारी का दावा करें, लेकिन उनके संबंधों में रणनीतिक सतर्कता बनी रहती है। चीन की बढ़ती आर्थिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति ने एशिया का शक्ति-संतुलन बदल दिया है। मॉस्को समझता है कि बीजिंग पर अत्यधिक निर्भरता उसकी स्वतंत्र भूमिका को सीमित कर सकती है। ऐसे में भारत के साथ मजबूत संबंध उसे संतुलन देते हैं। यही कारण है कि पुतिन ने ब्रह्मोस, रक्षा सहयोग और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी साझेदारी का विशेष उल्लेख किया। इसे मुख्य रूप से चीन के विरुद्ध संदेश न मानकर, एशिया में शक्ति-संतुलन साधने की रूस की दीर्घकालिक कूटनीतिक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी पहचान उसकी स्वतंत्रता है। यही कारण है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत पर पड़ रहे अमेरिकी दबाव के बीच उसकी नीति की सराहना की। अमेरिका लंबे समय से रूस से जुड़े ऊर्जा और रक्षा संबंधों को लेकर भारत को अपने अधिक निकट लाने का प्रयास करता रहा है। इसके बावजूद नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि उसके निर्णय राष्ट्रीय हितों से संचालित होंगे, किसी बाहरी दबाव से नहीं। पुतिन ने इसी आत्मविश्वास की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत जैसे उभरते राष्ट्र पर दबाव डालना उलटा पड़ सकता है। उनका संदेश केवल वाशिंगटन के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए था कि भारत अब अपनी राह स्वयं तय करने वाली शक्ति है।

आज भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्ति उसका संतुलित और स्वतंत्र दृष्टिकोण है। भारत एक ओर रूस से ऊर्जा, रक्षा उपकरण और सामरिक सहयोग प्राप्त कर रहा है, तो दूसरी ओर अमेरिका के साथ तकनीक, निवेश और सुरक्षा साझेदारी भी मजबूत कर रहा है।

महासागर हैं पृथ्वी पर जैव विविधता का आधार

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर मुख्यतः पांच प्रमुख महासागर हैं, प्रशांत महासागर, हिन्द महासागर, अटलांटिक महासागर, उत्तरी ध्रुव महासागर और दक्षिणी ध्रुव महासागर। ये सभी महासागर न केवल धरती के पारिस्थितिक संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं बल्कि मानव जीवन के लिए अनेक प्रकार की सेवाएं भी प्रदान करते हैं लेकिन दुर्भाग्यवश आज ये सभी महासागर गंभीर प्रदूषण की चपेट में आ चुके हैं। हर साल 8 जून को 'विश्व महासागर दिवस' मनाया जाता है, जिससे मानव जीवन में समुद्रों की अहमियत, महासागरों की साफ-सफाई और उनकी सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाई जा सके लेकिन जिस रफ्तार से समुद्रों में प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन बनकर रह गया है।

'विश्व महासागर दिवस' की वर्ष 2026 की थीम है 'पुनर्कल्पनाः हमारी जानी-पहचानी दुनिया से परे, हमारे महासागर के साथ एक नया रिश्ता', जो हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करती है कि महासागर केवल जलराशि नहीं बल्कि पृथ्वी के जीवन, जलवायु और जैव विविधता के आधार हैं।

दुनियाभर के महासागर बढ़ते मानवीय क्रियाकलापों के कारण बुरी तरह प्रदूषित हो रहे हैं। पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार, औसतन हर मिनट एक ट्रक प्लास्टिक कचरा समुद्रों में फैंका जा रहा है। इसके अलावा, भारी मात्रा में सीवेज, औद्योगिक रसायन और जहरीले तत्व भी समुद्रों में पहुंच रहे हैं। अरबों टन प्लास्टिक कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है, जो न तो आसानी से विघटित होता है और न ही पूरी तरह समाप्त होता है। यह वर्षों तक समुद्र में पड़ा रहकर समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी को बुरी तरह प्रभावित करता है। समुद्रों में समाते इन प्लास्टिक कणों और रासायनिक तत्वों का समुद्री वनस्पतियों और जीव-जंतुओं पर बेहद घातक असर पड़ता है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक, महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जल का पीएच मान घट रहा है, पोषक तत्वों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और ऑक्सीजन की कमी भी स्पष्ट रूप से दर्ज की जा रही है। इन

> **इससे मानसून के पूर्व सत्र में लगातार पांच वर्षों तक चक्रवातों की संख्या में तेजी आई है। आईपीसीसी की जलवायु वैज्ञानिक डॉ. रोक्सी कौल के अनुसार, यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं और इससे समुद्री पारिस्थितिकी और मानव जीवन दोनों को खतरा है।**

सभी प्रभावों का सीधा असर समुद्री पारिस्थितिकी पर पड़ता है। भारतीय उपमहाद्वीप से भी हर वर्ष करोड़ों टन भारी धातुएं और लवणीय तत्व हिन्द महासागर में प्रवाहित हो जाते हैं।

समुद्रों में सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक कचरे से है, जिसे समुद्री जीव भोजन समझकर निगल जाते हैं। कई बार व्हेल, समुद्री कछुए और डॉल्फिन जैसे जीव मछली पकड़ने वाले जाल या अन्य प्लास्टिक अपशिष्ट को खा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि प्लास्टिक में मौजूद विषैले रसायन समुद्री जीवों के शरीर में चले जाते हैं। इन मछलियों और समुद्री जीवों को दुनिया भर में लगभग 3 अरब लोग भोजन के रूप में उपयोग करते हैं। इस प्रकार यह प्रदूषण मानव स्वास्थ्य को भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है। नार्वे के पास वैज्ञानिकों को 'किलर व्हेल' के चर्बी ऊतकों में पीसीबी जैसे विषैले रसायनों के उच्च स्तर मिले हैं, जो कई देशों में दशकों पहले ही प्रतिबंधित किए जा चुके हैं। साथ ही 'पीएफएएस' नामक रसायन भी इन जीवों में पाए गए हैं, जो हार्मोन संतुलन, प्रजनन क्षमता और जीवनचक्र पर बुरा असर डालते हैं। वैज्ञानिकों ने व्हेल्स के शरीर में 'ब्रॉमिनेटेड फ्लेम रिटार्डेंट्स' भी खोजे हैं, जो पीढ़ियों में ट्रांसफर होकर अगली पीढ़ी तक जहरीले असर छोड़ते हैं। स्पेनिश नेशनल रिसर्च काउंसिल द्वारा किए गए एक शोध में समुद्री कछुओं के पेट और मांसपेशियों में प्लास्टिक यौगिकों के उच्च स्तर पाए गए हैं। पूर्वी स्पेन के कैटलन तट पर और बेलिएरिक द्वीपों में मृत पाए गए 'लॉगरहेड' प्रजाति के 44 समुद्री कछुओं के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आए। इनके शरीर में मौजूद यौगिक हार्मोन सिस्टम, न्यूरोलॉजिकल और कैंसरजनक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं।

महासागरों में प्लास्टिक पहुंचने का सबसे बड़ा जरिया नदियां हैं। हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा नदियों के जरिए समुद्रों तक पहुंचता है। 'प्लास्टिक वेस्ट मेकर्स इंडेक्स' रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में पूरी दुनिया में 130 मिलियन मीट्रिक टन एकल उपयोग वाला प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ। इसमें से केवल 35 प्रतिशत को ही जलाया गया, 31 प्रतिशत को जमीन में दबाया गया और 19 प्रतिशत को खुले में या समुद्रों में फैंक दिया गया। 'साइंस एडवांसेज' जर्नल में प्रकाशित 'ओशियन क्लीनअप' संगठन के अनुसार समुद्रों में प्लास्टिक प्रदूषण फैलाने वाली नदियों की संख्या हजारों में है लेकिन केवल एक हजार नदियां ही 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे के लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं। इन नदियों में से अधिकांश छोटी और मध्यम आकार की ही हैं, न कि केवल विशाल नदियां, जैसा पहले माना जाता था। फिलीपींस, चीन, भारत और मलेशिया जैसी देशों की नदियां समुद्रों में प्लास्टिक पहुंचाने के मामले में अग्रणी हैं। अकेले फिलीपींस की 4800 नदियां हर साल 3.5 लाख मीट्रिक टन प्लास्टिक समुद्रों तक पहुंचाती हैं। भारत की 1100 से ज्यादा नदियां हर साल 1.25 लाख टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंचाती हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण के अलावा जलवायु परिवर्तन भी महासागरों के लिए खतरा बन चुका है। महासागरों का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण तूफानों की तीव्रता और संख्या में वृद्धि हो रही है। अरब सागर, जो पहले अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब गर्म हो चुका है। इससे मानसून के पूर्व सत्र में लगातार पांच वर्षों तक चक्रवातों की संख्या में तेजी आई है। आईपीसीसी की जलवायु वैज्ञानिक डॉ. रोक्सी कौल के अनुसार, यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं और इससे समुद्री पारिस्थितिकी और मानव जीवन दोनों को खतरा है। बहरहाल, वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों की राय में समुद्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक कठोर उपाय अपनाने होंगे। प्लास्टिक उत्पादन, खपत और निपटान को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति और जन-जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी हो गया है। तभी हम आने वाली पीढ़ियों के लिए समुद्रों को सुरक्षित और स्वच्छ बना पाएंगे।

तुम डाल डाल हम पात पात

डॉ टी महादेव राव

छोटू। अब उस कार्यालय में घूसखोरी और भ्रष्टाचार खत्म हो गया होगा, जिसके दो अधिकारियों को हाल ही में घूस लेने के चक्कर में सस्पेंड किया गया।

भैया। आपने कर्क रोग के बारे में सुना होगा मतलब कैंसर। वह पूरी तरह खत्म नहीं होता। खत्म होने का भ्रम देता है। हमारे समाज में भी भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैल गया है। खत्म कहां होने वाला?

मतलब वहां अब भी रिश्वत ली जाती है जबकि उस विभाग के मंत्री ने उस कार्यालय में शौचालय को छोड़कर हर जगह सी सी कैमरे लगवा दिए हैं। उसमें रिकॉर्ड नहीं हो जायेगा घूस लेते हुए।

आप भी कहां की बात कर रहे हैं? भ्रष्ट अनंत भ्रष्टाचार अनंता। तू डाल डाल मैं पात पात जैसा फैल गया है। और तो और नशेड़ी, शराबी और गंजेडी की तरह यह दुर्व्यसन छूटती कहां है?

तो वे सी सी कैमरों के सामने लेन देन कैसे करते हैं? उन्हें डर नहीं पकड़े जाने का?

उन्होंने उपाय खोज लिए हैं। मैं कल वहां अपने दोस्त के काम से उसे लेकर गया था। लिपिक ने दराज से एक कागज निकालकर पढ़ने को कहा। पांच मिनट में काम होने का दाम उसमें पांच हजार बताया और सारे कागज उसके पास जमा करने को कहा गया। बाहर जाकर वहां पानी पूरी वाले के पास पैसे देने को कहा गया उस कागज में। फिर? फिर हम लोग जाकर उस पानी पूरी वाले से मिले। उससे पानी पूरी लेकर खाया।

उसने पांच हजार लिए और फोन पे कहा पांच बजे। यह उनका कोड था। हम जब फिर उस लिपिक के पास गए। हमारे कागजात तैयार थे। लेकर हम बाहर आए तो देखा कई लोग पानी पूरी वाले से पानी पूरी खा रहे थे और लेन देन कर रहे थे।लेटेस्ट लेन देन का तरीक़ा था यह तो। मैं तो कहता हूं भैया। ए आई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से एक कदम आगे हैं ये लोग रिश्वतखोरी में। मंत्री जी कौन से दूध के धुले हैं? उन्हें इस एक कार्यालय से महीने में पचास लाख का शेयर जाता है।

लेकिन उन्होंने तो ईमानदारी पर प्रवचन देकर दो अधिकारियों को हटाया न वहां से?

वो तो हाथी के दांत थे। वे दोनों अधिकारी हिस्सा ठीक से और समय पर नहीं दे रहे थे। ईमानदारी के नाम पर उन्हें हटाकर अपना उल्लू भी सीधा कर लिए कि अगले चुनाव के लिए खुद को पाक साफ बताया और अपने साजिंदों को वहां बिठाकर धन उगाहा। क्या होगा इस देश का और क्या होगा उस नारे का कि न खाऊंगा न खाने दूंगा। पानी पूरी वाले का स्वरोजगार भी चमक उठा छोटू!

'कॉकरोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता बहुत, जनाधार कम

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

भारतीय लोकतंत्र के इस डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने राजनीति की प्रकृति और प्रभाव दोनों को बदल दिया है। आज ऐसे अनेक चेहरे हैं, जिनकी पहचान किसी राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि उनके विचारों, वीडियो और ऑनलाइन प्रभाव से बनी है। लाखों-करोड़ों अनुयायियों वाले ये लोग सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। किंतु जब यही लोकप्रियता वास्तविक राजनीति के मैदान में उतरने की कोशिश करती है, तब कई नए प्रश्न खड़े हो जाते हैं। अभिजीत दीपके और उनकी प्रस्तावित "कॉकरोच जनता पार्टी" को लेकर चल रही चर्चा इसी यथार्थ को सामने लाती है। अभिजीत दीपके पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया पर एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में उभरे हैं। इतिहास, संस्कृति, राजनीति और समसामयिक विषयों पर उनके विचारों को बड़ी संख्या में लोग सुनते हैं। प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर सार्वजनिक जीवन में सक्रिय होने का उनका निर्णय भी लोगों को आकर्षित करता रहा है। यही कारण है कि उनके वीडियो और वक्तव्यों को व्यापक समर्थन मिलता है तथा उनके अनुयायियों की संख्या लगातार बढ़ती रही है। हालांकि किसी व्यक्ति की लोकप्रियता और उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। सोशल मीडिया पर किसी विचार का समर्थन करना और उसी विचार के आधार पर किसी राजनीतिक दल को वोट देना दो अलग-अलग बातें हैं। यही वह मूल अंतर है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लाखों लोग किसी व्यक्ति की बातों से सहमत हो सकते हैं, लेकिन यह आवश्यक नहीं कि वे सभी उसके राजनीतिक समर्थक भी बन जाएं। दरअसल अभिजीत दीपके को मिलने वाला समर्थन केवल उनकी व्यक्तिगत छवि का परिणाम नहीं है। उनके अनेक समर्थक उन मुद्दों से सहमत हैं, जिन्हें वे उठाते रहे हैं। इनमें सांस्कृतिक पहचान, इतिहास की व्याख्या, शासन-प्रशासन की कमियां और सामाजिक विमर्श जैसे विषय शामिल हैं। लेकिन किसी मुद्दे से सहमति का अर्थ यह नहीं होता कि व्यक्ति अपने पुराने राजनीतिक विकल्पों को छोड़कर एक नई पार्टी के साथ खड़ा हो जाएगा। लोकतंत्र में मतदाता का निर्णय अनेक कारकों से प्रभावित होता है, जिनमें स्थानीय नेतृत्व, उम्मीदवार की छवि, विकास कार्य, सामाजिक समीकरण और राजनीतिक स्थिरता जैसे तत्व भी शामिल होते हैं। यही कारण है कि करोड़ों फॉलोअर्स रखने वाले लोग भी चुनावी राजनीति में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाते। सोशल मीडिया की दुनिया में व्यक्ति अपने विचार सीधे लोगों तक पहुँचाता है, जबकि राजनीति में उसे एक व्यापक संगठन, समर्पित कार्यकर्ताओं और जमीनी नेटवर्क की आवश्यकता होती है। किसी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके डिजिटल प्रभाव से नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक फैले संगठन और जनता के साथ उसके निरंतर संपर्क से तय होती है। भारतीय राजनीति का इतिहास भी इस सत्य की पुष्टि करता है। अनेक जनआंदोलनों और लोकप्रिय अभियानों को जनता का व्यापक समर्थन मिला, लेकिन उन्हें राजनीतिक सफलता में बदलना आसान नहीं रहा। आम आदमी पार्टी इसका एक उदाहरण है। अन्ना आंदोलन के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ जनभावना अपने चरम पर थी, लेकिन राजनीतिक दल बनने के बाद उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दिल्ली में सफलता मिलने के बावजूद वह पूरे देश में वैसा प्रभाव स्थापित नहीं कर सकी, जैसा प्रारंभिक उत्साह को देखकर अनुमान लगाया जा रहा था। कॉकरोच जनता पार्टी के संदर्भ में भी यही प्रश्न उठता है कि क्या सोशल मीडिया की लोकप्रियता को राजनीतिक शक्ति में बदला जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। लोकतंत्र में नए विचारों और नए नेतृत्व के लिए हमेशा अवसर मौजूद रहते हैं। लेकिन केवल असंतोष या लोकप्रियता के आधार पर कोई राजनीतिक विकल्प टिकाऊ नहीं बनता। उसके लिए स्पष्ट नीतियाँ, मजबूत संगठन, प्रशिक्षित कार्यकर्ता और दीर्घकालिक दृष्टि आवश्यक होती है। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि समाज में वैचारिक या सामाजिक सक्रियता और चुनावी राजनीति, दोनों की भूमिकाएँ अलग-अलग हैं। कोई व्यक्ति सामाजिक जागरूकता फैलाने, वैचारिक बहस को दिशा देने और जनमत तैयार करने में सफल हो सकता है, लेकिन चुनाव जीतने के लिए उसे उससे कहीं अधिक व्यापक प्रयास करने पड़ते हैं। राजनीति केवल विचारों का नहीं, बल्कि संगठन, रणनीति और जनविश्वास का भी खेल है। अभिजीत दीपके और उनकी प्रस्तावित राजनीतिक पहल के सामने सबसे बड़ी चुनौती भी यही है। उन्हें यह समझना होगा कि उनके समर्थकों का एक बड़ा वर्ग उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों के साथ खड़ा हो सकता है, परंतु वह आवश्यक रूप से किसी नई राजनीतिक पार्टी के साथ खड़ा हो, इसकी कोई गारंटी नहीं है। यही कारण है कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता को सीधे राजनीतिक समर्थन मान लेना एक गंभीर भूल हो सकती है। अंततः "कॉकरोच जनता पार्टी" की चर्चा भारतीय लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण सत्य को उजागर करती है। डिजिटल दुनिया में दिखाई देने वाला समर्थन और वास्तविक जनाधार हमेशा एक समान नहीं होते।

लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है, और जनता केवल नारों, चर्चाओं या फॉलोअर्स की संख्या से प्रभावित नहीं होती। वह भरोसा, संगठन, नेतृत्व और काम के आधार पर अपना निर्णय देती है।

इन 3 राशि वालों पर रहती हैं शिव की कृपा, जीवन में खूब कमाते हैं नाम

हिंदू धर्म में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इनकी थोड़ी सी भक्ति करने से भोलेनाथ अपने भक्तों की मनोकामना पूरी कर देते हैं। वैसे तो भोलेनाथ के हर भक्त पर उनकी कृपा बरसाते है क्योंकि इनका नाम ही भोलेनाथ है। परंतु ज्योतिष शास्त्र का मत है कि ये 3 राशियां ऐसी हैं जिससे संबंधित लोगों पर भगवान शिव की विशेष कृपा रहती है।

मेष

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 12 राशियों में मेष पहली राशि है। इसके स्वामी मंगल देव माने जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव को यह राशि बेहद प्रिय है। भगवान शिव की कृपा दृष्टि इस राशि के जातकों पर सदैव बनी रहती है। इनकी कृपा से ये जातक हमेशा सुखी और समृद्धशाली जीवन जीते हैं। मेष राशि के जातकों को भगवान शिव का सोमवार के दिन जलाभिषेक करना चाहिए।

मकर

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर राशि भी भगवन शिव को अति प्रिय है। इस राशि के स्वामी शनि देव हैं। इस राशि के जातक पर भगवन शिव के अलावा शनि देव की भी कृपा रहती है। मान्यता है कि मकर राशि के जातकों के लिए भगवन भोलेनाथ की उपासना बहुत ही लाभदायी होती है। इन्हें शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। कहा जाता है कि भगवान शिव की कृपा से ही इस राशि के जातक भाग्यशाली बनते हैं।

कुंभ

कुंभ राशि भी भगवान शिव को बेहद प्रिय है। ज्योतिष के अनुसार कुंभ राशि के स्वामी शनि देव हैं। इस राशि पर शनि देव के साथ-साथ भगवन शिव की भी कृपा रहती है। इस राशि के जातकों के लिए शिव आराधना बेहद शुभ और फलदायी होती है।ऐसे में इस राशि के जातकों को 'ओम नमः शिवाय' का जाप करते हुए शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए।

मन निरंकुश हो तो परिजनों से संबंध खराब हो जाते हैं

हमारा मन जहां चाहे, जैसे चाहे, खुद भी दौड़ता है और हमें भी भटकाता है। किसी व्यक्ति-परिस्थिति को देखकर ऐसी लंबी छलांग लगाता है कि हम खुद ही परेशान हो जाते हैं। जब हमारा मन गृहस्थी में निरंकुश होता है, तब परिजनों से हमारे संबंध खराब हो जाते हैं।

हमारी सोच निगेटिव हो जाती है, वाणी दूषित हो जाती है। हम अपने ही घर में कुछ ऐसे काम करते हैं, जैसे आजकल बाहर की दुनिया में होते हैं। माना जाता है कि दफ्तरों में, स्कूल-कॉलेज में बुलीइंग बड़ी दुःखदाई है। इसका अर्थ होता है सामने वाले पर अनुचित दबाव, पीड़ा पहुंचाने वाली टिप्पणियां।

हम देखते हैं आजकल हमारे बच्चे आपस में, घर-परिवार में बुलीइंग का प्रयोग कर रहे हैं। गहराई से अध्ययन करें तो भारत के परिवारों में आजकल विलेन कैरेक्टर को पसंद किया जा रहा है। जिसका सेल्फ-कंट्रोल नहीं होता, वही खलनायक बनता है। और जिसका होता है, वो नायक बन जाता है। बच्चे खलनायक को लेकर रुचि दिखाने लगे हैं, इसी कारण परिवार अशांत होते जा रहे हैं।

कालाष्टमी आज, भगवान काल भैरव की आराधना का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में भगवान काल भैरव को भगवान शिव का रौद्र और शक्तिशाली स्वरूप माना जाता है। प्रत्येक माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी या मासिक कालाष्टमी का व्रत रखा जाता है। जून 2026 की कालाष्टमी 8 जून, सोमवार को मनाई जाएगी। इस दिन भगवान काल भैरव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और भक्त पूरे दिन व्रत रखकर उनकी कृपा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि कालाष्टमी पर श्रद्धापूर्वक पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा मिलती है।

पंचांग के अनुसार अष्टमी तिथि 8 जून को सुबह 3 बजकर 25 मिनट से शुरू होगी और 9 जून को सुबह 3 बजकर 24 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर कालाष्टमी का व्रत और पूजा 8 जून को की जाएगी। देशभर के शिव और भैरव मंदिरों में इस अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन, हवन और रात्रि जागरण का भी आयोजन होता है।

धार्मिक ग्रंथों में काल भैरव को समय का देवता बताया गया है। 'काल' का अर्थ समय और 'भैरव' भगवान शिव के उस स्वरूप को कहा जाता है जो धर्म की रक्षा और अधर्म के नाश के लिए प्रकट हुआ। मान्यता है कि भगवान भैरव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं और उन्हें भय, संकट तथा नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त करते हैं। यही कारण है कि कालाष्टमी का दिन विशेष रूप से शिव भक्तों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के बाद भक्त भगवान काल भैरव की पूजा का संकल्प लेते हैं। पूजा में दीपक, धूप, फूल, बेलपत्र, चंदन और प्रसाद अर्पित किया जाता है। कई श्रद्धालु दिनभर निर्जला या फलाहार व्रत रखते हैं। माना जाता है कि सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा से रखा गया यह व्रत विशेष फल प्रदान करता है। शाम के समय मंदिरों में भक्तों की भीड़ बढ़ जाती है और विशेष आरती का आयोजन किया जाता है।

कालाष्टमी के दिन काल भैरव कथा और भैरव मंत्रों के जाप का भी विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन ॐ काल भैरवाय नमः मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को मानसिक शक्ति और आत्मविश्वास प्राप्त होता है। कई श्रद्धालु भगवान शिव और काल भैरव से जुड़े स्तोत्रों का पाठ भी करते हैं। माना जाता है कि इससे जीवन में चल रही परेशानियों से राहत मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कालाष्टमी से जुड़ी एक प्रमुख मान्यता भगवान शिव और ब्रह्मा के प्रसंग से संबंधित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बार ब्रह्मा, विष्णु और महेश के बीच श्रेष्ठता को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। इसी दौरान भगवान शिव ने क्रोधित होकर काल भैरव का स्वरूप धारण किया। इसके बाद से काल भैरव को न्याय और धर्म की रक्षा करने वाला देवता माना जाने लगा। श्रद्धालु इस कथा को सुनते और पढ़ते हैं तथा भगवान भैरव का स्मरण करते हैं।

इस दिन पितरों की शांति के लिए भी पूजा और तर्पण करने की परंपरा है। कई लोग अपने पूर्वजों की स्मृति में दान-पुण्य करते हैं और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वाराणसी, उज्जैन और अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों में इस अवसर पर विशेष धार्मिक गतिविधियां देखने को मिलती हैं।

कालाष्टमी का एक और महत्वपूर्ण पहलू कुत्तों को भोजन कराना माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार काला कुत्ता भगवान काल भैरव का वाहन माना जाता है। इसलिए इस दिन श्रद्धालु कुत्तों को दूध, रोटी, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ खिलाते हैं। इसे पुण्यदायी कार्य माना जाता है और विश्वास किया जाता है कि इससे भगवान भैरव प्रसन्न होते हैं।

उज्जैन स्थित काल भैरव मंदिर, वाराणसी का काल भैरव धाम और देश के अन्य प्रसिद्ध भैरव मंदिरों में इस दिन विशेष भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालु दूर-दूर से यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। कई लोग पूरी रात जागकर भगवान भैरव के भजन सुनते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। वातावरण पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा से भर जाता है।

धर्माचार्यों के अनुसार कालाष्टमी केवल पूजा और व्रत का दिन नहीं है, बल्कि आत्मचिंतन और आध्यात्मिक साधना का भी अवसर है। यह दिन व्यक्ति को अपने भीतर के भय, क्रोध और नकारात्मक विचारों पर विजय पाने की प्रेरणा देता है। भगवान काल भैरव की उपासना को साहस, अनुशासन और आत्मबल का प्रतीक माना जाता है।

गौतम बुद्ध के विचार

गौतम बुद्ध के प्रेरणादायक विचार जानिए, जो जीवन में शांति, सत्य, प्रेम और आत्मसंयम की राह दिखाते हैं।

भगवान बुद्ध को दुनिया शांति, करुणा और आत्मज्ञान का प्रतीक माना जाता है। उनके विचार आज भी मुश्किल हालातों में लोगों को सही दिशा दिखाते हैं। कहा जाता है कि गौतम बुद्ध ने इंसान को खुद को समझने और अपने भीतर झांकने का संदेश दिया। इसलिए उनके उपदेश आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने सदियों पहले थे। जीवन, क्रोध, सत्य, प्रेम और आत्मसंयम के बारे में उनके विचार लोगों के लिए प्रेरणाश्रोत बन चुके हैं। गौतम बुद्ध के ये अनमोल विचार सिर्फ धार्मिक संदेश नहीं हैं, बल्कि ये हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने की सीख भी देते हैं।

गौतम बुद्ध कहते हैं कि जीवन की हजारों लड़ाइयों को जीतने से ज्यादा जरूरी खुद पर विजय पाना है, क्योंकि जो व्यक्ति खुद को जीत लेता है, उसकी जीत कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने सत्य को सबसे बड़ा बताया और कहा कि जैसे सूर्य, चंद्रमा और सत्य को लंबे समय तक छुपाया नहीं जा सकता। बुद्ध के मुताबिक, किसी लक्ष्य तक पहुंचना ही सबकुछ नहीं है, बल्कि उस सफर को सही तरीके से तय करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि बुराई को बुराई से खत्म नहीं किया जा सकता, घृणा को केवल प्रेम ही समाप्त कर सकता है। सत्य के रास्ते पर चलने वाले व्यक्ति की सबसे बड़ी गलती यही होती है कि वह या तो शुरुआत नहीं करता या फिर बीच में ही रुक जाता है।

बताया जाता है कि गौतम बुद्ध वर्तमान में जीने पर जोर देते थे। उनका मानना था कि अगर इंसान भविष्य की चिंता और बीते समय के पछतावे में उलझा रहेगा, तो वह कभी खुश नहीं रह पाएगा। उन्होंने खुशियों को बांटने की सलाह देते हुए कहा कि जैसे एक दीपक से हजारों दीप जलाए जा सकते हैं और उसकी रोशनी कम नहीं होती, वैसे ही खुशियां बांटने से बढ़ती हैं। बुद्ध ने ज्ञान हासिल करने की बजाय उसे अपने जीवन में उतारने को जरूरी बताया। उनके अनुसार, सिर्फ किताबें पढ़ने या अच्छी बातें सुनने से कुछ नहीं होता, जब तक इंसान उन बातों को अपने व्यवहार में न लाए। क्रोध के बारे में भी उन्होंने एक गहरी बात कही। बुद्ध के अनुसार गुस्सा उस जलते हुए कोयले की तरह है जिसे हम किसी दूसरे पर फेंकना चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले यह हमें ही जलाता है। इसलिए उन्होंने मौन और शांति को सबसे बड़ी ताकत माना। उनका कहना था कि क्रोध में बोले गए हजारों गलत शब्दों से बेहतर है एक शांत शब्द, जो जीवन में सुकून ला सके।

ओशो : ध्यान, स्वतंत्रता और जीवन के उत्सव का संदेश

आध्यात्मिक विचारक ओशो की शिक्षाएं , विचार व्यक्ति की आंतरिक स्वतंत्रता, ध्यान, प्रेम और वर्तमान में पूरी जागरूकता के साथ जीने पर केंद्रित हैं। ओशो का संदेश पारंपरिक धार्मिक ढांचों से अलग होकर व्यक्ति को स्वयं के अनुभव से सत्य खोजने की प्रेरणा देता है। ओशो की शिक्षाएं आज भी युवाओं और आध्यात्मिक साधकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

क्या है ओशो का मुख्य दर्शन

ओशो का मानना था कि ध्यान केवल बैठकर किया जाने वाला अभ्यास नहीं, बल्कि एक जीवन शैली है। उनके अनुसार, व्यक्ति को अपने विचारों और भावनाओं के प्रति लगातार जागरूक रहना चाहिए। इस "साक्षी भाव" से मन की अशांति कम होती है और व्यक्ति भीतर से स्थिर होता है। उनकी शिक्षाओं में स्वतंत्रता को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। वे किसी भी बाहरी विचारधारा या परंपरा को बिना अनुभव अपनाने के विरोधी थे।

ध्यान और स्वतंत्रता पर जोर

ओशो का तर्क था कि आधुनिक मनुष्य मानसिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण भीतर से असंतुलित हो गया है। ऐसे में ध्यान ही वह मार्ग है, जो व्यक्ति को अपने भीतर लौटने में मदद करता है।उन्होंने कहा कि सच्ची स्वतंत्रता वही है, जहां व्यक्ति किसी भी डर या परंपरा से बंधा न हो और अपने निर्णय स्वयं ले सके।

प्रेम और जीवन के प्रति दृष्टि

ओशो के विचारों में प्रेम को बंधन नहीं, बल्कि मुक्ति का अनुभव माना गया है। उनके अनुसार, सच्चा प्रेम नियंत्रण नहीं करता, बल्कि स्वतंत्रता देता है।उन्होंने जीवन को एक उत्सव की तरह जीने की बात कही। उनका संदेश था कि दुख और दबाव में रहने के बजाय मनुष्य को हर क्षण को आनंद के साथ जीना चाहिए।

अहंकार और मानसिक मुक्ति

ओशो की शिक्षाओं में अहंकार को दुख का मुख्य कारण बताया गया है। उनके अनुसार, जब तक व्यक्ति "मैं" की भावना से पूरी तरह मुक्त नहीं होता, तब तक वास्तविक शांति संभव नहीं है।उन्होंने सक्रिय ध्यान विधियों का भी समर्थन किया, जिनमें शरीर और मन दोनों को सक्रिय रखकर मानसिक तनाव को बाहर निकालने पर जोर दिया गया।

कैसे जुड़ती हैं ये शिक्षाएं आज के समय से

आज के तेज़ रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में ओशो की शिक्षाएं कई लोगों के लिए आत्म-चिंतन का माध्यम बन रही हैं। ध्यान और माइंडफुलनेस जैसी आधुनिक अवधारणाओं में भी उनके विचारों की झलक देखी जा सकती है।आज भी उनके संदेश का मूल भाव वही है—भीतर झांकना, जागरूक रहना और जीवन को बिना किसी भय के पूरी तरह जीना।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन मंत्र कठोर परिश्रम और अटूट विश्वास का मार्ग

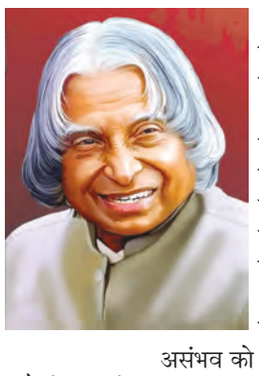

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से युवाओं को यह सिखाया कि सफलता का रास्ता सपनों से शुरू होकर परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास से होकर गुजरता है। वे मानते थे कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। उनके जीवन मंत्र न केवल व्यक्तिगत विकास का मार्ग दिखाते हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा भी देते हैं।

बड़े सपने देखो, जागते हुए सपना वही है जो आपको सोने न दे और लक्ष्य तक ले जाए।

छोटा लक्ष्य नहीं, ऊँचा उद्देश्य

जीवन का लक्ष्य बड़ा रखो—उत्कृष्टता अपने आप आदत बनती है।

मेहनत ही असली चमक है

सूरज की तरह चमकना है तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो।

असफलता = सीखने का पहला प्रयास हार अंत नहीं, बेहतर बनने की शुरुआत है।

निरंतर ज्ञान अर्जित करो

सीखते रहना ही महानता की राह खोलता है।

समय का सम्मान, कर्म में अनुशासन

समय का सदुपयोग ही स्थायी सफलता देता है।

आत्मविश्वास और समर्पण

खुद पर विश्वास रखो—समर्पित प्रयास असंभव को संभव बनाता है।

राष्ट्र पहले, मैं बाद में

व्यक्तिगत सफलता को देश की प्रगति से जोड़ो।

चरित्र और विनम्रता

ऊँचाइयों पर भी सरलता बनाए रखो—यही सच्ची महानता है।

युवा शक्ति पर भरोसा

परिवर्तन का सबसे बड़ा स्रोत युवा मन और उनका सकारात्मक दृष्टिकोण है।

अनमोल वचन

सत्य कभी छुपता नहीं, बस सही समय का इंतज़ार करता है।

सच्चाई की राह कठिन जरूर होती है, लेकिन वही आत्मसम्मान की असली पहचान है।

झूठ से मिली सफलता क्षणिक होती है, सत्य से मिली जीत जीवनभर साथ देती है।

जो व्यक्ति सत्य के साथ खड़ा रहता है, समय भी उसका साथ देता है।

सच्चाई बोलना आसान नहीं, पर यही चरित्र की सबसे बड़ी ताकत है।

सत्य का मार्ग भले ही कांटों भरा हो, पर मंज़िल हमेशा सुकून देती है।

जहाँ सत्य है, वहाँ विश्वास अपने आप जन्म लेता है।

सच्चाई इंसान को भीतर से मजबूत बनाती है।

सत्य के बिना कोई भी रिश्ता ज्यादा समय तक टिक नहीं सकता।

झूठ से बची हुई इज़्ज़त से बेहतर है सत्य से मिली छोटी सी पहचान।

सच्चाई का साथ देने वाला व्यक्ति भले ही अकेला दिखे, लेकिन उसका आत्मविश्वास उसकी सबसे बड़ी ताकत होता है।

सत्य परेशान हो सकता है, पर पराजित कभी नहीं होता।

जो लोग सच्चाई से भागते हैं, वे अंत में खुद से भी दूर हो जाते हैं।

सत्य का प्रकाश अंधेरे को चीरकर रास्ता दिखाता है।

सोमवार से रविवार तक क्या न करें?

सप्ताह के सातों दिनों का ज्योतिषीय महत्व ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सोमवार से रविवार तक हर दिन किसी न किसी ग्रह के प्रभाव में रहता है। इन ग्रहों की ऊर्जा का असर व्यक्ति के जीवन, निर्णयों और दैनिक गतिविधियों पर पड़ता है। यही कारण है कि परंपराओं में कुछ कामों को शुभ और कुछ को अशुभ माना गया है।

सोमवार: दक्षिण दिशा की यात्रा से करें परहेज चंद्रमा और भगवान शिव का दिन सोमवार को चंद्रमा और भगवान शिव का दिन माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यता है कि इस दिन दक्षिण दिशा की यात्रा करने से बचना चाहिए। कहा जाता है कि इससे काम में रुकावटें आ सकती हैं या यात्रा अपेक्षा के अनुसार सफल नहीं हो पाती। ग्रामीण इलाकों में आज भी कई लोग महत्वपूर्ण यात्रा शुरू करने से पहले दिशा और दिन का विचार करते हैं। खासकर धार्मिक या पारिवारिक कार्यों में यह परंपरा अधिक देखने को मिलती है

मंगलवार: कर्ज और बाल कटवाने से बचें मंगल ग्रह का प्रभाव मंगलवार मंगल ग्रह और भगवान हनुमान को समर्पित माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार इस दिन ऋण लेने, उधार मांगने या नया कर्ज शुरू करने से बचना चाहिए। मान्यता है कि मंगलवार को लिया गया कर्ज लंबे समय तक बना रह सकता है। इसके अलावा बाल और नाखून काटने को भी शुभ नहीं माना जाता। कई परिवारों में आज भी इस नियम का पालन किया जाता है।

बुधवार: उत्तर दिशा की यात्रा से बचने की सलाह बुध ग्रह का दिन बुधवार बुद्धि, व्यापार और संवाद के कारक बुध ग्रह का दिन माना जाता है। पारंपरिक ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस दिन उत्तर दिशा की यात्रा करने से बचना चाहिए। इसके साथ ही बेटियों की विदाई भी इस दिन टालने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि ऐसा करने से परिवार में सुख और सामंजस्य बना रहता है।

गुरुवार: समृद्धि से जुड़ा दिन बृहस्पति और भगवान विष्णु की कृपा गुरुवार को गुरु ग्रह और भगवान विष्णु का दिन माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं में इस दिन सिर धोना, भारी कपड़ों की धुलाई करना या घर से कबाड़ बाहर निकालना उचित नहीं माना जाता। कहा जाता है कि गुरु ग्रह ज्ञान, धन और सम्मान का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए इस दिन घर की सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जाता है।

शुक्रवार: धन संबंधी मामलों में बरतें सावधानी माता लक्ष्मी का प्रिय दिन शुक्रवार का संबंध शुक्र ग्रह और माता लक्ष्मी से माना जाता है। इस दिन किसी को धन उधार देने या बड़ी रकम बाहर भेजने से बचने की सलाह दी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से माना जाता है कि ऐसा करने से आर्थिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा पश्चिम दिशा की यात्रा भी इस दिन कम शुभ मानी जाती है।

शनिवार: खरीदारी में रखें विशेष ध्यान शनि देव का प्रभाव शनिवार शनि देव को समर्पित दिन माना जाता है। इस दिन लोहा, तेल, नमक और कोयला जैसी वस्तुएं खरीदकर घर लाना कई परंपराओं में अशुभ माना गया है। हालांकि आधुनिक जीवन में हर व्यक्ति इन नियमों का पालन नहीं कर पाता, लेकिन धार्मिक मान्यताओं में इनका विशेष महत्व बना हुआ है।

रविवार: सूर्य देव से जुड़ी मान्यताएं रविवार सूर्य देव का दिन माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार इस दिन तांबे की वस्तुओं की बिक्री और पश्चिम दिशा की यात्रा से बचना चाहिए। सूर्य को आत्मबल, प्रतिष्ठा और नेतृत्व का कारक माना गया है। इसलिए इस दिन सकारात्मक कार्यों, पूजा-पाठ और आत्मविश्वास बढ़ाने वाले प्रयासों पर जोर दिया जाता है।

क्या कहते हैं ज्योतिषाचार्य? ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि ये नियम पूरी तरह आस्था और परंपरा पर आधारित हैं। इन्हें जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच और ग्रहों के प्रति श्रद्धा बनाए रखने के उद्देश्य से अपनाया गया था। कई लोग इन्हें मानते हैं, जबकि कई लोग इन्हें केवल सांस्कृतिक परंपरा के रूप में देखते हैं।

खुश रहने के लिए दिखावे की जरूरत नहीं : संदीपा धर

खुद पर भरोसा न होना उस झूठ का नतीजा है, जो हमें बचपन में सिखाया गया है। हमें बताया गया है कि हम तभी बेहतर कहलाएंगे,जब हम 5 किलो वजन कम कर लेंगे, जब हमें प्रमोशन मिल... योग से मिली जीने की ताकत

आज के समय में सुंदर दिखने की होड़ ने आम लोगों से लेकर सितारों तक को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। परफैक्ट फिगर पाने के लिए डाइटिंग, जिम और खाने-पीने पर सख्त पाबंदियां अब जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं।

संदीपा धर की पिछली फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में इसी मुद्दे को दिखाया गया था। फिल्म में संदीपा ने 'नैना' नाम क लड़की का किरदार निभाया जो सोशल मीडिया और समाज के दबाव में परफैक्ट दिखने की कोशिश में अपनी असली पहचान खो देती है। संदीपा ने कहा, ₹खुद पर भरोसा न होना उस झूठ का नतीजा है, जो हमें बचपन में सिखाया गया है। हमें बताया गया है। कि हम तभी बेहतर कहलाएंगे, जब हम 5 किलो वजन कम कर लेंगे, जब हमें प्रमोशन मिल जाएगा या जब हम पूरी तरह परफैक्ट दिखेंगे। मैंने महसूस किया है कि इंसान जैसा है, वैसा पर्याप्त और पूरा है। खुश रहने के लिए किसी बाहरी दिखावे या दूसरों की मंजूरी की जरूरत नहीं है ।

कई फिल्मों और टी.वी. शोज का हिस्सा रह चुकी संदीपा अपनी फिटनैस को लेकर काफी सजग है। उसने खुलासा किया है कि कैसे समय के साथ उसका योग के साथ रिश्ता बदलता गया और मजबूत होता गया ।

संदीपा ने कहा कि पहले उसके लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज था, लेकिन अब यह उसके जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। योग ने उसे न केवल शारीरिक रूप से फिट बनाया, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी दिया है।

उसके अनुसार योग से वह खुद को जोड़ पाती है। इस बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, ₹करीब दस साल पहले मैंने योग मैट पर कदम रखा था, लेकिन उस समय मेरा मकसद वजन कम करना और फिट रहना था । मैंने पावर योग को चुना क्योंकि यह तेज, असरदार और जल्दी नतीजे देता है लेकिन उन शुरुआती योगासन से अब के बीच के समय में, योग ने मुझे बहुत-सी चीजें सिखाई हैं, जो मुझे पता ही नहीं थीं । मैं गलत तरीके से सांस ले रही थी ।

संदीपा के लिए योग अब सिर्फ शरीर को फिट बनाने का तरीका नहीं रहा। यह उसके लिए एक ऐसा जरिया बन गया है जिससे उसने सांस लेने जैसी सबसे जरूरी और बेसिक चीज SAT गहनता से सीखा है। योग के जरिए उसे खुद को पूरी तरह से वर्तमान पल में जीना सीखने में मदद मिली है।

संदीपा ने आगे कहा, यह सुनने में तो बहुत आसान लगता है, है न? लेकिन आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम सही तरीके से सांस लेना ही भूल गए हैं। योग ने न सिर्फ मेरे शरीर को संतुलित किया है, बल्कि मुझे मेरी सांस भी वापस दी है। इस तरह मुझे खुद को आज के पल में जीने की ताकत मिली। खुद को स्थिर और मजबूत महसूस करने की शक्ति मिली।" उसने कहा, "योग सिर्फ आसन करने या कैलोरी बर्न करने के बारे में नहीं है । यह खुद जुड़ने और अपने असली होने का एहसास करने के बारे में है ।

शादी में एक-दूसरे का साथ जरूरी : ज्योतिका

तमिल स्टार सूर्या इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'करुप्पु' को लेकर चर्चाओं में है, वहीं उनकी पत्नी व अभिनेत्री ज्योतिका फिल्म 'सिस्टम' में नजर आ रही है जिसमें सोनाक्षी सिन्हा भी अहम रोल में है ।

सूर्या और ज्योतिका साऊथ फिल्म इंडस्ट्री के सबसे प्यारे और पसंदीदा कपल में शामिल हैं। ज्योतिका ने 2006 में सूर्या से शादी की और एक साल बाद बेटी दीया का स्वागत किया। इसके बाद 2010 में बेटे देव का जन्म हुआ। हाल ही में ज्योतिका ने सूर्या के साथ अपने वैवाहिक रिश्ते के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि दोनों एक-दूसरे को रिश्ते में कितना समय देते हैं ?

ज्योतिका ने शादी में संतुलन के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा, "बात सिर्फ सूर्या के मुझे सहारा देने की नहीं है। बात यह भी है कि जब वह काम पर जाते हैं और मैं घर संभालती हूं, तो मैं भी उनका साथ देती हूं। मैं कम काम करना पसंद करती हूं।

'जब जरूरी होता है, तो मैं आराम करना पसंद करती हूं। जब मुझे बाहर शूटिंग के लिए जाना होता है, तो वह भी आराम करते हैं । हम दोनों में से कोई न कोई हमेशा बच्चों के साथ घर पर रहता है। इसलिए शादी में एक-दूसरे का साथ होना बहुत जरूरी है। इसे संतुलित तरीके से चलना चाहिए।

ज्योतिका ने साऊथ फिल्म इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपने काम करने के अनुभव को भी साझा किया। ज्योतिका ने दोनों फिल्म इंडस्ट्रीज में अंतर के बारे में कहा, जब मेरी पहली हिंदी फिल्म नहीं चली तो बॉलीवुड ने मेरे लिए दरवाजे बंद कर दिए लेकिन जब मेरी पहली तमिल फिल्म नहीं चली, तब भी लोगों ने मेरे काम को देखा और मुझे लगातार ऑफर्स मिले। यही सबसे बड़ा फर्क है ।

हालांकि, उसने माना कि अब बॉलीवुड में बदलाव आया है, खासकर 40 की उम्र पार कर चुकी अभिनेत्रियों के लिए जो किरदार लिखे जा रहे हैं, उनमें। उसने कहा कि अब हिंदी फिल्मों में महिलाओं के लिए बेहतर और दमदार स्क्रिप्ट्स लिखी जा रही हैं, जबकि साऊथ सिनेमा को अभी इस दिशा में और काम करने की जरूरत है।

वहीं वर्क कल्चर पर बात करते हुए ज्योतिका ने कहा कि साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में तय समय पर शूटिंग खत्म करने का नियम काफी आम है। उसने कहा, "साऊथ में ज्यादातर फिल्मों की शूटिंग शाम 6 बजे तक खत्म हो जाती है। वहां सुबह जल्दी काम शुरू होता है और शिफ्ट 7 से 6 या 9 से 6 तक चलती है। ज्योतिका ने कामकाजी मांओं की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि मां बनने के बाद महिलाओं के लिए सीमित शिफ्ट की मांग बिल्कुल जायज है।

मां ने दी थी लिव-इन में रहने की सलाह : तेजस्वी

तेजस्वी प्रकाश इस समय करण कुंद्रा के साथ अपने रिलेशनशिप के कारण सुर्खियों में है। दोनों रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' में भी काम कर रहे हैं। हाल ही करण ने इस शो में तेजस्वी को शादी के लिए प्रपोज किया और हीरे की अंगूठी पहनाई I

तेजस्वी और करण ने हाल ही अपनी शादी को लेकर बात की और रिश्ते को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया। दोनों ने बताया कि तेजस्वी की मां ने ही उन्हें शादी से पहले लिव-इन में रहने की सलाह दी थी ।

तेजस्वी और करण रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' में साथ नजर आए थे और उसी शो के दौरान उनके बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। तभी से दोनों साथ हैं और फैन्स को उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि, शादी के बजाय करण और तेजस्वी ने 'लिव-इन' में रहना शुरू कर दिया। दोनों के परिवारवालों को भी उनका रिश्ता मंजूर है।

तेजस्वी और करण ने हाल ही में अंगद बेदी- नेहा धूपिया के पॉडकास्ट में अपने रिश्ते पर बात की। करण ने बताया, इसकी मॉम ने कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है, और मुझे उसके बारे में सोचने के लिए वक्त लेना चाहिए, क्योंकि वह ठीक नहीं है । उनके पिता को हमारे रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं थी ।

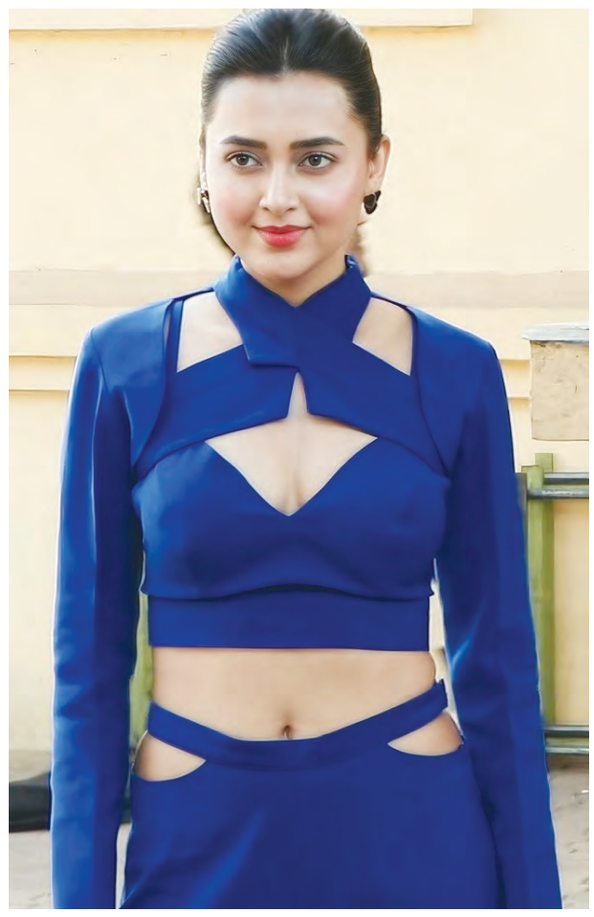

फिर तेजस्वी ने कहा, वह यह सुनिश्चित करना चाहती थीं कि करण कम्फर्टेबल महसूस करे। मेरी मां ने ही जोर दिया था कि शादी का फैसला करने से पहले हम 'लिव-इन रिलेशनशिप' में रहें। बहुत से लोग इसके खिलाफ हैं, लेकिन मेरी मां का मानना है कि हमें साथ रहकर देखना चाहिए ।

करण को परखने के लिए समय लिया

तेजस्वी ने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया, जब उसने कहा कि वह मुझे पसंद करता है, तो मुझे सच में लगा वह बहुत ईमानदार है। मैंने उसे परखने के लिए समय लिया। मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि वह जो कह रहा है उसका मतलब वही है, और उसने हर बार इसे साबित कर दिया । हमारे रिश्ते को लेकर शुरुआत से ही लोग बातें बनाते थे कि यह रिश्ता दो हफ्ते भी नहीं चलेगा लेकिन हमने यह कर दिखाया ।

मृगा उमरानिया ने शाही अंदाज से जीता दिल

राजकोट के कारोबारी घराने से ताल्लुक रखने वाली बहुमुखी प्रतिभाशाली मृगा उमरानिया अभिनय के साथ-साथ गायन में भी माहिर है। कई गानों को अपनी मधुर आवाज से सजाने के साथ ही उसने 'मंटो' और 'लाइगर' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है । मृगा को मुंबई में एक दशक से अधिक समय हो चुका है। उसका कहना है कि राजकोट में अपने परिवार से वह पहली ऐसी लड़की है जिसने फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की कोशिश की।

उसके अनुसार, "मुंबई में अब तक का सफर खट्टा-मीठा रहा है। काम देने के नाम पर कई अच्छे लोगों से भी मुलाकातें हुईं, कई बुरी नीयत वाले लोगों से भी सामना हुआ। हालांकि, मैं हमेशा पॉजिटिव रही, चुनौतियों में भी अपनी राह कैसे बनानी है उस पर ध्यान लगाती रही । मुझे पता है कि मैं आऊटसाइडर हूं तो मुझे मुंबई में वक्त लगेगा। कान्स में दिखाया जलवा मृगा की उपलब्धियों में हाल ही में और इजाफा हुआ जब उसने विश्व के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक कान्स में डेब्यू किया । मृगा ने अपने भव्य पदार्पण से वहां सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। पहली बार कान्स के प्रसिद्ध रैड कार्पेट पर उतरते ही मृगा ने अपने आत्मविश्वास, सौम्यता और आकर्षक व्यक्तित्व से वहां मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस विशेष अवसर पर मृगा ने प्रसिद्ध तुर्की फैशन डिजाइनर फौद सार्किस द्वारा तैयार किया गया अत्यंत आकर्षक परिधान पहना । कंधों से खुला हुआ यह विशेष परिधान कलात्मक डिजाइन, चमकदार वस्त्र और लंबी शाही पल्लेदार बनावट के कारण बेहद मनमोहक दिखाई दे रहा था । उसके पूरे रूप में आधुनिकता, गरिमा और शालीनता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मृगा ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि कान्स फिल्म फैस्टीवल के रैड कार्पेट पर चलना उसके जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण रहा । उसने इसे अत्यंत भावुक और अद्भुत अनुभव बताते हुए कहा कि इतने बड़े वैश्विक मंच पर स्वयं को प्रस्तुत करना उसके लिए गर्व और सम्मान की बात है। साथ ही उसने फौद सार्किस के परिधान को अपने इस विशेष अवसर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बताया ।

बोल्ड सीन्स करते हुए नर्वस थी खुशी

टी.वी. - ओ.टी. टी. पर धाक जमाने वाली खुशी दुबे हटकर रोल करने के लिए जानी जाती है। 'आशिकाना' में चिक्की चौहान के रोल से उसे घर-घर पहचान मिली। 'आशिकाना' रोमांटिक थ्रिलर सीरीज है, जिसमें जायन इबाद खान ने भी अहम किरदार निभाया था। सीरीज में दोनों की रोमांटिक कैमिस्ट्री हिट रही है । इसमें उसके कई बोल्ड और इंटीमेट सीन्स भी थे। अब खुशी ने इन सीन्स पर बात की है। उसने बताया कि वह बोल्ड सीन्स करते हुए हो गई थी।

एक इंटरव्यू में उसने कहा मैंने पहले कभी इंटीमेट सीन नहीं किया था । मैं और जायन एक- दूसरे के साथ कंफर्टेबल हो चुके थे इसलिए यह ज्यादा मुश्किल नहीं लगा । सीन शूट करने में गुल मैम ने मेरी काफी मदद की। उन्होंने कहा कि सीन कितना अच्छा होगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि सामने वाले के साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी है ।

खुशी ने कहा कि इंटीमेट सीन शूट करना चैलेंजिंग रहता है क्योंकि अपने पसंदीदा इंसान के साथ हनीमून पर जाना और 200 लोगों के सामने शूट करना दोनों चीजों में बहुत बड़ा फर्क है। उसने यह भी कहा कि 'आशिकाना' में उसका रोल काफी चैलेंजिंग रहा। ओ.टी.टी. पर यह अश्लील नहीं लग रहा था, क्योंकि लोग रोमांटिक अंदाज को काफी पसंद कर रहे थे। लेकिन टी.वी. दर्शकों के लिए यह शॉकिंग था क्योंकि टी.वी. हीरो-हीरोइन कभी किस तक नहीं करते तो टी.वी. देखने वाले फैन्स के लिए इस तरह के बोल्ड तथा इंटीमेट सीन बड़े शॉकिंग थे।

हमेशा मर्द ही गलत नहीं होता : मीरा चोपड़ा

साऊथ सिनेमा के दिग्गज एक्टर रवि मोहन और उसकी पत्नी आरती रवि के बीच चल रहा तलाक का विवाद इन दिनों सुर्खियों में है। बीते दिन रवि मोहन ने रोते हुए अपनी पत्नी और उसके परिवार पर मानसिक प्रताड़ना से लेकर 'काला जादू' करने तक के बेहद गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाए ।

इस पूरे विवाद के बीच रवि मोहन के समर्थन में प्रियंका चोपड़ा की कजिन और साऊथ फिल्मों में काम करने वाली मीरा चोपड़ा ने अपनी राय रखी है।

मीरा ने सोशल मीडिया पर एक बेहद कड़ा और बेबाक नोट शेयर किया जिसमें उसने पुरुषों का पक्ष लेते हुए कहा कि वैवाहिक विवादों में हर बार सिर्फ पुरुषों को ही कसूरवार ठहराना सही नहीं है, उन्हें भी अपनी बात रखने और न्याय पाने का पूरा अधिकार है। रवि मोहन के प्रति हमदर्दी जताते हुए मीरा ने लिखा, "मैं इस इंसान को जयराम रवि के नाम से जानती हूं। जब मैं साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही थी, तब मेरी उनसे अच्छी जान पहचान थी । हाल ही में मैंने उनके तलाक के बारे में पढ़ा। मेरा साफ मानना है कि हर शादीशुदा झगड़े में हमेशा मर्द ही गलत नहीं होता । आजकल मुझे ऐसी कई महिलाएं दिख रही हैं जो महिलाओं के पक्ष में बने कड़े कानूनों का गलत फायदा उठा रही हैं। ऐसे मामलों में मर्दों की दलीलें भी उतनी ही गंभीरता से सुनी जानी चाहिएं। मैं रवि को एक बेहद शालीन, प्यारे और सीधे-सादे इंसान के तौर पर जानती हूं।

मैं उम्मीद करती हूं कि इस लड़ाई में उन्हें सच और इंसाफ जरूर मिलेगा । कानूनी लड़ाई के बीच रवि मोहन ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ और भी बड़े खुलासे किए हैं। उसने आरती और उसके मायके वालों पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप तो लगाए ही, साथ ही अपनी गर्लफ्रैंड केनीशा फ्रांसिस के साथ ब्रेकअप की बात भी कबूल की। रवि के मुताबिक, लगातार हो रही साइबरबुलिंग और सोशल मीडिया पर मिल रही नफरत की वजह से नीशा ने उसे छोड़ दिया।

कम पैसों में ही खड़ा कर सकते हैं खुद का बिजनेस ये छोटे व्यापार बनेंगे कमाई का जरिया

आज के समय में नौकरी के साथ या बिना नौकरी के भी लोग अपना छोटा बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, लेकिन सबसे बड़ी परेशानी होती है कि शुरुआत कहां से करें. कई लोगों को लगता है कि बिजनेस शुरू करने के लिए बहुत पैसे चाहिए, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है. अगर सही प्लानिंग और मेहनत हो तो कम लागत में भी अच्छा काम शुरू किया जा सकता है. आज हम आपको ऐसे आसान बिजनेस आइडिया बताने वाले हैं.

ब्रेकफास्ट

अगर आप कम पैसों में अपना काम शुरू करना चाहते हैं, तो ब्रेकफास्ट ज्वाइंट अच्छा ऑप्शन है. सबसे पहले ऐसी जगह देखें जहां स्कूल, कॉलेज या ऑफिस ज्यादा हों. शुरुआत में ज्यादा आइटम रखने की जरूरत नहीं है, सिर्फ चाय, पराठा, पोहा या समोसा से काम शुरू करें. स्वाद अच्छा और साफ-सफाई बढ़िया रखेंगे, तो ग्राहक खुद बढ़ेंगे और धीरे-धीरे कमाई भी मजबूत हो जाएगी.

जूस

अगर आप कम निवेश में रोज कमाई चाहते हैं, तो जूस और शिकंजी काउंटर अच्छा विकल्प है. सबसे पहले भीड़ वाली जगह चुनें, जैसे मार्केट या हॉस्पिटल के पास मौसमी फलों से जूस बनाकर बेचें, ताकि लागत कम रहे. साफ-सफाई और ताजगी का ध्यान रखें.

अगर स्वाद और क्वालिटी अच्छी होगी, तो ग्राहक बार-बार आएंगे और आपकी कमाई तेजी से बढ़ सकती है.

टिफिन सर्विस

अगर आपको खाना बनाना पसंद है, तो टिफिन सर्विस से शुरुआत कर सकते हैं. पहले आसपास के ऑफिस या स्टूडेंट्स से बात करें और उनकी जरूरत समझें. कम लोगों से काम शुरू करें, ताकि क्वालिटी बनी रहे. अगर आप नई रेसिपी सिखा सकते हैं, तो कुकरी क्लास भी चला सकते हैं. यह काम भरोसे और स्वाद के दम पर आगे बढ़ता है.

फ़ोटो ग्राफी

अगर आपको फोटो खींचने का शौक है, तो इसे कमाई में बदला जा सकता है. शुरुआत छोटे इवेंट से करें, ताकि अनुभव मिल सके. अपने काम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालते रहें. इससे लोग आपके काम को देख पाते हैं. धीरे-धीरे शादी और बड़े कार्यक्रमों के ऑर्डर मिलने लगते हैं, जिससे काम का दायरा बढ़ता जाता है.

हैंडमेड

अगर आपको हाथ से चीजें बनाना पसंद हैं, तो यह काम घर से भी शुरू किया जा सकता है. पहले कम मात्रा में सामान बनाकर लोगों की पसंद समझें. आजकल ज्वेलरी, पर्स, सजावटी समान लोग बहुत खरीदते हैं. सोशल मीडिया या लोकल बाजार से बिक्री शुरू करें. डिजाइन में नए प्रयोग करते रहना इस काम की खास बात होती है. आजकल लोग यूनिक और हाथ से बनी चीजों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे कम लागत में अच्छा मुनाफा मिल सकता है.

ब्लोगिंग

अगर आपको किसी विषय पर बात करना या जानकारी देना पसंद हैं, तो ब्लॉगिंग या यूट्यूब अच्छा जरिया बन सकता है. शुरुआत में ऐसा विषय चुनें, जिसे आप लंबे समय तक कर सकें. नियमित कंटेंट डालना जरूरी होता है. शुरुआत में कम लोग जुड़ते हैं. जब दर्शक बढ़ते हैं, तो विज्ञापन और प्रमोशन से कमाई शुरू हो जाती है. आज कई लोग इससे लाखों रुपये कमा रहे हैं.

सिलाई

सिलाई और कढ़ाई ऐसा काम है, जो घर से भी शुरू किया जा सकता है. शादी विवाह और त्योहारों के सीजन में सिलाई के कपड़ों की मांग बढ़ जाती है. महिलाएं इस काम से घर बैठे अच्छी कमाई कर सकती हैं. डिजाइनर फिटिंग अच्छी रही, तो धीरे-धीरे ऑर्डर बढ़ने लगते हैं और इससे बुटीक के रूप में भी आगे बढ़ाया जा सकता है.

पुलिस भर्ती का फिजिकल टेस्ट पास करने के आसान टिप्स

अगर आपकी रनिंग अच्छी हो जाती है, तो फिर लॉन्ग जंप की प्रैक्टिस करते हैं. लगातार अभ्यास से लॉन्ग जंप कवर हो जाती है. जब गोला फेंकने की प्रैक्टिस करते हैं, तो उसके लिए भी शरीर की स्ट्रेचिंग जरूरी होती है

बचपन में ज्यादातर लोगों का सपना होता है कि वह पुलिस बनेंगे. ऐसे ही हजारों युवा इस समय मध्य प्रदेश कांस्टेबल भर्ती परीक्षा की तैयारी करने में जुटे हुए हैं और वे रोजाना अपनी फिजिकल फिटनेस को लेकर घंटों मेहनत कर रहे हैं. कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का रिटन एग्जाम हो जाने के बाद अब पूरा दारोमदार फिजिकल पर आ गया है. इसमें चाहे लड़के हों या लड़कियां, वे अधिक से अधिक समय देकर रनिंग, गोला फेंक और लॉन्ग जंप का अभ्यास करने में जुटे हुए हैं.

फिजिकल की तैयारी करते समय कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत होती है क्योंकि बिना किसी ट्रेनर के या फिर अचानक शुरू की जाने वाली फिजिकल एक्टिविटी में अलग-अलग तरह की परेशानियां देखने को मिलती हैं, जिसमें मांसपेशियों में खिंचाव, घुटनों में दर्द, कंधे में जर्क, रनिंग करते समय हांफना, रनिंग के दौरान बीच में ही मैदान छोड़ देना. इन सब परेशानियों से कैसे बच सकते हैं, साथ ही फिजिकल में ज्यादा से ज्यादा नंबर किस तरह से ला सकते हैं, एक्सपर्ट से जाने इसके लिए टिप्स।

कड़ाके की ठंड में युवा पुलिस कांस्टेबल के फिजिकल की तैयारी करने में जुटे हुए हैं. सुबह 5 बजे से ही अलग-अलग ग्राउंड में युवा तैयारी करते हुए दिखाई देने लगते हैं.

अभ्यर्थी ध्यान रखें ये बातें

राहुल पटेल ने लोकल 18 से कहा कि कोई भी अभ्यर्थी अपना फिजिकल शुरू करता है, तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि अपनी तैयारी में वह निरंतर अभ्यास करें. बिल्कुल भी रेस्ट नहीं ले. मतलब दो दिन आ गए, दो दिन नहीं आए या थोड़ा कर लिया या थोड़ा कभी और कर लिया, इस तरह से नहीं होता है. इसमें प्रॉपर एक्सरसाइज होती है, रनिंग होती है और धीरे-धीरे और लगातार करने से इनमें सुधार होता है. रनिंग शुरू करने से पहले सबसे पहले शरीर को वार्मअप करने के लिए एक्सरसाइज करनी होती है. जब आपके शरीर में स्ट्रेचिंग हो जाए, इसके बाद ही रनिंग करें. पहले रनिंग धीरे-धीरे शुरू की जाती है और फिर स्पीड बढ़ती जाती है. कभी भी कोई बच्चा रनिंग शुरू करता है, तो वह सड़क पर नहीं दौड़े, ग्राउंड से इसकी शुरुआत करे. सड़क पर दौड़ने की वजह से मांसपेशियों में खिंचाव, घुटनों में दर्द जैसी समस्याएं आती हैं.

शरीर की स्ट्रेचिंग सबसे जरूरी

उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह अगर आपकी रनिंग अच्छी हो जाती है, तो फिर लॉन्ग जंप का अभ्यास करते हैं. निरंतर अभ्यास से लॉन्ग जंप कवर होने लगता है. जब गोला फेंकने का अभ्यास करते हैं, तो उसमें भी शरीर की स्ट्रेचिंग जरूरी होती है, नहीं तो कंधा और कमर में जर्क लग जाता है. शरीर में स्ट्रेचिंग बनाए रखेंगे, तो परेशानी नहीं आती है.

7500 पदों पर भर्ती

बता दें कि 7500 पदों पर कांस्टेबल भर्ती की जानी है. नौकरी पाने के लिए करीब 10 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी होल्डर भी शामिल हैं. एक पद के लिए 1300 अभ्यर्थी दावेदार हैं. ऐसे में जो अपने वर्दी पहनने के सपने को पूरा करना चाहते हैं, उनको अधिक से अधिक मेहनत करनी होगी. ऐसा माना जा रहा है कि यह फिजिकल एग्जाम मार्च के महीने में हो सकता है.

कुल 200 नंबर का एग्जाम

पुलिस का एग्जाम 200 नंबर का है, जिसमें 100 नंबर का रिटन हो गया है और 100 नंबर का फिजिकल होना है. इसमें 40 नंबर रनिंग के लिए, 30 नंबर गोला फेंक के लिए और 30 नंबर लॉन्ग जंप के लिए मिलेंगे. रिटन और फिजिकल के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार होगी और इसी के हिसाब से पुलिस की नौकरी का सपना पूरा होगा.

बिहार के 10वीं पास होनहार छात्रों को मिलेगी 'विद्याधन छात्रवृत्ति'

पढ़ाई के लिए हर साल मिलेंगे 75 हजार रुपये तक

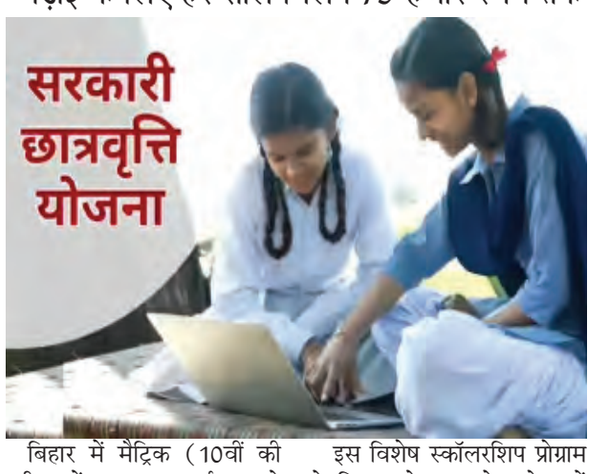

बिहार में मैट्रिक (10वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के होनहार छात्र-छात्राओं के लिए एक बेहतरीन अवसर सामने आया है। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद ने सरोजिनी दामोदरन फाउंडेशन के सहयोग से बिहार इंटरमीडिएट विद्याधन छात्रवृत्ति कार्यक्रम को राज्यभर में प्रचारित प्रसारित करने का फैसला लिया है। इस योजना का मुख्य उद्देषप उन मेधावी बच्चों की पढ़ाई को जारी रखना है. जो पैसों की तंगी के कारण आगे नहीं पढ़ पाते।

राज्य परियोजना निदेशक (एसपीडी) नवीन कुमार ने इस संबंध में बिहार के सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को दिशा निर्देश जारी करते हुए पर लिखा है। यह छात्रवृत्ति योजना आर्थिक रूप ही कमजोर परिवारों के होनहार विद्याधियों के लिए शुरू की गई है, ताकि धन के अभाव में उनकी उच्च शिक्षा न रुके। इसके तहत केवत इंटरमीडिएट ही नहीं बल्कि आगे की कॉलेज और व्यावसायिक पढ़ाई के लिए भी मेधावी छात्रों को वित्तीय मदद दी जाएगी। योजना के तहत 10वीं कक्षा के अंकों के आधार पर पोग्य छात्रों का चयन किया जाएगा। आइए जानते हैं कि इस छात्रवृत्ति के तहत छात्रों को कितनी आर्थिक मदद मिलेगी और इसकी पात्रता क्या है।

आवेदन के लिए जरूरी पात्रता एवं शर्तें

इस विशेष स्कॉलरशिप प्रोग्राम के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के लिए दो मुख्य रात तप की गई है

समान्य वर्ग : 10वीं (मेट्रिक) की परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।

दिव्यांग छात्रः इरा श्री के विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम अंकों की सीमा 60 प्रतिमात रखी गई है।

पारिवारिक आधः आवेदन करने के लिए छात्र के परिवार की कुत वार्षिक आय दो लाया रुपये से कम होनी चाहिए।

कितनी मिलेगी छात्रवृत्ति राशि?

चयनित होने वाले छात्र छात्राओं को उनकी आगे की पढ़ाई के लिए दो अलग-अलग स्तरों पर भारी वित्तीय सहायता दी जाएगी

इंटरमीडिएट (11वीं और 12वीं) के लिए 10वीं पास करने के बाद आगे की दो साल की पढ़ाई के लिए छात्रों को 10 हजार रुपये प्रतिवर्ष (कुल 20 हजार रुपये) दिए जाएंगे।

उच्च शिक्षा के लिए इंटरमीडिएट पूरा करने के बाद जब छात्र ग्रेजुएशन इंजीनियरिंग, मेडिकल या अन्य उच्च बरोसेंज में दाखिला लेंगे, तो उन्हें 20 हजार रुपये से लेकर 75 हजार रुपये प्रतिवर्ष तक की बड़ी छात्रवृत्ति राशि प्रदान की जाएगी।

बिहार सरकार और फाउंडेशन की यह संयुक्त पहत राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों के उ मेधावी बच्चों के लिए वरदान साबित होगी जो पैसों के अभाव में अपना सपना पूरा नहीं कर पाते है।

ये हैं दुनिया के सबसे कठिन मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम, नीट कितने नंबर पर

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट भारत की सबसे कठिन एंट्रेंस एग्जामा में एक मानी जाती है। नीट प्रवेश परीक्षा का आयोजन प्रतीक साल लाखों छात्रों को मेडिकत, डेंटल मायुष बीवीएससी और एएच कोर्स में प्रवेश देने के लिए किया जाता है। हर साल लाखों छात्र इस प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं ओर परीक्षा में भाग लेते हैं। इसी कारण इस परीक्षा को बेहद कठिन माना जाता है। नीट प्रवेश परीक्षा प्रलयेक वर्ष में एक बार एनटीए द्वारा आयोजित की जाती है। हाल ही में नीट 2026 का पेपर लीक हुआ। अब इसकी परीक्षा 21 जून 2026 को दोबारा आयोजित होने काती है, जिसकी तैयारी में छात्र एक बार फिर जुट गए है।

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भारत की नीट परीक्षा दुनिया की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है. या फिर अन्य देशों में डॉक्टर बनने के लिए इससे भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण परीक्षाएं देनी पड़ती हैं? चलिए आज हम आपको बताएंगे कि डॉक्टर बनने के लिए दुनिया की सबसे कठिन मेडिकल प्रवेशा परीक्षाएं कौन-कौन सी है।

1. USMLE (यूनाइटेड स्टेट्स मेडिकल लाइसेंसिंग एग्जामिनेशन) अमेरिका

अमेरिका में डॉक्टर के रूप में काम करने के लिए USMLE परीक्षा पास करना अनिवार्य है। इसे दुनिया की सबसे कठिन मेडिकल परीक्षाओं में से एक माना जाता है। यह परीक्षा तीन अलग अलग चरणों में आयोजित की जाती है और इसे पूरा करने में उम्मीदवारों को अक्सर कई साता लग जाते हैं। इस परीक्षा के जरिए उम्मीदवारों के प्रेक्टिकल नॉलेज क्लिनिकल स्किला और दबाव में सही फैसला लेने की क्षमता की बेहद कड़ाई से जांच की जाती है।

2. MCAT (मेडिकल कॉलेज एडमिशन टेस्ट) अमेरिका और कनाडा

अमेरिका और कनाडा के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए MCAT परीक्षा पास करना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा है, जिसकी अवधि सगभग 75 घंटे होती है। परीक्षा में जीव विज्ञान के साथ-साथ भौतिकी, रसायन विज्ञान, मनोविज्ञान और क्रिटिकल एनालिसिस से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। व्यापक पाठ्यक्रम और जटिल प्रश्नों के कारण इसे दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में शामिल किया जाता है।

3. NEET UG (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) भारत

भारत की नीट पूजी परीक्ष कठिनता के मामले में दुनिया के टॉप एग्जाम्मा में शामित है। इसका सबसे बड़ा कारण परीक्षा का कठिन स्तर तो है ही, लेकिन उससे भी बड़ी चुनौती इसका बेजोड़ कॉम्पिटिशन हैष हर साल 20 से 25 लाख से अधिक उम्मीदवार मुट्ठी भर सरकारी सीटों के लिए इस परीक्षा में बैठते है। महज 1-1 नंबर के अंतर से बच्चों का डॉक्टर बनने का सपना टूट जाता है।

4. PLAB (प्रोफेशनल एंड लिंग्विस्टिक असेसमेंट बोर्ड) ब्रिटेन

यूनाइटेड किंगडम (यूके) में डॉक्टर के रूप में काम करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए PLAB परीक्षा पास करना जरूरी होता है। यह परीक्षा दो चराणों में आयोजित की जाती है। पहला चरण लिखित परीक्षा का होता है, जबकि दूसरे चरण PLAB 2 में उम्मीदवारों की क्लिनिकल और व्यावहारिक क्षमता का आकलन किया जाता है। इसमें छात्रों को नकली मरीजों और वास्तविक क्लिनिकल स्थितियों के सामने रखकर परखा जाता है. जहां एक छोटी सी चुक भी फेल करा देती है। यही वजह है कि इसे काफी चुनौतीपूर्ण परीक्षा माना जाता है।

5. चेंगदू और चीन की मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं

चीन में मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं अपनी अनोखी और कठिन चपन प्रक्रिया के लिए जानी जाती हैं। चीन की अत्यधिक आबादी और वहां के टॉप मेडिकल कॉलेज में कड़े मानकों के कारण, छात्रों को चिकित्सा की पढ़ाई शुरू करने के लिए बेहद कठिन स्तर के विज्ञान और मेथमेटिकत एनालिटिकल टेस्ट से गुजरना पड़ता है, जिसका सक्सेस रेट बहुत ही कम होता है।

बिहार में स्नातक छात्रों के लिए इंटर्नशिप अनिवार्य, बिना इंटर्नशिप के नहीं मिलेगी डिग्री

बिहार के राज्यपाल सचिवालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपों 2020) के तहत राजा के सभी विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों के खातक (पूजी) छात्रों के लिए इंटर्नशिप को अनिवार्य बना दिया है। कुलाधिपति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए है।

अब बिना इंटर्नशिप पूरे किए छात्रों को डिग्री नहीं मिलेगी। इंटर्नशिप रिपोर्ट और वाइवा दौनों में 45%-45% अंक लाना होगा। मूल्यांकन कमेटी बनेगी जो रिपोर्टी और वाड्या के आधार पर मुल्यांकन करेगी। इंटर्नशिप दिशा-निर्देशों में मूल्यांकन अवधि, संस्थाओं की प्राथमिकता अदि को शामिल किया गया है। निर्देश के अनुसार इंटर्नशिप का मूल्यांकन दो स्तरों पर होगा। पहला इंटर्नशिप रिपोर्ट 70 अंक और दूसरा प्रजेंटेशन व वाड्या-वॉइस 30 अंक का होगा। छात्र को पास होने के लिए दोनों में कम ही कम 45-45 प्रतिशत अंक लाने होंगे। यदि कोई छात्र रिपोर्ट में तो 90% तो आता है, लेकिन वाड्या में 45% से कम आते है, तो वह इंटर्नशिप कोरों में फेल माना जाएगा। मूल्यांकन समिति में कलिन का एक आंतरिक सदस्य व दूसरा कॉलेज या संस्थान के बाहर का सदस्य शामिल होगा।

120 घंटे की इंटर्नशिप, सेमेस्टर 5 में मिलेंगे क्रेडिट

हर यूजी छात्र के लिए 120 घंटे (4 क्रेडिट) की इंटर्नशिप अनिवार्य कर दी गई है। यह इंटर्नशिप 4 से 6 सप्ताह में पूरी करनी होगी। इसमें री कम से कम 90 घंटे छात्र इंटर्नशिप प्रदान करने वाली संस्था में बिलाएंगे, शेष 30 घंटे रिपोर्ट लेखन और मूल्यांकन के लिए होंगे। इंटर्नशिप के क्रेडिट पांचवें सेमेस्टर में जोड़े जाएंगे।

एक्जिट से पहले भी इंटर्नशिप करना होगा पूरा

यह राबतो अहम प्रावधान है। यदि कोई छात्र निर्धारित समय में इंटर्नशिप पूरी नहीं करता है. तो वह पांचवें और उठे रोमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेगा। कोई छात्र दूसरे पा बौधे सेमेस्टर के बाद एग्जिट लेना बाहता है तो आसके लिए भी इंटर्नशिप अनिवार्य होगा।

इन संस्थाओं में कर सकते हैं इंटर्नशिप

पहली प्राथमिकता केंद्र और राज्य सरकार के विभाग दूसरी सरकारी पीएसयू तीसरी कथनीय निकायों और पंचायत, चौधी सरकारी फंडेड स्कयत्त संस्थात पांचवीं सूचीबद्ध निजी उपक्रम, छठी प्रतिहित एनजीओ और अत में एमएसएमई एवं अन्य पंजीकृत प्रतिष्ठानों को दी गई है। इंटर्नशिप मुख्य रूप से (ऑफलाइन) मोड में होगी, लेकिन छात्र स्वयं पतरा जैसे सरकारी प्लेटफॉर्म या सरकारी संस्थाओं में ऑनलाइन इंटर्नशिप भी कर सकते हैं।

इन नियमों को लागू कराने के लिए हर कॉलेज में एक इंटर्नशिप रोल बनाना अनिवार्य होगा। कॉलेज के प्राचार्य एक नौडत अधिकारी नियुक्त करेंगे। कतिज के ट्रेनिग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर (टीपीओ की ही इंटर्नशिप नोडल अधिकारी बनाने की सलाह दी गई है। इंटर्नशिप पूरी होने के 10 दिनों के भीतर आईपीओ से सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा। इसके बाद 20 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट कॉलेज के विभागाध्यक्ष को जमा करनी होगी। मूल्यांकन के बाद अंक सात दिनों में समर्थ पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।

तीन महीने में दूसरी बार महंगा हुआ घरेलू सिलिंडर

रसोई गैस के दाम 29 रुपये बढ़े

आम आदमी पर महंगाई की मार

रसोई गैस की कीमतों में हुई ₹29 की बढ़ोतरी

शहर	घरेलू सिलिंडर की कीमत
दिल्ली	₹942.00
मुंबई	₹941.50
कोलकाता	₹968.00
चेन्नई	₹957.50
पटना	₹1,031.50
जयपुर	₹945.50

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है।

नई दरें 7 जून यानी आज से लागू हो गई है। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो जाएगी।

यह पिछले तीन महीनों में दूसरी बार है जब घरेलू गैस सिलिंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 7 मार्च को प्रति सिलिंडर 60 रुपये की वृद्धि की गई थी।

क्यों बढ़ाए गए एलपीजी के दाम?

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

मार्च में की गई 60 रुपये की वृद्धि के बावजूद तेल विपणन कंपनियों को घरेलू एलपीजी बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ रहा था। ताजा संशोधन से पहले सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू एलपीजी सिलिंडर पर लगभग 703 रुपये का नुकसान हो रहा था। ऐसे में बढ़ती लागत को देखते हुए कीमतों में इजाफा करना आवश्यक माना गया।

तेल कंपनियों पर अब भी दबाव

मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुल मिलाकर 7.50 प्रति लीटर बढ़ चुकी हैं, जबकि सीएनजी करीब 6 प्रति किलो महंगी हुई है। अनुमान है कि कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 33.6 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कमर्शियल सिलिंडर के बढ़ चुके है दाम

इससे पहले 1 जून को कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में बदलाव किया गया था। नई दरों के तहत दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलिंडर की कीमत में 42 रुपये की बढ़ोतरी की गई, जबकि कोलकाता में इसके दाम 53.50 रुपये बढ़े। इसके अलावा पांच किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलिंडर की कीमत भी 11 रुपये बढ़ाई गई है। दिल्ली में अब यह सिलिंडर 821.50 रुपये में उपलब्ध होगा।

मौसम की मार... वियतनाम में चावल के दाम बढ़े

बांग्लादेश में फसल को नुकसान; भारत में दाम स्थिर है

नई दिल्ली,7 जून (एजेंसियां)। एशिया में संभावित अल नीनो के असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच वियतनाम में चावल की निर्यात कीमतों में इस सप्ताह तेजी दर्ज की गई है। वहीं, बांग्लादेश में भीषण गर्मी और फसल को हुए नुकसान के कारण कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। इसके विपरीत पर्याप्त स्टॉक और अच्छी आपूर्ति की वजह से भारत में चावल के दाम फिलहाल स्थिर हैं।

वियतनाम में बढ़ीं कीमतें

रॉयटर्स के अनुसार वियतनाम के 5% ब्रोकन (टूटे हुए) चावल की निर्यात कीमत इस सप्ताह बढ़कर 415-420 डॉलर प्रति टन हो गई, जबकि पिछले सप्ताह यह 405-410 डॉलर प्रति टन थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वियतनाम ने मई में लगभग 9.25 लाख टन चावल का निर्यात किया, जो पिछले साल की समान अवधि से 19% अधिक है। वहीं, इस साल के पहले पांच महीनों में कुल निर्यात बढ़कर 43 लाख टन पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 2.4% की वृद्धि दर्शाता है।

अल नीनो को लेकर बढ़ी आशंका

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, जून से अगस्त के बीच अल नीनो विकसित होने की संभावना 80% है, जबकि इसके नवंबर तक बने रहने की संभावना 90% आंकी गई है। वियतनाम के एक ट्रेडर ने बताया कि एशिया में अल नीनो के कारण उत्पादन प्रभावित होने की आशंका से बाजार में तेजी का माहौल है। वियतनाम पहले भी खराब मौसम की मार झेलता रहा है, इसलिए व्यापारी संभावित सप्लाई संकट को लेकर सतर्क हैं।

बांग्लादेश में हीटवेव का असर

बांग्लादेश में हल्की से मध्यम स्तर की हीटवेव के कारण चल रही धान कटाई प्रभावित हो रही है। किसानों का कहना है कि बढ़ते तापमान से फसल की पैदावार घट रही है और पौधों में तेजी से नमी की कमी हो रही है। इसके अलावा, प्री-मानसून की भारी बारिश से 2 लाख टन से अधिक चावल की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिससे आपूर्ति पर अतिरिक्त दबाव बन गया है।

भारत में कीमतें स्थिर

भारत के 5% ब्रोकन परबॉयल्ड चावल की कीमत बीते सप्ताह 337-345 डॉलर प्रति टन पर स्थिर रही। वहीं, 5% ब्रोकन व्हाइट राइस का भाव 338-344 डॉलर प्रति टन रहा। नई दिल्ली के एक निर्यातक के मुताबिक, अन्य प्रमुख निर्यातक देशों के पास सीमित अतिरिक्त स्टॉक है और वे अगले सीजन में अल नीनो के कारण उत्पादन घटने की आशंका में कीमतें बढ़ा रहे हैं। दूसरी ओर भारत में पर्याप्त उपलब्धता के कारण कीमतों में स्थिरता बनी हुई है।

थाईलैंड में भी मजबूती

थाईलैंड के 5% ब्रोकन चावल की कीमत लगभग 450 डॉलर प्रति टन रही। बैंकॉक के व्यापारियों के अनुसार, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले टूटे चावल की कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत बढ़ी है, जिससे चावल के दाम भी मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, बाजार की नजर अब अगले लगभग तीन महीनों में आने वाली नई फसल पर है, जिससे अल नीनो के वास्तविक प्रभाव का बेहतर आकलन हो सकेगा।

क्या फ्लाइट टिकट हो जाएंगे सस्ते?

सरकार के एटीएफ पर लिए फैसलों का क्या होगा असर?

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और ग्लोबल स्तर पर ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार ने बीते दिनों भारतीय एयरलाइंस को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के लिए 10,000 करोड़ रुपये की एक विशेष सहायता योजना को मंजूरी दी है. इस योजना का मकसद एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव से एयरलाइंस को बचाना है. हालांकि यात्रियों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इससे फ्लाइट टिकट सस्ते हो जाएंगे?

इस योजना का मुख्य उद्देश्य टिकटों के दाम घटाना नहीं, बल्कि अचानक होने वाली बड़ी बढ़ोतरी को रोकना है. यानी यदि भविष्य में एटीएफ की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो एयरलाइंस पर उसका असर सीमित रहेगा और यात्रियों को बहुत ज्यादा महंगे टिकट नहीं खरीदने पड़ेंगे. एक्सपर्ट्स के मुताबिक किराए में स्थायी कमी तभी संभव होगी जब एयरलाइंस के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़े, सीटों की उपलब्धता बढ़े और यात्रियों की मांग संतुलित रहे. केवल इस योजना के आधार पर टिकटों के सस्ते होने की उम्मीद करना सही नहीं होगा.सरकार की इस योजना के तहत भाग लेने वाली भारतीय एयरलाइंस को निश्चित बेंचमार्क कीमत पर जेट फ्यूल उपलब्ध कराया जाएगा. इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतों में आने वाले बड़े उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलेगी. घरेलू उड़ानों के लिए एटीएफ की बेंचमार्क कीमत 86.32 रुपये प्रति लीटर तय की गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए यह 104.49 रुपये प्रति लीटर होगी. इसके मुकाबले बाजार आधारित मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 142 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच चुकी है.

हालांकि अंतिम एटीएफ कीमत सभी एयरपोर्ट पर एक जैसी नहीं होगी. राज्य सरकारों के टैक्स, एयरपोर्ट शुल्क और अन्य चार्ज जोड़ने के बाद दिल्ली में इसकी कीमत करीब 115 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में 114.50 रुपये और चेन्नई में लगभग 139 रुपये प्रति लीटर पड़ सकती है.एटीएफ किसी भी एयरलाइन की कुल परिचालन लागत का करीब 40 फीसदी हिस्सा होता है. जब ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो यह हिस्सा 55-60 फीसदी तक पहुंच सकता है.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	वृष	में
चंद्र	कुंभ	में
मंगल	मेष	में
बुध	मिथुन	में
गुरु	कर्क	में
शुक्र	मिथुन	में
शनि	मीन	में
राहु	कुंभ	में
केतु	सिंह	में

लग्नारंभ समय	
वृष----	04-14 बजे
मिथुन---	06-14 बजे
कर्क---	08-26 बजे
सिंह---	10-39 बजे
कन्या---	12-45 बजे
तुला----	14-50 बजे
वृश्चिक---	17-01 बजे
धनु----	19-13 बजे
मकर---	21-20 बजे
कुंभ---	23-10 बजे
मीन---	00-49 बजे
मेष----	02-25 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय 05-44
सूर्यास्त. 18-44
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सोमवार **08 June 2026**
तिथि - अष्टमी **03-24** रात्रि तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - शतभिषा **09-09** तक उप पूर्वभाद्रपद
योग. - विष्कुंभ **09-28** तक उप प्रीति

विशेष: कर्के शुक्र **17-43** से पंचक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
07-21 से
08-59 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत **05-44 - 07-21** शुभ	चंचल **18-44 - 20-10** शुभ
काल **07-21 - 08-59** अशुभ	रोग **20-10 - 21-32** अशुभ
शुभ **08-59 - 10-37** शुभ	काल **21-32 - 22-54** अशुभ
रोग **10-37 - 12-15** अशुभ	लाभ **22-54 - 00-15** शुभ
उत्पात**12-15 - 13-54** अशुभ	उत्पात**00-15 - 01-37** अशुभ
चंचल **13-54 - 15-32** शुभ	शुभ **01-37 - 02-59** शुभ
लाभ **15-32 - 17-10** शुभ	अमृत **02-59 - 04-21** शुभ
अमृत **17-10 - 18-44** शुभ	चंचल **04-21 - 05-44** शुभ

गौतम अडाणी फिर एशिया में सबसे अमीर,अमेरिकी कोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद संपत्ति 10 बिलियन बढ़ी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एक महीने बाद फिर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई जोरदार तेजी के बाद उनकी नेटवर्थ बढ़कर 90 अरब डॉलर यानी करीब 8.55 लाख करोड़ रुपए हो गई है। इस उछाल के साथ उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और सॉफ्टबैंक के सीईओ मसायोशी सन को पीछे छोड़ दिया है। अडाणी अप्रैल तक एशिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन थे, लेकिन उनके शेयरों में गिरावट आने के कारण वह मई में पिछड़कर तीसरे नंबर पर आ गए थे। अडाणी के बाद दूसरे नंबर पर मुकेश अंबानी (8.43 लाख करोड़) और तीसरे पर मसायोशी सन (87 अरब डॉलर) हैं। गौतम अडाणी इससे पहले अप्रैल-2026 में भी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने थे।

अडाणी ग्रुप के शेयर, इस साल 56% तक चढ़े

हाल के दिनों में अडाणी ग्रुप के शेयरों में अच्छी

खरीदारी देखने को मिली है। इस साल 2026 में अब तक अडाणी ग्रुप के अलग-अलग शेयरों में 23% से लेकर 56% तक की शानदार तेजी आ चुकी है। शुक्रवार को ग्रुप की कंपनियों के शेयरों का हाल कुछ ऐसा रहा...अडाणी ग्रीन एनर्जी: शेयर में करीब 7% का बड़ा उछाल आया। अडाणी एनर्जी: इसके शेयर लगभग 4% तक मजबूत हुए। अडाणी एंटरप्राइजेज और अडाणी पोर्ट्स: दोनों शेयरों में 2-2% की तेजी रही। अडाणी पावर: इसमें भी 1% से ज्यादा की बढ़त रही।

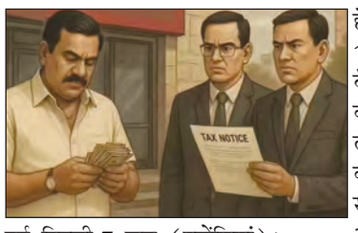

अमेरिकी कोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद संपत्ति 10 बिलियन बढ़ी

पिछले महीने अमेरिकी न्याय विभाग ने अडाणी ग्रुप के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज किए जाने के बाद से गौतम अडाणी की संपत्ति में 10 बिलियन डॉलर यानी करीब 94.95 हजार करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इससे पहले, ग्रुप पर सोलर एनर्जी सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए 25 करोड़ डॉलर की रिश्वतखोरी के आरोप लगे थे, जिससे निवेशक निवेश नहीं कर रहे थे। इससे भी पहले, साल 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर शेयरों में हेरफेर और कॉर्पोरेट इतिहास की सबसे बड़ी धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, जिससे शेयर औंधे मुंह गिर गए थे। हालांकि, पिछले साल नियामकों ने इन आरोपों को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि ये दावे साबित नहीं हो सके।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अडाणी 23वें नंबर पर

फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर लिस्ट के अनुसार, गौतम अडाणी इस समय दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनके ठीक बाद मुकेश अंबानी और मसायोशी सन का नंबर आता है। शुक्रवार को अडाणी दुनिया में दूसरे सबसे ज्यादा कमाई करने वाले रईस रहे, जिनकी संपत्ति एक ही दिन में 23.74 हजार करोड़ रुपए बढ़ गई। इस लिस्ट में पहले नंबर पर दिग्गज निवेशक वारेन बफेट रहे, जिनकी नेटवर्थ में शुक्रवार को 28.49 हजार करोड़ रुपए का उछाल आया।

इलॉन मस्क अब भी नंबर-1, गूगल के फाउंडर्स से दोगुनी संपत्ति

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में एलन मस्क का दबदबा कायम है। 77.04 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की नेटवर्थ के साथ वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। मस्क की संपत्ति दूसरे नंबर पर मौजूद गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज से दोगुनी से भी ज्यादा है। इस लिस्ट में लैरी पेज के बाद तीसरे स्थान पर ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन का कब्जा है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं । अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं ।जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे ।पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

बैंक में 1.28 करोड़ रुपये कैश जमा करना पड़ा भारी

इनकम टैक्स से मिला 44 लाख का नोटिस, आईटीएटी ने दिलाई राहत

नई दिल्ली,7 जून (एजेंसियां)। अगर आप बैंक में कैश जमा करने जा रहे हैं तो उसकी पूरी और सही जानकारी अपने पास रखें। नहीं तो आपको इनकम टैक्स का नोटिस मिल सकता है। ऐसा ही कुछ एक कबाड़ व्यापारी के साथ हुआ। इनकम टैक्स विभाग ने व्यापारी के बैंक खाते में जमा भारी-भरकम नकदी को अस्पष्टीकृत धन मानकर उस पर 44 लाख रुपये का टैक्स ठोक दिया था। मामला पुणे की आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण पहुंचा, जहां से व्यापारी को राहत मिली। कबाड़ का कारोबार करने वाले वाजीद खान जो पिछले एक दशक से अधिक समय से इस बिजनेस में हैं। विवाद वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान उनके सहकारी बैंक खाते में जमा किए गए करीब 1.28 करोड़ रुपये को लेकर था। वाजीद खान ने करीब 3 लाख रुपये की सालाना आय दिखाते हुए अपना इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया था। आयकर विभाग के इनसाइट पोर्टल ने उनके बैंक खाते में जमा 1.28 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी को पकड़ लिया, जिसके बाद धारा 147 के तहत मामले को दोबारा खोलकर जांच शुरू की गई।

कंप्यूटर वायरस ने बिगाड़ा खेल

व्यापारी वाजीद खान का तर्क था कि कबाड़ के धंधे में नकद लेनदेन बेहद आम बात है और यह पूरी रकम उनके बिजनेस की कुल बिक्री है। वे इस पर अनुमानित आधार के तहत 8% की दर से टैक्स देना चाहते थे। वाजीद आयकर अधिकारी के सामने इन नकद लेन-देन का विस्तृत रिकॉर्ड पेश नहीं कर सके। उन्होंने दावा किया कि कंप्यूटर में वायरस आने की वजह से उनकी हार्ड ड्राइव क्रैश हो गई, जिससे अकाउंटिंग का सारा डेटा और बिल डिलीट हो गए। अकाउंट बुक न होने के कारण असेसिंग ऑफिसर ने उनकी दलील को खारिज कर दिया और पूरी रकम को आयकर अधिनियम की धारा 69ए के तहत 'अघोषित आय' मान लिया। इसके बाद धारा 115बीबीई के तहत भारी जुर्माना लगाते हुए 44 लाख रुपये के टैक्स की डिमांड निकाल दी गई।

आईटीएटी में कैसे पलटा पूरा मामला?

जब यह मामला अपीलीय न्यायाधिकरण के पास पहुंचा, तो वाजीद खान ने खोए हुए रिकॉर्ड्स के बजाय अपने टैक्स इतिहास को हथियार बनाया। उन्होंने इस विवादित साल से ठीक पहले और बाद के वर्षों के टैक्स असेसमेंट रिकॉर्ड पेश किए।

शेयर बाजार में गिरावट से टॉप-10 कंपनियों को बड़ा झटका

सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में कमजोरी का असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर भी देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में गिरावट के बीच देश की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 7 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी दर्ज की गई। सबसे बड़ा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ।

एक सप्ताह में कितना गिरा शेयर बाजार?

सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 532.40 अंक यानी 0.71 प्रतिशत और निफ्टी 181.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिर गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली बाजार पर दबाव का प्रमुख कारण रही। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपये में सुधार जैसे सकारात्मक संकेत भी मिले, लेकिन मानसून की प्रगति को लेकर चिंताओं ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17.47 लाख करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 20,134 करोड़ रुपये कम होकर 7.95 लाख करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल को 18,736 करोड़ रुपये, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को 16,880 करोड़ रुपये और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 14,610 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। वहीं बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में 9,681 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में 5,909 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, तीन कंपनियों ने बाजार में बढ़त हासिल की। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 12,692 करोड़ रुपये बढ़कर 9.02 लाख करोड़ रुपये हो गया।

दुनिया की 10 सबसे ताकतवर करेंसी

अमेरिका का नाम टॉप-5 में भी नहीं, इन मुस्लिम देशों ने मारी बाजी

नई दिल्ली,7 जून (एजेंसियां)। हाल ही में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले नए रिकॉर्ड लो लेवल तक फिसल गया, जो शुक्रवार को 94.94 के लेवल पर बंद हुआ। यानी इस समय 1 डॉलर 94.95 रुपये के बराबर है। मगर इसके बावजूद डॉलर दुनिया की सबसे पावरफुल करेंसी नहीं है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती है कि डॉलर दुनिया की टॉप 5 करेंसियों की लिस्ट में भी शामिल नहीं है। जी हां, आपने सही पढ़ा। आप सोच रहे हैं कि फिर किन देशों की करेंसी मजबूत हैं। आइए बताते हैं। इस लिस्ट में कुवैती दीनार नंबर 1 पर है। इस समय 1 कुवैती दीनार 3.23 डॉलर के बराबर है। वहीं भारतीय करेंसी से तुलना करें, तो 1 कुवैती दीनार इस समय 308.47 रुपये पर है। कुवैती दीनार दुनिया की सबसे पावरफुल करेंसी है। कुवैत, बहरीन और ओमान की अर्थव्यवस्था काफी हद तक तेल और प्राकृतिक गैस के निर्यात पर टिकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल का कारोबार अमेरिकी डॉलर में होता है, इसलिए इन देशों को भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा मिलती है।

8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर बढ़ा तो कांप जाएगा सरकारी खजाना

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग को लेकर विचार-विमर्श तेज हो गया है। वहीं केंद्रीय कर्मचारी संगठनों ने वेतन संशोधन के लिए अपनी मांगें रखनी शुरू कर दी हैं। हालांकि, कर्मचारी संगठन जहां एक तरफ उच्च फिटमेंट फैक्टर की वकालत कर रहे हैं, वहीं विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सरकार के लिए इस भारी-भरकम बढ़ोतरी को संभालना एक बड़ी चुनौती होगी। मौजूदा समय में सरकार को 50.14 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और लगभग 69 लाख पेंशनभोगियों के खर्च का प्रबंधन करना होता है। एक्सपर्ट के अनुसार सरकार के सामने असली चुनौती सिर्फ सैलरी बढ़ाना नहीं है, बल्कि इसके साथ जुड़े पेंशन योगदान में होने वाली भारी बढ़ोतरी है। नेशनल पेंशन सिस्टम और यूनिफाइड पेंशन सिस्टम जैसी अंशदायी योजनाओं के कारण सरकारी खजाने पर पहले ही बड़ा बोझ है। फिटमेंट फैक्टर वह गुणक होता है, जिसका उपयोग सरकार वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करते समय केंद्रीय कर्मचारियों के मूल वेतन को संशोधित करने के लिए करती है। पिछले यानी 7वें वेतन आयोग में 2.57 का फिटमेंट फैक्टर लागू करके न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये तय किया गया था। लगभग 32-33 लाख केंद्रीय कर्मचारी एनपीएस के दायरे में हैं। इसमें कर्मचारी अपने मूल वेतन और डीए का 10% योगदान देते हैं, जबकि केंद्र सरकार 14% का योगदान देती है। सरकार इस मद में हर महीने करीब 3,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही है। नई यूपीएस व्यवस्था के तहत सरकार का योगदान बढ़कर 18.5% हो जाएगा। उदाहरण के लिए अगर किसी कर्मचारी का मूल वेतन 40,000 रुपये है, तो सरकार को हर महीने 6,660 रुपये का अतिरिक्त योगदान देना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि फिटमेंट फैक्टर में महज 2% की मामूली बढ़ोतरी भी सरकार के खर्च को बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ा देगी। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने अंशधारकों की ओर से मेमोरेंडम सौंपने की आखिरी तारीख को बढ़ाकर 15 जून 2026 कर दिया है।

प्रदेशाध्यक्ष लायक नहीं, राज्यसभा में गए पूनियां- अलका मुझसे डिजर्विंग, राजेंद्र राठौड़ के मन में क्या ?

जयपुर/चूरू, 7 जून (एजेंसियां)। बीजेपी की ओर से राजस्थान राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और वरिष्ठ महिला नेत्री अलका गुर्जर को उम्मीदवार बनाया गया है। लेकिन इन सबके बीच सियासी गलियारों में टिकट दावेदारों की चर्चा में शामिल रहे बड़े नेता राजेंद्र राठौड़ की खूब सुर्खियों में है। टिकट ना मिलने के बाद पार्टी नेताओं और सियासी जानकारों के बीच यह चर्चा भी होने लगी है कि आखिर राठौड़ की पार्टी में आने वाले दिनों में क्या भूमिका रहेगी ? इन सब सवालों का जवाब के बीच वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ का बड़ा बयान भी सामने आया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है।

दरअसल, एक मीडिया इंटरव्यू में राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि भाजपा हमेशा 'योग्य में से योग्यतम' का चयन करती है और

इस बार भी वही हुआ है। उन्होंने कहा कि सतीश पूनिया ने प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए भाजपा सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि अलका गुर्जर का भी संगठन में लंबा संघर्ष और उल्लेखनीय योगदान रहा है। राठौड़ ने पार्टी का समर्थन करते हुए कहा कि, 'दोनों उम्मीदवार मुझसे अधिक डिजर्विंग हैं, जिनका चयन होना चाहिए था, उन्हीं का हुआ है और मैं इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हूं।₹

राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से राजेंद्र राठौड़ को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की दौड़ में भी माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने इस संभावना को भी पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, 'मुझे किसी पद की कोई अभिलाषा नहीं है। सच कहूं तो प्रदेशाध्यक्ष जैसे पद के लिए भी मैं स्वयं को उपयुक्त नहीं मानता। संगठनात्मक भूमिका जिस स्तर की सक्रियता मांगती है, उस प्रकार की भूमिका मैंने कभी नहीं निभाई।'

पश्चिम बंगाल चुनाव में निभाई गई भूमिका पर पूछे गए सवाल पर भी राठौड़ ने विनम्रता दिखाई। उन्होंने कहा कि उनका योगदान 'गिलहरी के योगदान से भी कम' था और जीत का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और स्थानीय नेतृत्व को जाता है। हालांकि बता दें कि पश्चिम बंगाल जीत के दौरान बंगाल के नए सीएम सुवेंदु अधिकारी ने मंच से राजेंद्र राठौड़ की मैनेजमेंट की तारीफ करने के साथ उनका बड़ा योगदान बताया था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा टिकट नहीं मिलने के बावजूद राजेंद्र राठौड़ की यह संयमित प्रतिक्रिया भाजपा में अनुशासन और संगठन सर्वोपरि होने का संदेश देती है। वहीं उनके 'मैं प्रदेशाध्यक्ष के योग्य नहीं' वाले बयान ने राजस्थान भाजपा की भविष्य की राजनीति को लेकर नई चर्चाओं को भी जन्म दे दिया है।

इबोला का खतरा टला, युगांडा की महिला की रिपोर्ट निगेटिव; स्वास्थ्य विभाग को बड़ी राहत

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में इबोला जैसे लक्षण मिलने के बाद अस्पताल में भर्ती कराई गई युगांडा की एक महिला की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। महिला को एहतियात के तौर पर आइसोलेशन में रखा गया था और उसके सैंपल जांच के लिए पुणे की विशेष प्रयोगशाला भेजे गए थे। रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस ली है।

राजस्थान लोक स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, युगांडा से पर्यटक के रूप में राजस्थान पहुंची महिला में इबोला जैसे लक्षण दिखाई दिए थे। इसके बाद उसे जयपुर के आरयूएचएस अस्पताल में भर्ती कराया गया और सावधानी के तौर पर आइसोलेशन वार्ड में रखा गया। महिला के स्वास्थ्य की निगरानी के साथ उसके सैंपल जांच के लिए पुणे स्थित विशेष प्रयोगशाला भेजे गए थे।

स्वास्थ्य विभाग को पुणे से प्राप्त जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि महिला इबोला वायरस से संक्रमित नहीं है। रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद अधिकारियों ने राहत जताई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

इस बीच गुरुवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी एक संदिग्ध मामला सामने आया। सूडान से आए एक यात्री को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान बुखार पाया गया। इसके बाद एयरपोर्ट स्वास्थ्य अधिकारियों ने उसे अलग कर सिकंदराबाद स्थित गांधी अस्पताल भेज दिया। गांधी अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार मरीज के सैंपल लेकर जांच के लिए सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) भेजे गए हैं।

इबोला के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। सरकार ने कहा है कि इन देशों में इबोला संक्रमण के मामलों को देखते हुए सतर्कता बरतना जरूरी है।

कांगो और युगांडा में इबोला बीमारी के प्रकोप को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम 2005 के तहत 17 मई 2026 को इस स्थिति को ₹पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न₹ घोषित किया था।

अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने भी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में फैल रहे बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के मौजूदा प्रकोप को ₹पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ कॉन्टिनेंटल सिक्योरिटी₹ घोषित किया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर सतर्कता और निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

कैबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने फिर दी इस्तीफा देने की चेतावनी

डिपार्टमेंट की टीम पर 20 लाख की रिश्वत के आरोपों से हैं आहत

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में कृषि विभाग की टीम और स्थानीय बीज व्यवसायियों के बीच उपजा गंभीर प्रशासनिक गतिरोध अब पूरी तरह से राज्य स्तर पर एक बड़े राजनीतिक संग्राम में तब्दील हो चुका है। सांवली रोड पर हुई झड़प, राजकार्य में बाधा और व्यापारियों द्वारा विभागीय टीम पर लगाए गए 20 लाख रुपए की भारी-भरकम रिश्वत के आरोपों पर अब सीधे कैबिनेट कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मोर्चा संभाल लिया है। अपनी बेबाक कार्यशैली और कड़े फैसलों के लिए पहचाने जाने वाले मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इस पूरे विवाद पर अपनी पहली तीखी और बेहद गंभीर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

कैबिनेट मंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर बेहद सख्त लहजे में अपनी बात रखी और भारतीय जनता पार्टी राजस्थान और मुख्यमंत्री कार्यालय को भी टैग कर दिया। मंत्री के इस बयान के बाद पूरे प्रदेश के प्रशासनिक अमले और राजनीतिक हल्कों में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या सीकर का यह स्थानीय बीज विवाद अब सरकार के भीतर एक नया संकट पैदा कर सकता है, क्योंकि किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी पुरानी रवायत के मुताबिक एक बार फिर से सीधे तौर पर पद छोड़ने की बड़ी चेतावनी दे डाली है। सीकर में जिला कृषि आदान विक्रेता संस्थान और विकास सीड्स के संचालकों द्वारा कृषि विभाग के कर्मचारियों पर लगाए गए मानसिक प्रताड़ना और अवैध वसूली के गंभीर आरोपों को कृषि मंत्री ने सिरे से खारिज कर

दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए साफ किया कि उनकी टीम किसी भी तरह के गलत काम में लिप्त नहीं थी, बल्कि वे राज्य के गरीब किसानों की फसलों को बर्बाद होने से बचाने के लिए अपनी आधिकारिक ड्यूटी निभा रहे थे।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी पोस्ट में लिखा, ₹नकली बीज माफियाओं के खिलाफ हमारी टीम ने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्रवाई की। झूठे आरोप लगाकर किसानों की लड़ाई को कमजोर नहीं किया जा सकता। यदि भ्रष्टाचार का एक भी आरोप सिद्ध हो जाए तो पद छोड़ दूँगा। लेकिन किसानों के हितों से समझौता कभी नहीं होगा। मंत्री के इस कड़े रुख से यह पूरी तरह साफ हो गया है कि वे सीकर में जांच करने गई विभागीय टीम के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और व्यापारियों के दबाव के आगे झुकने के मूड में बिल्कुल भी नहीं हैं।

सीकर के व्यापारियों ने जिस तरह से कृषि विभाग के कर्मियों पर 20 लाख रुपए की घूस मांगने के संगीन आरोप लगाए हैं, उसे मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने एक सुनियोजित साजिश करार दिया है। उन्होंने इस मुद्दे पर अपने आत्मसम्मान और ईमानदारी की दुहाई देते हुए सरकार और जनता के सामने एक बेहद बड़ी शर्त रख दी है जो उनके स्वभाव के पूरी तरह अनुकूल मानी जाती है।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने दो टूक शब्दों में कहा, ₹यदि मेरे विभाग या मेरी टीम के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप कानूनी और तथ्यात्मक रूप से सिद्ध हो जाए, तो मैं उसी क्षण अपना कैबिनेट मंत्री का पद छोड़ दूँगा। लेकिन इसके साथ ही मैं यह भी पूरी तरह साफ कर देना चाहता हूँ कि चंद रसूखदार लोगों के दबाव में आकर राजस्थान के करोड़ों किसानों के हितों से समझौता कभी नहीं होगा।

मंत्री का यह सीधा बयान इस बात का संकेत है कि वे इस पूरे मामले की किसी भी स्तर की जांच के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उन्हें अपनी टीम की ईमानदारी पर पूरा भरोसा है। इस पूरे सियासी और प्रशासनिक घमासान को गहराई से समझने के लिए इस विवाद के जमीनी बैकग्राउंड को जानना बेहद आवश्यक है। दरअसल, यह पूरा मामला 4 जून को सीकर जिले के सांवली चौराहे के पास स्थित एक होटल और बीकानेर बाईपास पर संचालित विकास सीड्स और बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज के गोदामों से शुरू हुआ था।

मालिक के 54.5 लाख रुपए देखकर डगमगाया ईमान

रिश्तेदारों के साथ मिलकर रची ऐसी कहानी कि खुद ही फंस गया

बीकानेर, 7 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में 54.5 लाख रुपए की लूट का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। लूट की वारदात की कहानी बीकानेर के एक व्यक्ति ने ही रची थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित वारदात में शामिल छह लोगों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 50 लाख रुपए की नकदी भी बरामद कर ली गई है।

दिल्ली के उत्तरी जिला डीसीपी राजा बंटिया के अनुसार, 26 मई को बीकानेर निवासी वासुदेव ने लाहौरी गेट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह शास्त्री नगर में अपने रिश्तेदार राजेंद्र उर्फ राजू के पास रहता है, जो मनी ट्रांसफर का काम करता है। मालिक ने उसे 54.5 लाख रुपए से भरा बैग चांदनी चौक के कुचा घासीराम में पहुंचाने के लिए दिया था। फतेहपुरी के एसपीएम रोड टी-प्वाइंट पर दो लड़कों ने वासुदेव पर हमला कर उसकी शर्ट फाड़ दी और मोबाइल व पैसों से भरा बैग लूटकर भाग गए।

महंत देवानंद हत्याकांडः 20 मिनट में वारदात को दिया अंजाम, दूसरे संत को कमरे में बंद किया, फिर खून से लथपथ मिले महंत

पुलिस की दो टीमों ने घटनास्थल और आसपास के 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

फुटेज में सामने आया कि जब आरोपी बैग छीन रहे थे तो वासुदेव ने कोई विरोध नहीं किया और न ही भागने की कोशिश की। इससे पुलिस को शक हुआ। पूछताछ में वासुदेव ने कबूल किया कि वह पिछले छह महीने से अपने रिश्तेदार राजू के यहां काम कर रहा था।

इतनी बड़ी रकम देखकर उसने अपने चचेरे भाई पुरुषोत्तम, जो बीकानेर में रहता है और फोटोग्राफर दोस्त रामनिवास के साथ मिलकर लूट की झूठी कहानी रचने की साजिश रची। रामनिवास ने अपने साथी फोटोग्राफर मनोज मोटसर और कमल भारती को भी इसमें शामिल कर लिया।

पुलिस ने पहले वासुदेव को गिरफ्तार किया, फिर अन्य आरोपियों की तलाश में राजस्थान और उत्तराखंड में छापेमारी की। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पुरुषोत्तम को राजस्थान के जालोर से दबोचा गया।

कमल भारती को बीकानेर के फतोगुरा से और मनोज मोटसर को बीकानेर के रानीसर से गिरफ्तार किया गया। मनोज के पास से 16 लाख रुपए बरामद हुए। वहीं, रामनिवास को नागौर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 34 लाख रुपए मिले।

चेंजिंग रूम में सुराख, आईफोन से बना लेता था वीडियो

सेल्समैन के फोन में मिले कई महिलाओं के क्लिप

झुंझुनूं, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के चिड़ावा कस्बे से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, जिले के चिड़ावा कस्बे के मैन मार्केट स्थित एक रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान के चेंजिंग रूम में कथित तौर पर महिला ग्राहक का वीडियो बनाने की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। मामला सामने आते ही बाजार में भारी भीड़ जुट गई और लोगों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा।

कस्बे के नजदीकी क्षेत्र की एक महिला अपने पति और बच्चों के साथ खरीदारी के लिए चिड़ावा आई थी। कपड़े पसंद करने के बाद महिला ट्रायल के लिए चेंजिंग रूम में गई। आरोप है कि उसी दौरान दुकान संचालक का पोता शाहरुख मणियार चेंजिंग रूम की छत में बने एक सुराख से आईफोन के जरिए वीडियो बना रहा था। महिला को हरकत पर शक हुआ तो उसने तुरंत अपने पति को इसकी जानकारी दी। पति मौके पर पहुंचे तो आरोपी युवक कथित रूप से मोबाइल में वीडियो देखते हुए मिला। इसके बाद मोबाइल छीन लिया गया और पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी के आईफोन में महिलाओं के कपड़े बदलते समय के कई आपत्तिजनक फोटो और तीन वीडियो मिले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये फोटो और वीडियो पिछले तीन दिनों के दौरान रिकॉर्ड किए गए थे। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है और डिजिटल फॉरेंसिक जांच की तैयारी की जा रही है।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना सामने आने के बाद दुकान मालिक ने करीब आधे घंटे तक मामले को दबाने का प्रयास किया। कथित तौर पर दंपती को पैसों का लालच दिया गया और बदनामी का डर दिखाकर समझौते का दबाव बनाया गया। हालांकि पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद मामला खुलकर सामने आ गया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसका मोबाइल जब्त कर लिया गया है और दुकान पर ताला लगाकर चाबी पुलिस ने अपने कब्जे में ले ली है। मामले की जांच सुलताना थाना प्रभारी को सौंपी गई है।

घटना की खबर फैलते ही मैन मार्केट रोड पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित लोगों ने करीब आधे घंटे तक सड़क पर धरना देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। स्थिति को देखते हुए इलाके के डीएसपी विकास धींधवाल ने जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर पिलानी, सुलताना, सूरजगढ़, मंडेला सहित जिले के कुल पांच थानों का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया।

हौद में डूबने से 3 चचेरे बहन-भाइयों की मौत

जोधपुर, 7 जून (एजेंसियां)। मथानिया क्षेत्र के मांडियाई खुर्द गांव में ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे गांव को गम में डुबो दिया। खेलते-खेलते खेत में बने जल होद के पास पहुंचे तीन मासूम बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई। शाम तक जिन बच्चों की किलकारियां गांव में गूंज रही थीं, कुछ ही घंटों बाद उनकी अंतिम यात्रा निकली। एक साथ तीन बच्चों की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों की चीख-पुकार सुन हर आंख नम हो गई।

मथानिया थानाधिकारी कैलाशी के अनुसार, शाम को बच्चे घर के पास खेल रहे थे। इसी दौरान वे खेत में बने जल संग्रहण होद के

निकट पहुंच गए। आशंका है कि खेलते समय संतुलन बिगड़ने से तीनों बच्चे होद में गिर गए और गहरे पानी में डूब गए। होद की गहराई करीब पांच से आठ फीट बताई जा रही है।

हादसे में लक्ष्मी (14) पुत्री पुखराज सियोल, राधेश्याम (8) पुत्र तिलाराम सियोल और रोहित (7) पुत्र ताजाराम सियोल की मौत हो गई। रोहित खेतासर गांव का रहने वाला था और इन दिनों अपनी बुआ के घर मांडियाई खुर्द आया हुआ था।

जब बच्चे काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। शाम करीब चार बजे बच्चों के होद में गिरने की सूचना मिली। ग्रामीणों और परिजनों ने तत्काल तलाश कर तीनों को बाहर निकाला और तिंवरी अस्पताल पहुंचाया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

लक्ष्मी और राधेश्याम का मांडियाई गांव, जबकि रोहित का खेतावास गांव में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। हादसे के बाद ग्रामीणों ने खेतों में बने खुले जल होदों के आसपास सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने की मांग उठाई है।

उनका कहना है कि ऐसे होद गांवों में बच्चों के लिए लगातार जानलेवा साबित हो रहे हैं। रोहित तिलाराम के साले ताजाराम का पुत्र था। घर से 200 मीटर दूर खेत में बनी पानी के होद में यह हादसा हुआ। पुखाराम और तिलाराम सगे भाई हैं।

नागौर पुलिस की जयपुर में रेड, आईटी कंपनी की आड़ में चल रहे क्रिकेट सट्टे का नेटवर्क उजागर

नागौर, 7 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की नागौर जिला पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ एक बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। नागौर पुलिस की जांच टीम ने राजधानी जयपुर के वैशाली नगर इलाके में चल रही एक कंपनी के कार्यालय पर छापा मारकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के एक बहुत बड़े नेटवर्क को उजागर किया है। यह नेटवर्क साधारण तरीके से नहीं, बल्कि एक पेशेवर सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी की आड़ में बेहद संगठित रूप से संचालित किया जा रहा था।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, इस नेटवर्क का जाल केवल नागौर या जयपुर तक ही सीमित नहीं था, बल्कि पूरे राजस्थान के अलग-अलग जिलों में इसके सटोरियों की पूरी चेन सक्रिय थी। नागौर पुलिस ने इस मामले में तकनीकी उपकरणों को जब्त करने के साथ-साथ आईटी एक्सपर्ट्स को भी अपने रडार पर लिया है। पुलिस इस सिंडिकेट के वित्तीय लेन-देन और इसमें शामिल अन्य बड़े सटोरियों की कुंडली खंगालने में जुटी है। इस ऑपरेशन की कमान नागौर की प्रशिक्षु आईपीएस अदिति उपाध्याय ने संभाली। उन्होंने आधिकारिक तौर पर बताया कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के इस बड़े मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम को कुछ ऐसे पुख्ता इनपुट और तकनीकी साक्ष्य मिले थे, जिससे यह साफ हो गया था कि इस सट्टा रैकेट की मुख्य कमान जयपुर से संभाली जा रही है।

जांच में सामने आया कि जयपुर के वैशाली नगर में संचालित सेनेरियन आईटी सोल्यूशन नाम की कंपनी का पूरा नेटवर्क राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में फैला हुआ है। यह कंपनी ऑनलाइन गैंबलिंग और क्रिकेट मैचों पर दांव लगाने के लिए विशेष प्रकार की वेबसाइट्स और कस्टमाइज्ड मोबाइल एप्लीकेशन तैयार करती थी। इसके बाद सटोरियों और ग्राहकों को सट्टा खेलने के लिए गुप्त आईडी और पासवर्ड बांटे जाते थे। यह बहुत बड़े स्तर का डिजिटल रैकेट है।

पानी की टंकी का बिल पास करने के बदले छह लाख की रिश्वत मांगी, 3 अभियंताओं पर मामला दर्ज

नागौर, 7 जून (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले के नावां क्षेत्र में पानी की टंकी निर्माण कार्य का बिल पास करने के एवज में लाखों रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दो सहायक अभियंताओं (एईएन) और एक कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसीबी के अनुसार संवेदक से बिल भुगतान के बदले पहले छह लाख रुपए की रिश्वत मांगी गई थी, बाद में सौदा पांच लाख रुपए में तय होने की बात सामने आई। नागौर एसीबी चौकी एएसपी कल्पना सोलंकी ने बताया कि संवेदक से रिश्वत मांगने की शिकायत पर एसीबी काफी समय से अभियंताओं को ट्रेप करने की कोशिश कर रही थी। जांच के दौरान उनके पास रिश्वत मांगने से संबंधित कॉल रिकॉर्डिंग भी पहुंची, जिसके आधार पर मांग का सत्यापन किया गया। जांच में पीएचईडी की एईएन शांति देवी, जेईएन सतवीर तथा तत्कालीन प्रोजेक्ट जेईएन आशीष मीणा की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच अजमेर चौकी के सीआई नरेन्द्र सिंह को सौंपी गई है। एसीबी एएसपी सोलंकी ने बताया कि रिश्वत मांगने की शिकायत पर सितंबर 2025 में एईएन शांति देवी और जेईएन सतवीर के खिलाफ रिश्वत मांगने का सत्यापन किया गया था। वहीं निर्माण कार्य के दौरान प्रोजेक्ट जेईएन रहे आशीष मीणा का सत्यापन 27 जनवरी 2026 को किया गया। वर्तमान में आशीष मीणा मकराना में एईएन के पद पर कार्यरत हैं। एसीबी ने आरोपियों को रंगे हाथों पकडने के लिए 3 और 4 फरवरी को ट्रैप की कार्रवाई के लिए जाल बिछाया था, लेकिन अभियंताओं को इसकी भनक लग गई।

पिता की दोस्ती से नाराज बेटों ने महिला की हत्या की रची साजिश, फिर हुआ खुलासा

हनुमानगढ़, 7 जून (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जंक्शन क्षेत्र में महिला की हत्या के चर्चित मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो सगे भाई भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मृतका और एक व्यक्ति के बीच परिचय एवं बातचीत को लेकर आरोपियों में नाराजगी थी, जिसके चलते वारदात को अंजाम दिया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जंडावाली निवासी मनोज खान उर्फ फौजी, रफीक खान उर्फ रफी, अकरम, इमरान खान उर्फ कालू और जफर हुसैन के रूप में हुई है। सभी आरोपी जंडावाली गांव के रहने वाले हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतका मंजीत कौर और रमजान खान के बीच परिचय था। रमजान खान के बेटे मनोज खान और रफीक खान इस संबंध से नाराज थे। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर महिला पर हमला करने की योजना बनाई। एसपी ने बताया कि घटना में चिश्तियां निवासी मंजीत कौर की मौत हो गई थी, जबकि रमजान खान घायल हो गया था।

पुलिस के अनुसार, 4 जून को मृतका के पति जसवंत सिंह ने जंक्शन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी मंजीत कौर 3 जून को रिश्तेदारी में जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। अगले दिन सूचना मिली कि श्रीगंगानगर रोड स्थित अग्रसेन चौक के पास कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

असफलताएं सफलता की सीढ़ी होती हैं : शिव प्रताप शुक्ल

राज्यपाल ने बोवरामपेट में आईआरए यूनिवर्सल स्कूल का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रविवार को मेडचल-मलकाजगिरि जिले के बोवरामपेट स्थित आईआरए यूनिवर्सल स्कूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, सांसद ईटेला राजेंद्र, विधान परिषद सदस्य अंजी रेड्डी, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रभारी कुलपति डॉ.जे. अनुराधा तथा आईआरए यूनिवर्सल स्कूल के अध्यक्ष डॉ.एम. मल्ला रेड्डी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में जीवन कौशल और नैतिक मूल्यों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक ज्ञान, वैश्विक कौशल और सुदृढ़ नैतिक मूल्यों के समन्वय से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि असफलताएं सफलता की सीढ़ियां होती हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक दीपक की भूमिका निभाएं, जबकि अभिभावकों को निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग प्रदान करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कौशल और संस्कारों से युक्त विद्यार्थी ही भविष्य के सशक्त भारत की नींव बनेंगे।

उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा, संस्कार, कौशल विकास और सामाजिक जिम्मेदारी का समन्वय अत्यंत आवश्यक है तथा इस दिशा में सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

जग्गा रेड्डी ने बच्चों को दी प्रोत्साहन की सौगात

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी के नेतृत्व में बच्चों के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम लगातार चरणबद्ध तरीके से जारी है। अब तक 400 बच्चों को साइकिलें वितरित की जा चुकी हैं, जबकि शनिवार को एक और चरण में 210 बच्चों को साइकिलें प्रदान की गईं। यह कार्यक्रम बच्चों में उत्साह, स्वास्थ्य और पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। स्थानीय पीएसआर गार्डन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जग्गा रेड्डी ने स्वयं प्रत्येक बच्चे को साइकिल सौंपी।

इस अवसर पर 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं को विशेष रूप से साइकिलें वितरित की गईं। कार्यक्रम में पहले टोकन प्राप्त कर चुके बच्चों को साइकिलें दी गईं। वहीं जग्गा रेड्डी ने स्पष्ट किया कि जिन बच्चों को इस चरण में साइकिल नहीं मिल पाई है, उनके लिए आगामी चरण में वितरण किया जाएगा।

जहीराबाद बुलेट ट्रेन डीपीआर में नहीं : के. कविता

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की नेता के. कविता ने रविवार को सवाल उठाते हुए कहा कि जहीराबाद में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है, जबकि यह परियोजना विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में शामिल ही नहीं है। संगारेड्डी दौरे के दौरान आयोजित 'फ्लैग फेस्टिवल' कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने पोथिरेड्डीपल्ली चौराहे से तेलंगाना तल्लि प्रतिमा तक रैली का नेतृत्व किया और वहां पार्टी का झंडा फहराया।

इस दौरान उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया। कविता ने कहा कि जब परियोजना का डीपीआर में कोई उल्लेख ही नहीं है, तो आखिर किस आधार पर ज़मीन अधिग्रहण किया जा रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर मेदक सांसद रघुनंदन राव और बीआरएस नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने पूर्व सिंचाई मंत्री हरीश राव पर निशाना साधते हुए कहा कि जब सिंचाई परियोजना सिंगूर में संरचनात्मक क्षति के संकेत दिखाई दे रहे थे, तब मरम्मत के लिए एक भी रुपया जारी नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य बनने के बाद भी परियोजना की अनदेखी की गई और 2016 से 2018 के बीच सूखने के बावजूद कोई सुधार कार्य नहीं हुआ। कविता ने यह भी सवाल किया कि सिंगूर परियोजना क्षेत्र में 200 एकड़ भूमि पर कथित अतिक्रमण के मुद्दे पर बीआरएस और भाजपा नेता चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि यह जमीन मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के बहनोई द्वारा कथित रूप से कब्जे में ली गई है।

उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में टीआरएस (बीआरएस) फिर से सत्ता में लौटेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि उनकी सरकार आने पर मुफ्त बिजली और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं दी गईं तो जनता उन्हें जवाबदेह ठहरा सकती है। कविता ने संगारेड्डी की राजनीति को रोचक बताते हुए जग्गा रेड्डी, रघुनंदन राव, दामोदर राजनरसिम्हा और हरीश राव जैसे नेताओं की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अलग-अलग दलों से होने के बावजूद ये सभी नेता मिलीभगत की राजनीति कर रहे हैं।

गिरिराज मंदिर कोठी के निकट विशा मोड़ गौ भुजा समाज वाड़ी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में परम पावन पुरुषोत्तम मास अधिक मास के उपलक्ष्य में व्यासपीठ पर पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने कथामृत का रसपान कर रहे भगवत भक्तगण।

आगामी विधानसभा चुनाव में बीआरएस को जिताने का आह्वान : तलसानी

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं विधानसभा में बीआरएस के उपनेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने रविवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सैनिकों की तरह मेहनत करें ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में गोशामहल क्षेत्र में गुलाबी झंडा (बीआरएस का झंडा) लहराया जा सके। उन्होंने यह बात तेलंगाना भवन में गोशामहल विधानसभा क्षेत्र की बीआरएस बैठक को संबोधित करते हुए कही, जहां क्षेत्र प्रभारी नागेंद्र गौड़ की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में किसी भी प्रकार की लॉबिंग या पक्षपात की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि केवल वही कार्यकर्ता सम्मान और पहचान के हकदार होंगे जो मेहनत करते हैं और जिनका जनता में समर्थन है। तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में गोशामहल क्षेत्र में अनेक विकास कार्य हुए हैं, जिनमें डबल बेडरूम मकानों का निर्माण, 10 करोड़ रुपये की लागत से फिश मार्केट, नालों का निर्माण और ड्रेनेज समस्याओं का समाधान शामिल है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे 24 तारीख से शुरू होने वाले विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम पर सतर्क रहें और यह सुनिश्चित करें कि कोई अवैध मतदान न हो। साथ ही उन्होंने 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं का पंजीकरण कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस बार पार्टी का सदस्यता अभियान डिजिटल माध्यम से चलाया जा रहा है, इसलिए नेताओं और कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर सदस्यता अभियान को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डोर-टू-डोर अभियान के दौरान जनता को यह भी बताया जाए कि कांग्रेस सरकार ढाई साल बाद भी अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है और जनता को धोखा दिया गया है। तलसानी ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद सभी वर्गों को निराश किया गया है और मुख्यमंत्री के पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है, इसलिए वे केसीआर के खिलाफ अनावश्यक बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर के दस वर्षों के कार्यकाल में राज्य में अनेक विकास और कल्याणकारी योजनाएं लागू की गईं, जो देश के लिए एक उदाहरण बनीं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा कथित रूप से अभद्र भाषा के प्रयोग की भी आलोचना की और कहा कि इससे उच्च पद की गरिमा को ठेस पहुंचती है। बैठक में वरिष्ठ बीआरएस नेता गद्दम श्रीनिवास यादव, महेंद्र सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करीमनगर ज्वैलरी लूट मामले में बड़ी कार्रवाई

दो पिस्तौल बरामद, एक और आरोपी गिरफ्तार

करीमनगर, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में पीएमजे ज्वैलरी शॉप में हुई बड़ी डकैती के मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल की गई दो पिस्तौलें बरामद की हैं, जिन्हें वेल्चाला बाईपास रोड के पास झाड़ियों में छिपाया गया था। पुलिस के अनुसार, ये हथियार आरोपियों ने वारदात के बाद भागते समय वहां छिपा दिए थे। इस बरामदगी से मामले की जांच में अहम सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। करीमनगर पुलिस आयुक्त गौश आलम ने बताया कि रघुनाथ कर्माकर और रविश कुमार की निशानदेही पर पुलिस टीम ने झाड़ियों में तलाशी अभियान चलाया, जिसके दौरान दो पिस्तौलें बरामद की गईं। इसके अलावा जगतियाल जिले के बुग्गराम मंडल स्थित एक वन क्षेत्र से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

इस मामले में पुलिस ने पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चार दिन की हिरासत में लिया था। इनमें मुख्य आरोपी के साथ सुबोध सिंह, रघुनाथ कर्माकर और रविश कुमार शामिल हैं। रविवार को इन्हें अदालत में पेश किया गया। जांच के दौरान आरोपियों को घटनास्थल पर भी ले जाया गया, जहां उन्होंने कुछ स्थानों की पहचान कराई। पुलिस के अनुसार, आरोपी वारदात से पहले एक निजी लॉज में ठहरे थे और ग्रामीण रास्तों से होकर करीमनगर पहुंचे थे। लूट के बाद आरोपियों ने कथित तौर पर सोने-हीरे के आभूषणों और अन्य चोरी की गई संपत्ति को अलग-अलग स्थानों पर छिपा दिया था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि अब तक पूरी संपत्ति बरामद नहीं हो पाई है और आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। एक आरोपी रघुनाथ कर्माकर ने पहले गुंडाला वन क्षेत्र में चोरी का सामान छिपाने की बात कही थी, लेकिन बाद में उसने अपना बयान बदल दिया, जिससे जांच और जटिल हो गई है। पुलिस ने अदालत में आरोपियों की हिरासत बढ़ाने की याचिका दायर की है, ताकि मामले की गहन जांच की जा सके और बाकी चोरी की गई संपत्ति बरामद की जा सके। इसी बीच पुलिस ने बिहार के पटना जिले के सलीमपुर से एक अन्य आरोपी अमर सिंह उर्फ पहलवान को भी गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

संगठित अपराध पर नियंत्रण को लेकर उठे सवाल

स्पा सेंटरों पर कार्रवाई में बड़ा खुलासा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद, साइबराबाद, मलकाजगिरि और फ्यूचर सिटी कमिश्नरेटों में संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर पुलिस व्यवस्था की समन्वित रणनीति की कमी पर सवाल उठने लगे हैं। कुछ पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस समन्वय की कमी के कारण आपराधिक गिरोह आसानी से एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में अपना काम स्थानांतरित कर रहे हैं। हाल ही में मलकाजगिरि कमिश्नरेट पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर चारों जोन में संचालित 113 स्पा केंद्रों की जांच की। इस दौरान नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए और कुल 46 आपराधिक केस दर्ज किए गए।

जांच में यह सामने आया कि कई स्पा केंद्र बिना आवश्यक अनुमति और लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित हो रहे थे। पुलिस को कुछ स्थानों पर ऐसे गुप्त कमरे भी मिले, जहां पारदर्शी कांच के दरवाजे और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, चार स्पा केंद्रों में मसाज की आड़ में अनैतिक गतिविधियां भी संचालित हो रही थीं। मलकाजगिरि पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब भी किसी एक कमिश्नरेट में सख्त कार्रवाई होती है, तो संबंधित संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद कर दूसरे कमिश्नरेट में शिफ्ट कर लेते हैं, जिससे उनकी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना मुश्किल हो जाता है। अधिकारी के अनुसार, इस समस्या का समाधान सभी कमिश्नरेटों के बीच बेहतर समन्वय से ही संभव है। उन्होंने कहा कि स्पा सेंटरों की आड़ में चल रही अवैध गतिविधियों से युवाओं पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और कई स्थानों पर नशीले पदार्थों के सेवन की भी जानकारी मिली है।

पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि हालिया विशेष अभियान के बाद कई स्पा सेंटर संचालक मलकाजगिरि क्षेत्र छोड़कर अन्य इलाकों में अपना कारोबार स्थानांतरित करने की योजना बना रहे हैं, ताकि कार्रवाई से बचा जा सके। एक अन्य अधिकारी के अनुसार, अपराधी और अवैध कारोबार करने वाले लोग पुलिस की अलग-अलग कार्यप्रणालियों का फायदा उठाकर चारों कमिश्नरेटों में अपनी गतिविधियां जारी रखते हैं। उनका कहना है कि यदि एकीकृत रणनीति अपनाई जाए, तो ऐसे नेटवर्क पर अधिक प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकता है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के अवैध कारोबार पर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय बढ़ाकर ऐसे नेटवर्क को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा।

पब से चल रहे कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के कुकटपल्ली जोन में एक गुप्त अभियान के दौरान एक पब से कथित वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ किया गया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व डीसीपी, आईपीएस अधिकारी रीति राज ने किया, जिन्होंने सादे कपड़ों में मौके पर पहुंचकर पूरी स्थिति का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार, डीसीपी रीति राज शनिवार शाम एक आम सॉफ्टवेयर कर्मचारी के रूप में पब में दाखिल हुईं और अकेले ही केपीएचबी स्थित किंग्स एंड क्वींस पब में जाकर गतिविधियों पर नजर रखी। उन्होंने अंदर की गतिविधियों के वीडियो भी रिकॉर्ड किए और अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। इसके बाद उनके संकेत पर पुलिस टीम ने पब में छापेमारी की और चार महिलाओं सहित कुल नौ लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें संकेत मिले थे कि पब के अंदर अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया कि प्रबंधन द्वारा कथित रूप से ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा था। साथ ही पब में नाबालिगों के प्रवेश को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में यह भी पाया गया कि पब निर्धारित समय से अधिक देर तक संचालित हो रहा था और इसके पास आवश्यक पुलिस अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में बीएनएस और पीआईटीए अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। कुकटपल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर एस. राजा शेखर रेड्डी ने बताया कि पहले भी इस पब के खिलाफ नियम उल्लंघन के मामले दर्ज किए जा चुके हैं। पिछले वर्ष इसके खिलाफ तीन अलग-अलग केस दर्ज हुए थे। पुलिस ने कहा है कि शहर में ऐसे प्रतिष्ठानों पर निगरानी और सख्त की जाएगी ताकि अवैध और अनैतिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

अल्पसंख्यक युवाओं के लिए मेगा जॉब मेला

कई क्षेत्रों में मिलेंगे रोजगार के अवसर

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम (टीजीएमएफसी) द्वारा अल्पसंख्यक युवाओं के लिए एक मेगा जॉब मेले का आयोजन 9 जून 2026 को हैदराबाद के नमपल्ली स्थित रेड रोज पैलेस में किया जाएगा। इस रोजगार मेले का उद्देश्य राज्य के अल्पसंख्यक समुदाय के बेरोजगार युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। जानकारी के अनुसार, इस भर्ती अभियान का उद्घाटन अल्पसंख्यक एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद आज़हरुद्दीन करेंगे। इस कार्यक्रम में आईटी, बैंकिंग, वित्त, स्वास्थ्य सेवाएं, निर्माण, लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी और कस्टमर सर्विस जैसे क्षेत्रों की लगभग 40 से 50 प्रतिष्ठित कंपनियों के भाग लेने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल योग्य उम्मीदवारों को सीधे नियोक्ताओं से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। राज्यभर के इच्छुक और पात्र युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया गया है। टीजीएमएफसी के चेयरमैन मोहम्मद आब्दुल्ला कोठवाल ने कहा कि यह जॉब मेला नौकरी चाहने वालों और उद्योग जगत के बीच की दूरी को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अब्दुल्लापुरमेट में तीन दुकानों में चोरी

छत तोड़कर नकदी और सामान ले गए बदमाश

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके अब्दुल्लापुरमेट में शनिवार रात चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश दुकानों की छत में छेद कर अंदर घुसे और नकदी सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना अब्दुल्लापुरमेट रोड स्थित तीन दुकानों में हुई। चोरों ने सुनसान रात का फायदा उठाते हुए दुकानों की छत को तोड़ा और अंदर प्रवेश किया।

इसके बाद उन्होंने दुकानों में रखी नकदी और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की जानकारी रविवार सुबह उस समय हुई जब दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। दुकान के अंदर सामान बिखरा हुआ देखकर और नकदी व अन्य वस्तुएं गायब मिलने पर उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाने के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। अधिकारियों का मानना है कि चोरों ने पहले से रेकी कर वारदात को अंजाम दिया हो सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के बीच स्थानीय व्यापारियों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

टीजी20 प्लेयर ऑक्शन का भव्य आगाज़

तेलंगाना क्रिकेट में नए युग की शुरूआत

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना क्रिकेट ने रविवार को एक नए युग में प्रवेश किया, जब प्रिंसेस कन्वेंशन सेंटर, रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित उद्घाटन टीजी20 प्लेयर ऑक्शन की औपचारिक शुरूआत हुई। यह आयोजन राज्य की प्रमुख फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इस ऑक्शन में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) से जुड़े 1,300 से अधिक खिलाड़ियों के पूल से चयन किया गया, जिसमें फ्रेंचाइजी टीमों ने आइकन, ए+ और ए श्रेणियों के खिलाड़ियों पर बोली लगाकर अपनी टीमें मजबूत कीं। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, अनुभवी घरेलू क्रिकेटरों और उभरते जिला स्तरीय खिलाड़ियों की भागीदारी ने लीग को एक बड़े मंच के रूप में स्थापित किया।

आइकन श्रेणी के प्रमुख खिलाड़ी :

टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा इस ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जिन्हें मेदक फाल्कन्स ने 33 लाख रुपये में खरीदा। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को वारंगल वॉरियर्स ने 14 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। सी.वी. मिलिंद सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने, जिन्हें अन्विता खम्मम एसेस ने 17 लाख रुपये में खरीदा। अन्य प्रमुख आइकन खिलाड़ियों में रवि किरण (पलामुरु स्ट्राइकर्स), टी. रवितेजा (मेदक फाल्कन्स), तनय त्यागराजन (प्रणव रंगा रेड्डी रिसर्स), राहुल बुद्धी (अनुराग नलगोंडा नाइट्स), तन्मय अग्रवाल (करीमनगर डायमंड्स) और रोहित रायदु (पलामुरु स्ट्राइकर्स) शामिल रहे।

ए+ श्रेणी के प्रमुख चयन :

इस श्रेणी में अमन राव (वारंगल वॉरियर्स), प्रग्नय रेड्डी (पलामुरु स्ट्राइकर्स), अजय देव गौड़ (हैदराबाद ई-चैम्पियंस), नितिन साईं यादव, एरॉन जॉर्ज और रक्षन्न रेड्डी जैसे खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजी ने भरोसा जताया और अपनी कोर टीम को मजबूत किया।

ए श्रेणी के उभरते खिलाड़ी :

उभरते हुए खिलाड़ियों पर भी फ्रेंचाइजी ने जमकर दांव लगाया। इस श्रेणी में अर्फाज अहमद और अभिरथ रेड्डी संयुक्त रूप से 11-11 लाख रुपये के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। इसके अलावा चंदन सहानी (करीमनगर डायमंड्स), प्रणव वर्मा (हैदराबाद ई-चैम्पियंस) और हिम तेजा (अन्विता खम्मम एसेस) अन्य प्रमुख चयन रहे। ऑक्शन का संचालन प्रसिद्ध स्पोर्ट्स एंकर और ऑक्शनियर चारु शर्मा ने किया। इस दौरान फ्रेंचाइजी मालिक, टीम प्रतिनिधि और लीग के अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना के करीब पहुंचा मानसून

48 घंटे में दक्षिणी जिलों में प्रवेश की संभावना

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से तेलंगाना की ओर बढ़ रहा है और अगले 48 घंटों के भीतर राज्य के दक्षिणी जिलों में इसके प्रवेश की संभावना जताई जा रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार नारायणपेट, जोगुलम्बा गद्वाल और नागरकर्नूल जैसे जिलों में मानसून सबसे पहले दस्तक दे सकता है। आईएमडी के बुलेटिन के मुताबिक मानसून इस समय आंध्र प्रदेश के अनंतपुर तक पहुंच चुका है और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 3 से 4 दिनों में यह प्रणाली महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना के कुछ हिस्सों को भी कवर कर सकती है।

अधिकारियों के अनुसार, यदि मौसम की परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो मानसून का औपचारिक आगमन 8 से 11 जून के बीच होने की संभावना है। इसके बाद यह 2 से 3 दिनों के भीतर पूरे तेलंगाना को कवर कर सकता है। अनुमान के अनुसार, ग्रेटर हैदराबाद में मानसून 11 से 12 जून के बीच पहुंच सकता है, जबकि पूरे राज्य में इसका प्रभाव 15 से 18 जून तक पूरी तरह स्थापित हो सकता है। हालांकि, मौसम विशेषज्ञों ने इस बार मानसून की प्रगति को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। कुछ स्वतंत्र मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शुरूआती तेजी के बाद मानसून की गति धीमी पड़ सकती है। उनका मानना है कि बंगाल की खाड़ी की शाखा कमजोर रहने और संभावित अल नीनो प्रभाव के कारण बारिश का वितरण असमान रह सकता है। इस बीच आईएमडी ने राज्य के कई जिलों में पूर्व-मानसून गतिविधियों की चेतावनी भी जारी की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पेपर लीक...

सूत्रों के अनुसार, समिति ने यह भी पूछा कि स्कैलिंग रिजॉल्यूशन की न्यूनतम आवश्यकता 300 डीपीआई से घटाकर 200 डीपीआई क्यों की गई। समिति ने यह भी पूछा कि बड़े प्रोजेक्ट संभालने का अनुभव (प्रति प्रोजेक्ट कम से कम 5 लाख छात्रों से जुड़ा कार्य) रखने की शर्त हटाकर कई परियोजनाओं की कुल उत्तर पुस्तिका संख्या के आधार पर अनुभव मान्य करने का प्रावधान क्यों किया गया।

नीट पेपर लीक...

वहीं, एनटीए इस समय 21 जून को होने वाले री-टेस्ट की तैयारी भी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ बदलाव अभी से लागू किए जा चुके हैं। इसके तहत नए सब्जेट एक्सपर्ट्स को जोड़ा गया है। साथ ही पेपर छपने के बाद उसके ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज सिस्टम को और सुरक्षित बनाने पर भी काम चल रहा है।

रिजिजू ने कहा कि लाखों छात्रों को नीट दोबारा देने की नौबत आई और सीबीएससी की मार्किंग गड़बड़ियों से भी परेशानी हुई। ऐसे मामलों में सरकार की जिम्मेदारी समस्या को ठीक करना है, न कि उससे बचना। उन्होंने भरोसा जताया कि उठाए गए कदम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री या उसके स्टाफ पर सीधे भ्रष्टाचार, रिश्वत या गलत काम का आरोप हो तो इस्तीफे की मांग जायज होती है, लेकिन नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री पर ऐसा कोई सीधा आरोप नहीं है।

नीट ने कहा कि परीक्षा की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं और परीक्षा निष्पक्ष तरीके से कराई जाएगी। एजेंसी ने छात्रों से अफवाहों पर भरोसा न करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की अपील की है। साथ ही, ऐसे फर्जी मैसेज और पोस्ट फैलाने वाले अकाउंट्स व चैनलों की पहचान की जा रही है। एनटीए उनकी जानकारी सोशल मीडिया कंपनियों और साइबर क्राइम एजेंसियों को दे रही है, ताकि उन्हें हटाया जा सके। एजेंसी ने ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई के लिए शिकायत भी दर्ज कराई है।

बता दें कि इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में दाखिला मिलता है, जिसमें एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। भी देश में लगभग 1 लाख से अधिक एमबीबीएस और 27000 से अधिक बीडीएस सीटें हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियन बना

महिला टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया, रिकॉर्ड छठा टाइटल जीता

मडगांव (गोवा), 7 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने 7 साल बाद साउथ एशियन फुटबॉल चैंपियनशिप जीत ली है। उसने फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हराया। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार यह टूर्नामेंट जीता है।

गोवा के मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारत के लिए प्यारी जाख्सा, सनफिदा नोंगरुम और लिंडा कोम सेर्तो ने एक-एक गोल किया। बांग्लादेश के लिए रितु पोर्ना ने इकलौता गोल किया।

भारत की ओर से प्यारी जाख्सा ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में रितु पोर्ना चकमा ने गोल कर बांग्लादेश को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में सनफिदा नोंगरुम ने शानदार हेडर लगाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद भारतीय टीम ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। 82वें मिनट में लिंडा कोम सेर्तो ने बांग्लादेशी डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर तीसरा गोल दागा और भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

मेजबान भारत पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा। टीम ने सभी चार मुकाबले जीते, 18 गोल किए और केवल एक गोल खाया। मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश की लगातार तीसरी बार खिताब जीतने की उम्मीद भी टूट गई।

फाइनल के बाद भारतीय खेमे में जश्न का माहौल रहा। अनुभवी खिलाड़ी डांगमेई ग्रेस ने इसी मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया। उन्होंने 2013 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 95 इंटरनेशनल मैच खेलने के बाद अपने करियर का अंत एक और SAFF खिताब के साथ किया।

टूर्नामेंट के अवॉर्ड्स में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। अवेका सिंह चार गोल के साथ शीर्ष स्कोरर रहीं। सनफिदा नोंगरुम को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर चुना गया और पंथोई चानू एलांगबाम को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार मिला। नेपाल को फेयर प्ले अवॉर्ड दिया गया।

भारतीय महिला टीम ने 4x100 मीटर रिले रेस में जीता स्वर्ण

बाधा दौड़ में तेजस को मिला रजत

ताइपे सिटी (ताइवान), 7 जून (एजेंसियां)। भारत की महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर श्रेणी की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया। इस दौरान, भारतीय टीम ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया और वियतनाम पर 0.31 सेकेंड के आसान अंतर से जीत हासिल की। वियतनाम दूसरे स्थान पर रहा।

रिले में जीत के अलावा, भारत को फील्ड इवेंट्स में भी सफलता मिली जिसमें शैली सिंह ने महिलाओं की लंबी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने 6.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और अपने प्रतियोगी से आगे रहीं। उन्होंने मीट में भारत को मेडल टैली में एक और गोल्ड जोड़ा।

भारत के तेजस शिरसे ने भी ट्रैक पर प्रभावित किया और मेन्स 110 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता। कड़े मुकाबले के बीच तेजस ने बेहतरीन दौड़ लगाई और दूसरे स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने बाधा दौड़ स्पर्धा में अपनी लगातार प्रगति को भी जारी रखा। तेजस ने पहले नेशनल चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीता था। उनका गोल्ड जीतने का टाइम 13.50 सेकेंड था। उन्होंने 13.61 सेकेंड के अपने ही मीट रिकॉर्ड में सुधार किया, लेकिन वह कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए, क्योंकि इसके लिए निर्धारित क्वालिफिकेशन समय 13.39 सेकेंड था।

इससे पहले, भारतीय महिला रिले टीम ने भी अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां भारत ने रिकॉर्ड 19 मेडल जीते। विमेंस 4x100 मीटर रिले ने भी 45.05 सेकेंड के टाइम के साथ सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। टीम के सदस्य काजल हीराभाई वाजा, भावना जी, आरती और निपम रहे। भारतीय पुरुषों की 4x400 मीटर रिले टीम ने भी 3:07.38 के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया, लेकिन 3:05.54 के समय के साथ टीम तीसरे स्थान पर रही। टीम के सदस्य पीयूष राज, सैयद सबीर, रंजीत कुमार एस और मोहम्मद अशफाक रहे।

भारत ने तीसरा अंडर-18 हॉकी एशिया कप जीता

जापान को 4-1 से हराया; आशीष की लगातार दूसरी हैट्रिक; महिला टीम को ब्रॉन्ज मिला

टोक्यो, 7 जून (एजेंसियां)। भारत ने तीसरी बार अंडर-18 हॉकी एशिया कप जीत लिया है। टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन जापान को फाइनल में 4-1 से हरा दिया। इससे पहले भारत ने 2001 और 2016 में टाइटल अपने नाम किया था।

जापान के काकामिगाहारा में अशिष तानी पुर्ती ने हैट्रिक लगाई। कप्तान केतन कुशवाहा ने भी एक गोल किया। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में भी आशीष ने हैट्रिक लगाते हुए 4 गोल किए थे। वहीं पाकिस्तान ने मलेशिया को हराकर तीसरा स्थान पक्का किया। दूसरी ओर विमेंस टीम ने साउथ कोरिया को 3-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस कैटेगरी में चीन ने गोल्ड अपने नाम किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरुष और महिला दोनों भारतीय U-18 हॉकी टीमों को एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने महिला टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने शानदार जुझारूपन दिखाया। यह उपलब्धि भारतीय महिला हॉकी की बढ़ती ताकत और खिलाड़ियों की अपार क्षमता को दर्शाती है। पुरुष टीम को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का प्रदर्शन किया, जिसका परिणाम फाइनल में यादगार जीत के रूप में सामने आया।

खिताब जीतने के बाद हॉकी इंडिया ने मेंस टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन-तीन लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को डेढ़ लाख रुपए देने का ऐलान किया। इसी दिन ब्रॉन्ज जीतने वाली भारतीय महिला टीम के खिलाड़ियों को एक-एक लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ को 50 हजार रुपए देने की घोषणा भी की गई।

आशीष को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह 17 गोल के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। गोलकीपर आयुष रजक को टूर्नामेंट का बेस्ट गोलकीपर चुना गया। महिला प्रतियोगिता में भारत की नौशीन नाज 12 गोल के साथ टॉप स्कोरर रहीं। आशीष तानी पुर्ती ने दूसरे, 28वें और 34वें मिनट में गोल किए। केतन कुशवाहा ने 30वें मिनट में गोल दागा। जापान के लिए एकमात्र गोल नुमादा गाकु ने 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

पहले 90 सेकंड के भीतर भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला और अशिष ने उसे गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में जापान ने दबाव बनाया और अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर सका। इसके बाद 28वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और आशीष ने स्कोर 2-0 कर दिया।

भारत ने बढ़त को और मजबूत करते हुए हाफ टाइम से ठीक पहले तीसरा गोल किया। कप्तान केतन कुशवाहा ने 30वें मिनट में गोल कर भारत को 3-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। 34वें मिनट में आशीष ने हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

आखिरी क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की। 52वें मिनट में नुमादा गाकु ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर अंतर 4-1 कर दिया। इसके बाद जापान को तीन और पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस ने कोई और गोल नहीं होने दिया और टीम ने खिताब अपने नाम कर लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत 451 रन से आगे

पहली पारी 564/8 पर घोषित की, दूसरे दिन अफगानिस्तान का स्कोर 113/5

सुथार को 3 विकेट

न्यू चंडीगढ़, 7 जून (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट की पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित की। रविवार को न्यू चंडीगढ़ में दूसरे दिन के स्टंप्स तक अफगानिस्तान की टीम 5 विकेट पर 113 रन बना पाई। रहमत शाह 43 रन पर नाबाद लौटे। भारत पहली पारी के आधार पर 451 रन से आगे है।

भारत के लिए डेब्यू कर रहे मानव सुथार ने 3 विकेट लिए। उन्होंने रहमानुल्लाह गुरबाज, अब्दुल मलिक और अफसर जजई को पवेलियन भेजा। प्रसिद्ध कृष्णा ने कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी और सेदीकुल्लाह अटल के विकेट लिए। मैच का स्कोरबोर्ड

कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 126 रन बनाए। ओपनर केएल राहुल ने 100 रन की पारी खेली। ऋषभ पंत और साई सुदर्शन ने 81-81 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 और कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे।

डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार ने 28, यशस्वी जायसवाल ने 24 और ध्रुव जुरेल ने 19 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 12 गेंदों पर 22 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सफी ने 6 विकेट लिए। जियाउर रहमान और हश्मतुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला।

टीम इंडिया ने दूसरे दिन 368/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया। गिल ने 103 और पंत ने 50 रन से पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 169 रनों की साझेदारी की। गिल अपनी पारी में 23 और पंत 31 रन जोड़ सके। चंडीगढ़ टेस्ट में डेब्यू करने वाले भारतीय लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार ने मैच में अपने पहले ही ओवर में विकेट ले लिया। उन्होंने अपने पहले ओवर की चौथी गेंद पर अफगानिस्तान के ओपनर अब्दुल मलिक को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच कराया।

मानव डेब्यू टेस्ट के पहले ओवर में विकेट लेने वाले सातवें भारतीय बने हैं। उनसे पहले आखिरी बार यह कारनामा निलेश कुलकर्णी ने किया था। कुलकर्णी ने 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच की पहली ही गेंद पर मार्वन अटापट्टू का विकेट लिया था।

शमी ने बंगाल टी-20 लीग में हैट्रिक ली

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने राढ़ टाइगर्स को 24 रन से हराया

कोलकाता, 7 जून (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल टी-20 लीग सीजन 3 में हैट्रिक ली। ईडनगार्डन्स में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स और राढ़ टाइगर्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में मोहम्मद शमी ने हैट्रिक लेकर अपनी टीम सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स को 24 जीत दिलाई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने विशाल भाटी की 86 रनों की ताबड़तोड़ पारी की मदद से 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 208 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में राढ़ टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। सिलीगुड़ी के लिए शमी ने 27 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि करण लाल ने 36 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

मैच के 16वें ओवर में मोहम्मद शमी ने ओवर की चौथी गेंद पर शाहबाज अहमद को आउट किया। इसके बाद अगली ही गेंद (पांचवीं गेंद) पर रोहित कुमार को पवेलियन का रास्ता दिखाया। ओवर की आखिरी यानी छठी गेंद पर दीपांजन मुखर्जी को आउट कर शमी ने अपनी हैट्रिक पूरी की। शमी ने अपने 4 ओवर के कोटे में कुल 27 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।

इससे पहले सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की शुरुआत बेहद मजबूत रही। टीम के बल्लेबाज विशाल भाटी ने मैदान के चारों तरफ शॉट खेले। विशाल ने महज 46 गेंदों का सामना करते हुए 86 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 5 चौके लगाए। पारी के आखिरी ओवरों में प्रमोद चंदीला ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। प्रमोद ने सिर्फ 16 गेंदों पर नाबाद 36 रन ठोककर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया।

209 रनों के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हालांकि, शुभम डे सीनियर ने 25 गेंदों में 48 रन और राहुल प्रसाद ने 26 गेंदों में 44 रनों की पारी खेलकर मैच को संभाला, लेकिन शमी और करण लाल की कसी हुई गेंदबाजी के सामने टीम लक्ष्य से 24 रन दूर रह गई। राढ़ टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 184 रन ही बना पाई।

इंग्लैंड लॉर्ड्स टेस्ट जीतने से 5 विकेट दूर

न्यूजीलैंड को 199 रन की जरूरत; बारिश की वजह से तीसरे दिन स्टंप्स हुआ

लंदन, 7 जून (एजेंसियां)। लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। बारिश की वजह से दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 55 रन बनाए हैं। उसे जीत के लिए 199 रन और बनाने हैं। इंग्लैंड को जीत के लिए 5 विकेट चाहिए। डेवोन कॉन्वे 19 और टॉम ब्लंडेल 2 रन बनाकर नाबाद लौटे।

254 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की दूसरी पारी लड़खड़ा गई। कप्तान टॉम लैथम खाता खोले बिना आउट हुए, जबकि केन विलियमसन 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रचिन रवींद्र (8) और डेरिल मिचेल (0) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके।

दिन के खेल में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। गस एटकिंसन और ओली रॉबिन्सन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि जोश टंग को 1 सफलता मिली।

इंग्लैंड की दूसरी पारी 226 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में 27 रन की बढ़त के दम पर मेजबान टीम ने न्यूजीलैंड के सामने 254 रन का टारगेट रखा। इंग्लैंड के लिए एमिलियो गे ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए।

जेमी स्मिथ ने 39 और ओली रॉबिन्सन ने 29 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की ओर से नाथन स्मिथ ने 70 रन देकर 6 विकेट झटके। विलियम ओ' रूक ने 2 और काइल जैमीसन और मैट हेनरी ने 1-1 विकेट लिया।

पहले टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। इंग्लैंड की पहली पारी 140 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक ने 71 गेंदों में 56 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमीसन ने 5 और नाथन स्मिथ ने 3 विकेट लिए। जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी सिर्फ 113 रन पर सिमट गई। टीम ने 12 रन तक अपने चार विकेट गंवा दिए थे। ग्लेन फिलिप्स ने 34 और काइल जैमीसन ने नाबाद 38 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन ने 5 विकेट लिए, जबकि जोश टंग ने 3 और गस एटकिंसन ने 2 विकेट झटके।

वेस्टइंडीज-श्रीलंका दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द

सीरीज 1-1 की बराबरी पर आई

किंग्स्टन, 7 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे का दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। किंग्स्टन के सबीना पार्क स्टेडियम में टॉस के बाद एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। काफी देर इंतजार के बाद अंपायर्स ने मैच रद्द कर दिया।

बारिश के कारण टॉस निर्धारित समय से 30 मिनट देरी से हुआ था। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था, लेकिन इसके बाद खेल नहीं हो सका।

पहला वनडे हार चुकी वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा था। मैच रद्द होने के साथ ही उसकी सीरीज जीतने की संभावना समाप्त हो गई।

मेजबान टीम सोमवार को तीसरा और अंतिम वनडे जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर सकती है। वेस्टइंडीज के लिए आखिरी मैच वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के लिहाज से भी अहम होगा। वनडे रैंकिंग में सुधार टीम की वर्ल्ड कप राह आसान कर सकता है।

इस बीच कप्तान शाई होप ने अपने करियर का 150वां वनडे खेलने की उपलब्धि हासिल की। उन्हें मैच से पहले विशेष जर्सी देकर सम्मानित किया गया, लेकिन बारिश के कारण उनका यह यादगार दिन मैदान पर अधूरा रह गया।

वैभव सूर्यवंशी बोले-मुझे रेड बॉल खेलना पसंद

"मेरा सपना भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेलना है

पटना, 7 जून (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी के भारतीय क्रिकेट टीम में चुने जाने के बाद वैभव ने कहा कि उनका सपना क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में खेलना है। आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले का भी जिक्र किया और कहा, 'जब विराट कोहली ने मेरे कंधे पर हाथ रखा तो मुझे ये किसी सपने की तरह लगा।'

बता दें वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। वैभव ने कहा, आईपीएल का टूर्नामेंट दो से ढाई महीने तक चलता है। इसमें मेंटली और फिजिकली रूप से मजबूत रहना पड़ता है। हर मैच के बाद हम टीम में बैठकर चर्चा करते थे कि क्या कमी रह गई। कौन-सी गलती हुई और उसे दोबारा कैसे नहीं दोहराना है। इससे हमें काफी फायदा हुआ, क्योंकि आपस में बातचीत करने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

इस पर वैभव ने मुस्कुराते हुए कहा, जब मैं आईपीएल में किसी खिलाड़ी के सिर पर ऑरेंज कैप देखता था, तो सोचता था कि एक बार इसे छूकर देखूं, लेकिन आज मैं खुद इसे पहन रहा हूं, तो बहुत अच्छा लग रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान मैंने इसके बारे में नहीं सोचा, क्योंकि मुझे लगता है कि ज्यादा सोचने से नजर लग जाती है।

आईपीएल 2026 के अपने परफॉर्मेंस से वैभव ने कहा, अगर आखिरी मैच में हम जल्दी विकेट नहीं गंवाते, तो शायद हम IPL 2026 का फाइनल देख नहीं रहे होते, बल्कि खेलते। अगर टीम ट्रॉफी जीतती और उसके बाद मुझे ये अवॉर्ड्स मिलते, तो ज्यादा खुशी होती।

उन्होंने आगे कहा, ₹लोग पूछते हैं कि दूसरी ट्रॉफी कब आएगी। मुझे उम्मीद है कि सिर्फ दूसरी ट्रॉफी ही नहीं, बल्कि आने वाले 20 सालों में तीसरी, चौथी और पांचवीं ट्रॉफी भी जीतेंगे।₹

सुनील गावस्कर से हुई बातचीत का जिक्र करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने कहा- कई लोगों ने मुझसे पूछा था कि क्या मैं भविष्य में रेड-बॉल क्रिकेट खेलना चाहता हूं या नहीं। मैंने इसी सवाल का जवाब सुनील गावस्कर सर को भी दिया था कि मुझे रेड बॉल क्रिकेट खेलना पसंद है।

मैं रेड-बॉल क्रिकेट के लिए लगातार प्रैक्टिस भी कर रहा हूं। अपने राज्य के लिए भी मैंने काफी रेड-बॉल मैच खेले हैं। रेड-बॉल और वनडे क्रिकेट में टीम की जरूरत के अनुसार, जिस तरह की बल्लेबाजी करनी होगी, मैं अपने खेल को उसी हिसाब से ढालूंगा।₹

वैभव ने आगे कहा, "मेरा सपना भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेलना है। बाकी सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया है।"

वैभव सूर्यवंशी ने कहा, जब आईपीएल ऑक्शन में मेरे लिए बोली लगी थी, तब मेरे मन में यह सवाल आया था कि मुझ पर सिर्फ दो टीमों ने ही बोली क्यों लगाई। मुझे लगता था कि मैं अच्छा खेलता हूं और ट्रायल्स में भी मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था, इसलिए बाकी टीमों को भी मुझमें रुचि दिखानी चाहिए थी।

विश्व कप से पहले अर्जेंटीना टीम की मुश्किलें बढ़ी

मैत्री मैच में नहीं खेल सके चोटिल मेसी

खेल डेस्क, 7 जून (एजेंसियां)। विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं।

तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेसी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया, लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेसी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा।

अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरुआत करेगा। माना जा रहा है कि मेसी विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। उनके नाम पर विश्व कप में सर्वाधिक 26 मैच खेलने का रिकॉर्ड है।

उन्हें विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने के जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोस के 16 गोल के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल चार गोल की जरूरत है।

विद्यालय के निर्माण कार्यों का उपमुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि राज्य भर में निर्मित किए जा रहे एकीकृत आवासीय विद्यालय केवल भवन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने वाले दूरदृष्टि के मंदिर हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा जन सरकार शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उपमुख्यमंत्री ने रविवार को खम्मम जिले के मधिरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बोनाकल मंडल के लक्ष्मीपुरम में निर्माणाधीन एकीकृत आवासीय विद्यालय के कार्यों का स्वयं निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भट्टी विक्रमार्क ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने जूनियर छात्रावास, जूनियर एवं सीनियर शैक्षणिक ब्लॉकों तथा प्रशासनिक भवन का निरीक्षण किया और अधिकारियों से निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यांत्रिक (मैकेनिकल), विज्ञान, गणित तथा कंप्यूटर प्रयोगशालाओं के भवनों का भी विशेष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ये प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला सिद्ध होंगी और उन्हें आधुनिक शिक्षा तथा तकनीकी दक्षता प्रदान करेंगी। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों और उच्च गुणवत्ता के अनुरूप पूरे किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा परियोजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि शिक्षा पर सरकार द्वारा खर्च किया जाने वाला प्रत्येक रुपया केवल व्यय नहीं, बल्कि सक्षम, सशक्त और जिम्मेदार भावी पीढ़ियों के निर्माण में किया गया एक बहुमूल्य निवेश है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

केटीआर ने प्रवासी भारतीयों से की चर्चा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मलेशिया दौरे पर गए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने सिंगापुर के प्रवासी भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष संवाद किया। इस बैठक में शहरी विकास, शासन और तकनीक आधारित प्रशासन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता बीआरएस के वैश्विक प्रवासी समन्वयक महेश बिगला ने की। चर्चा के दौरान केटीआर ने सिंगापुर के विकास मॉडल, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन और आधुनिक शहरी नियोजन प्रणालियों की सराहना करते हुए कहा कि इन अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाकर तेलंगाना को और अधिक विकसित राज्य बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सिंगापुर और मलेशिया यात्राओं के दौरान प्राप्त अनुभवों का प्रभाव तेलंगाना की कई विकास योजनाओं में देखा गया है। केटीआर के अनुसार, राज्य के भविष्य के विकास के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना आवश्यक है। चर्चा का मुख्य फोकस सिंगापुर और मलेशिया में लागू सफल नीतियों और मॉडलों को तेलंगाना में कैसे लागू किया जा सकता है, इस पर रहा।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने मियापुर बस स्टॉप के पास आयोजित होने वाली जनसभा और मियापुर फ्लाईओवर के शिलान्यास कार्यक्रम के मद्देनजर विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने नागरिकों को सोमवार शाम इस क्षेत्र में संभावित यातायात दबाव को देखते हुए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के चलते सोमवार को शाम 4:30 बजे से रात 9 बजे तक मियापुर और राष्ट्रीय राजमार्ग-65 (एनएच-65) के आसपास भारी यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किए जा सकते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम स्थल के आसपास वाहनों की आवाजाही पर दबाव बढ़ने की आशंका है, जिससे मियापुर, चंदानगर, हाफीजपेट, कुकटपल्ली और आसपास के क्षेत्रों में भी यातायात प्रभावित हो सकता है। ऐसे में यात्रियों को अनावश्यक रूप से इस मार्ग का उपयोग करने से बचने की सलाह दी गई है।

साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और निर्धारित समय के दौरान वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। इससे न केवल उन्हें जाम से बचने में मदद मिलेगी बल्कि यातायात प्रबंधन भी सुचारु रूप से किया जा सकेगा। पुलिस ने यह भी कहा है कि यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर मार्गों में अस्थायी परिवर्तन किए जा सकते हैं।

स्कूल नाश्ता योजना फिर शुरू करने की तैयारी

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य में स्कूलों के लिए नाश्ता योजना को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही है, लेकिन शुरूआत में यह योजना केवल ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र के लगभग 1,700 स्कूलों तक ही सीमित रह सकती है। जानकारी के अनुसार, पिछले दो शैक्षणिक वर्षों से स्कूलों में छात्रों को मिलने वाला यह नाश्ता बंद था। अब सरकार इसे फिर से शुरू करने पर विचार कर रही है, हालांकि इसके क्रियान्वयन में अभी कुछ प्रशासनिक और तकनीकी बाधाएं सामने आ रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2026-27 की शुरूआत 15 जुलाई से होने की संभावना है, लेकिन उसी दिन से नाश्ता योजना लागू होने की उम्मीद कम है, क्योंकि अभी तक खाद्य आपूर्ति के लिए निविदाएं (टेंडर) अंतिम रूप नहीं ले पाई हैं।

स्कूल खुलने की तारीख बदली

अब 15 जून से शुरू होगा नया शैक्षणिक सत्र

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए स्कूलों को दोबारा खोलने की तारीख में बदलाव किया है। पहले राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूल 12 जून से खुलने वाले थे, लेकिन अब इन्हें 15 जून से खोला जाएगा। स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. ई. नवीन निकोलस ने रविवार को इस संबंध में आदेश जारी करते हुए स्कूलों के पुनः खुलने की तारीख स्थगित करने की घोषणा की। विभाग के अनुसार, विभिन्न हितधारकों, अभिभावकों और अन्य संबंधित पक्षों की ओर से प्राप्त कई अभ्यावेदनों में स्कूल खुलने की तिथि पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया था। इन्हीं सुझावों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। डॉ. निकोलस ने बताया कि 13 जून को महीने का दूसरा शनिवार और 14 जून को रविवार पड़ रहा है। ऐसे में छात्रों और शिक्षकों की सुविधा को देखते हुए 12 जून के बजाय 15 जून से स्कूल खोलने का फैसला लिया गया है। इस निर्णय से छात्रों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद अतिरिक्त समय मिलेगा।

हालांकि, स्कूल खुलने में तीन दिन की देरी से होने वाले शैक्षणिक नुकसान की भरपाई के लिए विभाग ने विशेष व्यवस्था भी की है। शैक्षणिक कैलेंडर 2026-27 में निर्धारित शिक्षण दिवसों की संख्या बनाए रखने के उद्देश्य से 17 जुलाई, जो दूसरा शनिवार है, को कार्य दिवस घोषित किया गया है। इस दिन सभी सरकारी और निजी स्कूलों में नियमित रूप से कक्षाएं संचालित होंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने क्षेत्रीय संयुक्त निदेशकों, जिला शिक्षा अधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के सभी स्कूलों को नए आदेश की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं और उसके अनुपालन को सुनिश्चित करें। विभाग के इस निर्णय से राज्य के लाखों छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि लगातार प्राप्त सुझावों के बाद ही स्कूलों के पुनः खुलने की तिथि में बदलाव किया गया है।

आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, तीन संदिग्ध चोर गिरफ्तार

प्रत्येक यात्री को सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : देबाश्मिता

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेल यात्रियों, विशेषकर महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा एमएमटीएस नेटवर्क में अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) हैदराबाद मंडल की पिंक पेट्रोल टीम द्वारा ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत लगातार निगरानी, डिकॉय ऑपरेशन, ड्रोन सर्विलांस तथा खुफिया सूचनाओं पर आधारित विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पिंक पेट्रोल टीम ने काचीगुड़ा एवं विद्यानगर रेलवे स्टेशनों पर दो अलग-अलग अभियानों के दौरान तकनीकी निगरानी और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से तीन संदिग्ध चोरी के आरोपियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। पहले मामले में काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर मोबाइल फोन चोरी की शिकायत मिलने के बाद पिंक पेट्रोल टीम ने स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया। संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों का सूक्ष्म अध्ययन करने के बाद सीसीटीवी फुटेज से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर विशेष डिकॉय जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में दोनों ने रेलवे परिसरों में मोबाइल फोन चोरी की कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं, एक अन्य अभियान के दौरान विद्यानगर रेलवे स्टेशन पर पिंक पेट्रोल टीम ने ड्रोन की सहायता से निगरानी और जमीनी स्तर पर डिकॉय जांच की।

इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसके कब्जे से लगभग 12 हजार रुपये मूल्य का एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोबाइल फोन के संबंध में संतोषजनक जानकारी प्रस्तुत नहीं कर पाने पर उक्त व्यक्ति को बरामद मोबाइल फोन सहित आवश्यक कार्रवाई के लिए जीआरपी के हवाले कर दिया गया। पकड़े गए सभी व्यक्तियों का सत्यापन इंटीग्रेटेड क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के माध्यम से किया गया है तथा मामले की आगे की जांच जीआरपी द्वारा की जा रही है। इस संबंध में आरपीएफ हैदराबाद मंडल की वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त देबाश्मिता सी. बनर्जी ने कहा कि रेलवे परिसरों में अपराधों की रोकथाम और अपराधियों की पहचान के लिए आरपीएफ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सीसीटीवी विश्लेषण, ड्रोन निगरानी, संदिग्ध व्यवहार विश्लेषण, डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म तथा आईसीजेएस जैसे एकीकृत डाटाबेस का प्रभावी उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर होने वाली प्रत्येक गतिविधि एक डिजिटल पहचान छोड़ती है और आधुनिक निगरानी प्रणाली संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर अपराधियों तक सटीक रूप से पहुंचने में सक्षम है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यात्रियों को निशाना बनाने वाले अपराधियों को यह समझ लेना चाहिए कि रेलवे स्टेशन निरंतर तकनीकी निगरानी में हैं तथा किसी भी आपराधिक गतिविधि का शीघ्र पता लगाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद मंडल प्रत्येक यात्री को सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। आरपीएफ हैदराबाद मंडल सक्रिय पुलिसिंग, आधुनिक निगरानी तकनीकों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वित प्रयासों के माध्यम से यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है।

बारिश से केबीआर पार्क के आसपास फ्लाईओवर निर्माण कार्य प्रभावित

परियोजनाओं में देरी की आशंका

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार शाम हुई बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे केबीआर पार्क, जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स के आसपास चल रहे फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों का कहना है कि मानसून के कारण कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की गति धीमी पड़ सकती है। जानकारी के अनुसार, जुबली हिल्स चेक पोस्ट और मुग्धा जंक्शन के बीच प्रस्तावित चार लेन फ्लाईओवर के निर्माण के लिए केबीआर पार्क गेट नंबर-3 के सामने गहरी खुदाई का कार्य किया जा रहा है। शनिवार की बारिश के बाद खुदाई वाले हिस्सों में बड़ी मात्रा में पानी भर गया। रविवार को मजदूर कार्यस्थल पर पहुंचे, लेकिन जलभराव के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका।

इसी तरह की स्थिति इंडो-अमेरिकन कैंसर अस्पताल, महाराजा अग्रसेन द्वीप, फिल्म नगर और जुबली हिल्स रोड नंबर-45 के पास भी देखने को मिली। इन क्षेत्रों में भी बारिश का पानी खुदाई स्थलों में जमा हो गया, जिससे चल रहे निर्माण कार्यों में बाधा उत्पन्न हुई। अधिकांश स्थानों पर फ्लाईओवर के खंभों के निर्माण के लिए गहरी खुदाई की गई है और अब वहां जलभराव की समस्या सामने आ रही है। जीएचएमसी के अधिकारियों के अनुसार, केबीआर पार्क के आसपास एकतरफा और द्विदिशात्मक फ्लाईओवर परियोजनाओं के लिए खंभों की नींव तैयार करने का काम लगभग पूरा हो चुका है। अगले चरण में इन गड्ढों में सीमेंट और कंक्रीट भरने का कार्य किया जाना है, लेकिन लगातार बारिश और जलभराव के कारण इस प्रक्रिया में देरी हो सकती है। जीएचएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब तक निर्माण स्थलों से बारिश का पानी पूरी तरह नहीं निकाला जाता, तब तक आगे के सिविल कार्य शुरू नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम को देखते हुए परियोजनाओं की समय-सीमा प्रभावित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। शहर में जारी आधारभूत ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए बारिश नई चुनौती बनकर सामने आई है। यदि आने वाले दिनों में लगातार वर्षा होती रही, तो फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण कार्यों की गति और अधिक प्रभावित हो सकती है, जिससे परियोजनाओं के पूरा होने में अतिरिक्त समय लग सकता है।

ट्रैफिक कांस्टेबल ने मारा थप्पड़, वीडियो वायरल

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के गच्चीबावली इलाके में ड्रंक एंड ड्राइव (शराब पीकर वाहन चलाने) की जांच के दौरान एक ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल द्वारा एक वाहन चालक को थप्पड़ मारने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस के व्यवहार को लेकर बहस छिड़ गई है। जानकारी के अनुसार, गच्चीबावली में ट्रैफिक पुलिस की टीम शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान करीब 50 वर्षीय एक वाहन चालक को रोककर उसका ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट कराया जा रहा था। पुलिसकर्मी ने चालक से मशीन में फूंक मारने के लिए कहा, लेकिन वह कई बार प्रयास करने के बावजूद सही तरीके से फूंक नहीं मार सका।

बताया जा रहा है कि बार-बार कोशिश के बाद भी टेस्ट पूरा नहीं होने पर ड्यूटी पर मौजूद ट्रैफिक कांस्टेबल नाराज हो गया। आरोप है कि उसने अन्य पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में वाहन चालक को थप्पड़ मार दिया। यह पूरी घटना वहां मौजूद एक व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली। वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही तेजी से वायरल हो गया। वीडियो देखने के बाद कई लोगों ने पुलिसकर्मी के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। नागरिकों का कहना है कि कानून का पालन कराना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन किसी व्यक्ति के साथ सार्वजनिक रूप से मारपीट करना उचित नहीं है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने ट्रैफिक पुलिस के अधिकारों और उनके व्यवहार को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। कई लोगों ने मामले की जांच कर संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी माधापुर रोड पर चेकिंग के दौरान एक बाइक सवार ने आरोप लगाया था कि एक सब इंस्पेक्टर ने उसे लाठी से मारा था। ऐसे मामलों के सामने आने के बाद पुलिस के रवैये पर सवाल उठ रहे हैं।

वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. राहुल देवराज बने निम्स के नए निदेशक

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. राहुल देवराज को निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) का नया निदेशक नियुक्त किया है। स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. क्रिस्टीना चोंगथू द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, उनकी नियुक्ति तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए की गई है। डॉ. राहुल देवराज ने वरिष्ठ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. बीरप्पा नागरी का स्थान लिया है। डॉ. नागरी को जून 2023 में तीन साल के कार्यकाल के लिए एनआईएमएस का निदेशक नियुक्त किया गया था। अब उनके कार्यकाल के बाद डॉ. राहुल को संस्थान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वर्तमान में डॉ. राहुल देवराज एनआईएमएस के यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपने नेतृत्व में संस्थान के किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनकी अगुवाई में एनआईएमएस की यूरोलॉजी टीम अब तक लगभग 2,000 किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर चुकी है, जिससे यह सरकारी स्वास्थ्य क्षेत्र में देश के प्रमुख किडनी ट्रांसप्लांट केंद्रों में शामिल हो गया है। डॉ. राहुल के नेतृत्व में पिछले वर्ष एनआईएमएस ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की थी। अस्पताल ने दक्षिण भारत के किसी सरकारी अस्पताल में पहली बार सफल रोबोटिक किडनी प्रत्यारोपण प्रक्रिया पूरी कर चिकित्सा क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया था। इस उपलब्धि को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी सफलता माना गया था।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में एनआईएमएस के सर्जनों ने 500 से अधिक किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए हैं। इससे संस्थान की पहचान अंग प्रत्यारोपण और उन्नत चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में और मजबूत हुई है। डॉ. राहुल देवराज की नियुक्ति को एनआईएमएस के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और उपलब्धियों को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि उनके नेतृत्व में संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा अनुसंधान और उन्नत उपचार सुविधाओं के क्षेत्र में नई प्रगति हासिल करेगा।

गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना पर बीआरएस का हमला

तेलंगाना के जल अधिकारों से समझौते का आरोप

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना के जल अधिकारों से समझौता करने का आरोप लगाते हुए आंध्र प्रदेश से होकर गुजरने वाली प्रस्तावित गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ो परियोजना का कड़ा विरोध किया है। पार्टी ने इसे तेलंगाना के हितों के खिलाफ बताते हुए सरकार के रुख पर गंभीर सवाल उठाए हैं। रविवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में बीआरएस विधायक दल के उपनेता और पूर्व सिंचाई मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि प्रस्तावित गोदावरी-नल्लामाला सागर परियोजना को पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना से जोड़ने का प्रयास तेलंगाना के जल अधिकारों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले जिन परियोजनाओं का बीआरएस ने विरोध किया था, उन्हें अब नए नाम से दोबारा आगे बढ़ाया जा रहा है।

हरीश राव ने कहा कि राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी की बैठकों में पहले इचमपल्ली अथवा सम्मक्का सागर से पानी लेकर नागार्जुन सागर और फिर कावेरी बेसिन तक पहुंचाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी। उनके अनुसार, उस समय बीआरएस सरकार ने स्पष्ट किया था कि किसी भी अंतर-नदी परियोजना से पहले तेलंगाना को आवंटित गोदावरी नदी के जल की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और परियोजना से मिलने वाले पानी में राज्य की हिस्सेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना गोदावरी नदी के 1,050 टीएमसीएफटी पानी का हकदार है, लेकिन आंध्र प्रदेश के नए प्रस्ताव में पोलावरम से सीधे नल्लामाला सागर और वहां से कावेरी बेसिन तक पानी पहुंचाने की योजना बनाई गई है, जिससे तेलंगाना को कोई लाभ नहीं मिलेगा। उनका आरोप है कि इस प्रस्ताव से राज्य के जल हितों की अनदेखी की जा रही है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि यदि यह परियोजना मौजूदा स्वरूप में लागू होती है तो तेलंगाना की कई महत्वपूर्ण सिंचाई योजनाओं पर असर पड़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि सम्मक्का सागर, वर्धा, येल्लमपल्ली विस्तार, आदिलाबाद की लघु सिंचाई योजनाओं और लोअर पेंगांगा जैसी परियोजनाओं के लिए जल उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। उनके अनुसार, इससे राज्य को बड़ी मात्रा में जल हानि होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के कथित रुख की आलोचना करते हुए हरीश राव ने कहा कि गोदावरी-बनाकचेरला परियोजना को पालमुरु-रंगारेड्डी योजना की मंजूरी से जोड़ने का विचार तेलंगाना के कानूनी दावों को कमजोर कर सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश, केंद्र सरकार और तेलंगाना सरकार के अधिकारियों के बीच हुई कई बैठकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। बीआरएस नेता ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि गोदावरी नदी के जल बंटवारे के मुद्दे पर पर्याप्त पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। उन्होंने केंद्रीय नेताओं और सांसदों से भी राज्य के हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट रुख अपनाने की मांग की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.